17 सितंबर 2025
बुधवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

करोड़ों की लागत से बन रही सड़कें बनीं मुसीबत प्रशासन की लापरवाही से जाम में कराहते लोग

3

2047 का विजन तभी सफल, जब देश हो नशा मुक्त : शाह

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार देश से ड्रग्स के खतरे को मिटाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने एएनटीएफ प्रमुखों के सम्मेलन में कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए युवाओं को नशे से बचाना जरूरी है। शाह ने ड्रग्स के तीन स्तर के कार्टेल पर कड़ा प्रहार करने, विदेशी तस्करों को प्रत्यर्पित करने और जब्त ड्रग्स को नष्ट करने की आवश्यकता पर जोर दिया। अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार देश से ड्रग्स के खतरे को पूरी तरह मिटाने के लिए दृढ़ संकल्पित है और इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। वे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स प्रमुखों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन का आयोजन नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने किया। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक भारत को एक विकसित और महान राष्ट्र बनाने का लक्ष्य तय किया है। इस सपने को पूरा करने के लिए देश का सुरक्षित होना जरूरी है और सुरक्षा तभी संभव है जब युवा पीढ़ी को ड्रग्स के खतरे से बचाया जाए।

उन्होंने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की नींव होते हैं और यदि वे नशे की चपेट में आ जाएंगे तो देश कमजोर हो जाएगा।

ड्रग्स के खिलाफ कड़ा अभियान जरूरी

गृह मंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि ड्रग्स के खिलाफ कार्रवाई का पैमाना बड़ा किया जाए ताकि आने वाले दिनों में ज्यादा सफलता मिले। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में यह देखा गया है कि किसी राष्ट्र की प्रगति और ड्रग्स की चुनौती का सीधा संबंध है। दुर्भाग्य से, जिन दो क्षेत्रों से पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा ड्रग्स की सप्लाई होती है, वे भारत के नजदीक हैं। इसलिए यह समय है कि हम इस खतरे के खिलाफ मजबूती से लड़ाई लड़ें। शाह ने कहा कि ड्रग्स के कारोबार में तीन तरह के कार्टेल सक्रिय हैं। पहला, वे कार्टेल जो देश के एंट्री पॉइंट्स पर काम करते हैं। दूसरा, वे जो एंट्री पॉइंट से राज्यों तक सप्लाई नेटवर्क संभालते हैं। तीसरा, वे छोटे स्तर के कार्टेल जो पान की दुकानों और मोहल्लों तक ड्रग्स बेचने का काम करते हैं।
उन्होंने कहा कि इन तीनों स्तरों पर सख्त प्रहार करना होगा और यह तभी संभव है जब अधिकारी इसे अपनी लड़ाई समझकर आगे बढ़ें।
विदेशी तस्करों पर कार्रवाई

विदेशी तस्करों पर कार्रवाई

गृह मंत्री ने कहा कि ड्रग्स कारोबार में शामिल विदेश में बैठे अपराधियों को कानून के दायरे में लाना अब बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने इस दिशा में अच्छा काम किया है। शाह ने अपील किया कि वे सीबीआई से समन्वय कर प्रत्यर्पण की एक मजबूत व्यवस्था बनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि जो अपराधी जेलों में बंद हैं लेकिन वहीं से कारोबार चला रहे हैं, उनके खिलाफ भी कड़ा कदम उठाना होगा। गृह मंत्रालय इस पर मानक संचालन प्रक्रिया लाने जा रहा है।

जब्त ड्रग्स का नष्टिकरण

शाह ने देशभर में जब्त की गई 4,794 करोड़ रुपये की ड्रग्स को नष्ट करने की प्रक्रिया भी शुरू की। उन्होंने कहा कि एनसीबी जीएसटी विभाग, राज्य ड्रग्स नियंत्रकों, आयकर विभाग और वित्तीय संस्थानों से लगातार समन्वय कर रही है ताकि ड्रग्स नेटवर्क की पूरी तस्वीर सामने लाई जा सके। उन्होंने इस लड़ाई को केवल सरकार की नहीं बल्कि पूरे समाज की लड़ाई बताया। शाह ने कहा कि पीएम मोदी का विजन है कि 2047 तक भारत हर क्षेत्र में दुनिया का नंबर एक राष्ट्र बने। इसके लिए युवा पीढ़ी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि अगर युवा दृढ़ संकल्पित हों तो कुछ भी असंभव नहीं है।

विदेश मंत्री और सचिव के कमरों में लगेगा बुलेटप्रूफ कांच, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग ने जारी किया टेंडर

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) ने राजधानी दिल्ली में मौजूद जवाहरलाल नेहरू भवन में विदेश मंत्री एस. जयशंकर और विदेश सचिव विक्रम मिस्री के कमरों में बुलेटप्रूफ कांच लगाने के लिए टेंडर जारी किया है। टेंडर दस्तावेज के अनुसार, इस परियोजना की अनुमानित लागत करीब 2.64 करोड़ रुपये है और इसे दो महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। जवाहरलाल नेहरू भवन विदेश मंत्रालय (एमईए) का मुख्यालय है। सुरक्षा कारणों से यह एक प्रतिबंधित क्षेत्र है और यहां वाहनों की आवाजाही अक्सर सीमित रहती है। दस्तावेज में कहा गया है कि काम करने के लिए ठेकेदारों को पहले से पास बनवाने होंगे। सीपीडब्ल्यूडी ने बताया कि बुलेटप्रूफ कांच को यादृच्छिक तरीके (रैंडम) से चुना जाएगा और टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी (टीबीआरएल), चंडीगढ़ या गुजरात फॉरेंसिक साइंस लैब, गांधीनगर में इसकी जांच करवाई जाएगी। मंगलवार को टेंडर खोला गया, जिसमें आठ ठेकेदारों ने अपनी बोली लगाई।

छुट्टी की सूचना

विश्वकर्मा पूजा के शुभ अवसर पर 17 सितंबर दिन बुधवार को डिजीटल अखबार केशव टाइम्स का कार्यालय बंद रहेगा। पाठकों को इसका अंगला अंक 19 सितंबर दिन शुक्रवार को पढ़ने को मिलेगा।

इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना

भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर हुई सकारात्मक बातचीत

- भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने के ट्रंप के फैसले के बाद तनाव व्याप्त था

एजेंसी। नई दिल्ली

वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हुई बातचीत सकारात्मक और आगे की दिशा में रही। मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों ने आपसी लाभकारी समझौते को जल्द पूरा करने के लिए प्रयास तेज करने का फैसला किया है। वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका के मुख्य वातार्कार ब्रेंडन लिंच के साथ भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हुई चर्चा सकारात्मक और भविष्य की दिशा तय करने वाली रही। मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि दोनों देशों ने इस समझौते को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने के लिए प्रयास तेज करने का निर्णय लिया है, ताकि यह दोनों के लिए फायदेमंद हो। भारत की तरफ से बातचीत का नेतृत्व वाणिज्य विभाग के विशेष सचिव राजेश अग्रवाल ने किया। वहीं, अमेरिकी टीम का नेतृत्व ब्रेंडन लिंच ने किया, जो दक्षिण और मध्य एशिया मामलों के लिए अमेरिका के सहायक व्यापार प्रतिनिधि हैं। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल सोमवार शाम नई दिल्ली पहुंचा और मंगलवार को पूरे दिन भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों और प्रस्तावित समझौते पर चर्चा की।

द्विपक्षीय व्यापार समझौते का क्या है उद्देश्य

अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने भी बैठक को सकारात्मक बताया और कहा कि यह वार्ता आगे की रणनीति तय करने में अहम साबित होगी। इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना और आर्थिक सहयोग को नई दिशा देना है। ट्रंप प्रशासन के मुख्य वातार्कार ब्रेंडन लिंच दक्षिण और मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि हैं। वह क्षेत्र के 15 देशों के संबंध में अमेरिकी व्यापार नीति के विकास और कार्यान्वयन की देखरेख करते हैं।

टैरिफ पर भारत के अडिग रुख से ट्रंप का यूटर्न

भारत पर 50 फीसदी टैरिफ (रूस से तेल खरीदने के लिए 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ समेत) लगाने के ट्रंप के फैसले के बाद उनके कड़े बयानों से संबंधों में हफ्तों तक तनाव के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में हाल ही में सुधार के संकेत मिले हैं। वहीं लिंच के नेतृत्व में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल सोमवार की रात भारत पहुंची है। लिंच अमेरिका के सहायक व्यापार प्रतिनिधि (दक्षिण एवं पश्चिम एशिया) हैं। बैठक के मंगलवार शाम को केंद्रीय वाणिज्य उद्योग मंत्रालय की तरफ से बयान जारी किया गया। इसमें बताया गया कि, भारत अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते के ब्रैंडन लिंच के नेतृत्व में भारत आई है। इस टीम ने वाणिज्य विभाग के अधिकारियों से मिली। इस बैठक में भारत अमेरिका के व्यापार पर संबंधों पर चर्चा हुई। इस मुलाकात के दौरान मुख्य फोकस भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार रहा। दोनों पक्षों ने स्वीकार किया कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार बहुत ही महत्वपूर्ण है। मंगलवार को हुई चर्चा सकारात्मक और भविष्य की दिशा दिखाने वाली रही। इस बैठक में यह भी तय हुआ कि दोनों देश मिलकर जल्दी से जल्दी एक आपसी हित वाला व्यापार समझौता पूरा करने का प्रयास तेज करेंगे।

अतिरिक्त टैरिफ के बाद पहली बार हुई बैठक

इससे पहले केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका के साथ ट्रेड डील होने की उम्मीद जताई थी। 2 सितंबर को पीयूष गोयल ने एक वैश्विक निवेशक सम्मेलन में कहा मुझे उम्मीद है कि चीजें जल्द ही पटरी पर लौट आएंगी और हम नवंबर तक बाइलेटरल ट्रेड एग्रीमेंट को अंतिम रूप दे देंगे। भारत और अमेरिका ने इस वर्ष मार्च में एक न्यायसंगत, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए वार्ता शुरू की, जिसका लक्ष्य अक्टूबर-नवंबर 2025 तक समझौते के पहले चरण को पूरा करना है। शुरूआत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की। कुछ दिनों बाद, उन्होंने भारत द्वारा रूसी तेल के निरंतर आयात का हवाला देते हुए 25 प्रतिशत का एक और टैरिफ लगाया, जिससे कुल टैरिफ 50 प्रतिशत हो गया।

पीएम के जन्मदिन कार्यक्रमों से जनता से जुड़ने की कोशिश करेगी भाजपा

एजेंसी। नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिवस पर भाजपा बड़ा संदेश देने की कोशिश करेगी। 17 सितंबर को पूरे देश में स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग एक लाख स्वास्थ्य कैम्प लगाए जाएंगे। जिसमें लोगों का इलाज करने के साथ साथ उन्हें केंद्र सरकार द्वारा दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी भी दी जाएगी। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मध्यप्रदेश के धार जिले से इस कार्यक्रम में शामिल होंगे और महिलाओं से संवाद करेंगे। प्रधानमंत्री के गृहराज्य गुजरात में सुबह-सुबह मंदिरों में पूजा-पाठ के कार्यक्रम रखे गए हैं तो पीएम के लोकसभा क्षेत्र वाराणसी में रक्तदान शिविर आयोजित कर उन्हें शुभकामनाएं दी जाएंगी। इसके अलावा एक पखवाड़े तक चलने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के जरिये पार्टी लोगों से जुड़ने की कोशिश करेगी। गुजरात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन भव्य तरीके से मनाए जाने की पूरी तैयारी की गई है। सीआर पाटिल ने इन कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई है। इनके अंतर्गत गुजरात के विभिन्न मंदिरों में पूजापाठ की योजना बनाई गई है। मंदिरों के साथ बाजारों और बस्तियों में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। सेवा पखवाड़े में जगह-जगह मेडिकल कैंप लगाकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं दी जाएंगी।

पांच बड़े अस्पतालों के साथ विभिन्न योजनाओं की शुरूआत

देश की राजधानी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 75 बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भाजपा ने सत्ता हासिल करने के साथ ही दिल्ली को विकसित राजधानी के रूप में परिवर्तित करने का सपना लोगों को दिखाया था। पीएम के जन्मदिवस पर इसी को थीम बनाया गया है। बुधवार को दिल्ली को पांच नए अस्पताल मिलेंगे। 75 ड्रोन उड़ाकर मोदी को जन्मदिन की बधाई दी जाएगी। दिल्ली की सार्वजनिक बस सेवा को बेहतर बनाने के लिए सौ नई बसों को बुधवार को ही सड़कों पर उतारा जाएगा।

अब अहिल्यानगर के नाम से जाना जाएगा अहमदनगर रेलवे स्टेशन

एजेंसी। नई दिल्ली

महाराष्ट्र के अहमदनगर रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर अब अहिल्यानगर कर दिया गया है। यह निर्णय लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर के सम्मान में लिया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। पिछले सप्ताह महाराष्ट्र सरकार ने केंद्र गृह मंत्रालय की मंजूरी के बाद स्टेशन का नाम बदलने की अधिसूचना जारी की थी। इससे पहले राज्य सरकार ने अहमदनगर जिले का नाम भी बदलकर अहिल्यानगर जिला कर दिया था। सेंट्रल रेलवे की ओर से जारी बयान में कहा गया। पहले अहमदनगर के नाम से जाना जाने वाला स्टेशन अब आधिकारिक रूप से अहिल्यानगर कहलाएगा। स्टेशन कोड में कोई बदलाव नहीं होगा। पिछले महीने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर स्टेशन का नाम बदलने की मांग की थी, ताकि शहर के नए नाम से मेल खा सके। कई संगठनों और नागरिकों ने भी लंबे समय से अहमदनगर रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर अहिल्यानगर करने की मांग उठाई थी।

मेघालय में संगमा कैबिनेट का विस्तार

पूर्व में 12 में से आठ मंत्रियों ने अपने पद से दिया था इस्तीफा

एजेंसी। शिलांग

मेघालय मंत्रिमंडल में फेरबदल के तहत एनपीपी के टिमोथी डी शिरा, भाजपा के सनबोर शुल्लई, यूडीपी के एम लिंगदोह समेत आठ विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। वहीं इससे पहले 12 में से आठ मंत्रियों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इस्तीफा देने वालों में वरिष्ठ नेता एएल हेक, पॉल लिंगदोह और एंपरीन लिंगदोह भी शामिल थे। इस कड़ी में नेशनल पीपल्स पार्टी (एनपीपी) के नेतृत्व वाले मेघालय लोकतांत्रिक गठबंधन

(एमडीए) सरकार का नेतृत्व कर रहे मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने राजभवन में राज्यपाल सी.एच. विजयशंकर से मुलाकात की और मंत्रियों के इस्तीफे सौंपे थे। इस मामले में एक अन्य अधिकारी ने बताया कि जिन आठ मंत्रियों ने इस्तीफा दिया था, उनमें एनपीपी के एंपरीन लिंगदोह, कमिंगवन यमबोन, रक्कम ए संगमा और अबू ताहेर मंडल, यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (यूडीपी) के पॉल लिंगदोह और कर्मेन शायला, हिल स्टेट पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (एचएसपीडीपी) के शाकलियार वारजरी और भाजपा के ए.एल. हेक शामिल थे। नियमों के मुताबिक, 60 सदस्यों वाली मेघालय विधानसभा में मुख्यमंत्री समेत कुल 12 से अधिक मंत्री नहीं हो सकते। एंपरीन लिंगदोह कृषि और कानून विभाग की मंत्री थीं, जबकि यमबोन सहकारिता और रक्कम ए संगमा शिक्षा विभाग संभाल रहे थे। अबू ताहेर मंडल ऊर्जा मंत्री थे, पॉल लिंगदोह पर्यटन, और कर्मेन शायला राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग देख रहे थे। शाकलियार वारजरी खेल मंत्रालय और एएल हेक पशुपालन विभाग के प्रभारी थे। इन मंत्रियों के इस्तीफे से नए मंत्रियों के कैबिनेट में शामिल होने का रास्ता साफ हो गया है।

डीएमएफ एवं पीएमकेकेवाई का 10वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

- बोले नये ईओ राहुलधर दूबे शहर की रैंकिंग सुधारना प्राथमिकता, नालियों व शौचालयों की होगी जल्द मरम्मत

केटी न्यूज/बक्सर

जिला खनिज प्रतिष्ठान (डीएमएफ) एवं प्रधानमंत्री खान क्षेत्र कल्याण योजना (पीएमकेकेवाई) के 10वें स्थापना दिवस के अवसर पर मंगलवार, 16 सितम्बर 2025 को एम.पी. उच्च विद्यालय, बक्सर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ह्लसंधारणीय खनन एवं सतत विकासह्व विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को खनिज संपदा के जिम्मेदार उपयोग, पर्यावरण संरक्षण तथा सतत विकास की अवधारणा से जोड़ना था। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने खनन कार्यों के पर्यावरणीय प्रभाव, संसाधनों के संतुलित दोहन और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक धरोहर को सुरक्षित रखने की आवश्यकता पर सारगर्भित विचार रखे।निबंध प्रतियोगिता में नंदनी पाल (कक्षा 11वीं) ने प्रथम, नैन्सी कुमारी (कक्षा 10वीं) ने द्वितीय तथा श्रुति कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को स्मृति-चिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन जिला खनन कार्यालय, बक्सर द्वारा किया गया, जबकि मंच संचालन अभिराम सुंदर ने प्रभावशाली ढंग से किया। इस अवसर पर खनिज विकास पदाधिकारी ने कहा कि खनन केवल आर्थिक विकास का माध्यम नहीं है, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने की जिम्मेदारी भी है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग, पौधरोपण, प्रदूषण नियंत्रण और खनन क्षेत्रों के पुनर्वास की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएं। विद्यालय के प्रधानाध्यापक व शिक्षकों ने भी छात्रों को जागरूक नागरिक बनने हेतु प्रोत्साहित किया।

गौरतलब है कि जिला खनिज प्रतिष्ठान (डीएमएफ) के तहत खनिज-समृद्ध जिलों में खनन से प्राप्त आय का एक हिस्सा इस निधि में जमा किया जाता है, जिसका उपयोग खनन प्रभावित क्षेत्रों के लोगों के स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, आजीविका और पर्यावरण सुधार के लिए किया जाता है। वहीं प्रधानमंत्री खान क्षेत्र कल्याण योजना (पीएमकेकेवाई), वर्ष 2015 में प्रारंभ हुई थी, जिसके अंतर्गत डीएमएफ निधि से शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, रोजगार, पेयजल और हरित पर्यावरण को बढ़ावा दिया जाता है। इस मौके पर जिला खनिज पदाधिकारी, खान निरीक्षक सहित विद्यालय परिवार और स्थानीय गणमान्य उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल को सराहते हुए संकल्प लिया कि खनन से जुड़े कार्यों में पर्यावरणीय संतुलन सर्वोपरि रखा जाएगा।

चौसा में खरीफ किसान गोष्ठी आयोजित, पराली से बचाव से लेकर ड्रैगन फ्रूट तक हुई चर्चा

केटी न्यूज/चौसा

खेतों में फसल कैसे स्वस्थ्य रहे, कीटों से कैसे बचाव हो और बदलते समय में किसान अपनी आय कैसे बढ़ा सकते हैं, इन तमाम विषयों पर मंगलवार को चौसा प्रखंड कृषि कार्यालय में आयोजित खरीफ किसान गोष्ठी में जोरदार चर्चा हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख सुनीता राय ने की, जिसमें बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए।गोष्ठी की खास बात यह रही कि विशेषज्ञों ने केवल तकनीकी जानकारी ही नहीं दी, बल्कि किसानों को नई सोच अपनाने की भी प्रेरणा दी। आत्मा परियोजना के उप-परियोजना निदेशक रणधीर कुमार ने बताया कि परिभ्रमण कार्यक्रमों से किसान उन्नत खेती की ओर बढ़ रहे हैं। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार ने पराली जलाने के खतरों पर चेतावनी देते हुए कहा कि इससे न केवल जमीन की उर्वरता घटती है, बल्कि पर्यावरण भी प्रदूषित होता है। उन्होंने इसके वैकल्पिक उपयोग जैसे खाद बनाने पर बल दिया। जिला परिषद सदस्य पूजा कुमारी ने रोग और कीट प्रबंधन पर किसानों को जागरूक किया और जैविक उपायों को अपनाने पर जोर दिया। इसी क्रम में प्रखंड प्रमुख सुनीता राय ने किसानों को पारंपरिक फसलों के साथ-साथ ड्रैगन फ्रूट जैसी वैकल्पिक खेती अपनाने की सलाह दी।

करोड़ों की लागत से बन रही सड़कें बनीं मुसीबत प्रशासन की लापरवाही से जाम में कराहते लोग

- डायवर्जन प्लान हवा, वैकल्पिक मार्ग भी बंद; स्कूली बच्चों से लेकर मरीज तक फंसे संकट में

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव शहर में चल रहा करोड़ों की लागत का सड़क निर्माण जनता के लिए राहत नहीं बल्कि आफत बनकर सामने आया है। प्रशासन ने योजना तो बनाई कि निर्माण कार्य के दौरान वैकल्पिक रास्ते तैयार रहेंगे और ट्रैफिक डायवर्जन से शहर को जाम से निजात मिलेगी। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि कागजों में बनी यह योजना धरी रह गई। नतीजा यह हुआ कि मंगलवार को पूरा शहर घंटों तक महाजाम की गिरफ्त में कराहता रहा। शहर के बीचोंबीच पुराना भोजपुर से मां डुमरेजनी द्वार तक 1.30 करोड़ की लागत से सड़क चौड़ीकरण और निर्माण कार्य जारी है। अधिकारियों ने पखवाड़ेभर पहले बैठक कर यह भरोसा दिलाया था कि कोई भी वाहन शहर में प्रवेश नहीं करेगा। भारी वाहनों को बिहिया, जगदीशपुर होकर मलियाबाग की ओर और बसों को ढकाईच कोरानसराय की ओर डायवर्ट करने की योजना बनी थी। छोटे वाहनों के लिए टेढ़की पुल कृषि विश्वविद्यालय अंबेडकर चौक का रास्ता तय किया गया था। चार चेकपोस्ट बनाने और वहां पुलिस व दंडाधिकारी तैनात करने का भी ऐलान हुआ था। लेकिन जब काम शुरू हुआ तो न पुलिस दिखी, न चेकपोस्ट। डायवर्जन प्लान बैठक कक्ष से बाहर निकलते ही दम तोड़ गया और वाहन सीधे शहर की गलियों में घुसते रहे। खुदाई और निर्माण स्थल के बीच जाम का अंबार लग गया।

वैकल्पिक रास्ता भी बंद

समस्या यहीं खत्म नहीं हुई। मुख्य सड़क बंद होने के बाद लोग थाना से शक्ति द्वार होते हुए राजगढ़ चौक के रास्ते निकल रहे थे, लेकिन प्रशासन ने उस वैकल्पिक मार्ग पर भी पीसीसी सड़क का निर्माण शुरू कर दिया। यानी लोगों के लिए खुले अंतिम दरवाजे को भी बंद कर दिया गया। अब हालत यह है कि दो-दो सड़कों पर एकसाथ निर्माण कार्य चल रहा है और बाजार से मोहल्ले तक पहुंचना भी पहाड़ चढ़ने जैसा हो गया है।

आमजन से लेकर दुकानदार तक परेशान

जाम का सबसे बड़ा असर आम जनता पर पड़ा है। स्कूली बच्चों को समय पर स्कूल पहुंचाना मुश्किल हो गया है। मरीजों को अस्पताल तक ले जाने में लोग बुरी तरह जूझ रहे हैं। ई-रिक्शा और ऑटो जैसे छोटे वाहन जाम को और विकराल बना रहे हैं।

वहीं, दुकानदारों का धंधा ठप पड़ने की कगार पर है। व्यापारी दीपक कुमार, धर्मेंद्र कुमार, राकेश और राजा गुप्ता कहते हैं कि ग्राहक बाजार तक आने से कतरा रहे हैं। जिनके पास जरूरी काम होता है वे भी जाम देखकर आधे रास्ते से ही लौट जाते हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सड़क निर्माण का फैसला लेते वक्त वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए थी। लेकिन यहां पहले सड़कें तोड़ दी गईं और बाद में डायवर्जन योजना को फाइलों में टांग दिया गया। लोगों का गुस्सा अब खुलकर सामने आ रहा है। उनका कहना है कि प्रशासन अगर तुरंत सख्ती से ट्रैफिक डायवर्जन लागू नहीं करता तो आने वाले दिनों में हालात और बिगड़ सकते हैं।

एक तीर से दो शिकार" की सोच

लोगों का कहना है कि प्रशासन ने शायद सोचा कि एक ही समय में दो सड़कों पर काम करके सड़क भी बना ली जाए और जनता को सब्र की परीक्षा भी दी जाए। लेकिन यह प्रयोग अब लोगों के गले की हड्डी बन गया है। सड़क निर्माण सुचारू नहीं हो रहा और न ही जनता को राहत मिल रही है।

प्रशासन की चुप्पी, जनता का गुस्सा

डुमरांव शहर में फिलहाल सिर्फ ट्रक और ट्रेलरों पर ही रोक नजर आती है। ई-रिक्शा, ऑटो और चारपहिया गाड़ियां अब भी बिना रोकटोक शहर में घुस रही हैं, जिससे ट्रैफिक चरमराया हुआ है और निर्माण कार्य भी बाधित हो रहा है।

लोग पूछ रहे हैं कि करोड़ों की लागत से बनने वाली सड़क का लाभ तो भविष्य में मिलेगा, लेकिन फिलहाल जनता को राहत कौन देगा। क्या प्रशासन वाकई डायवर्जन योजना को धरातल पर उतारेगा। क्या चेकपोस्टों पर पुलिस की तैनाती होगी या यह सब महज कागजों तक ही सीमित रहेगा।

मध्य विद्यालय डुभकी के शिक्षक राजेश कुमार सिंह का असामयिक निधन, शिक्षकों में शोक की लहर

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय प्रखंड के डुभकी गांव निवासी व मध्य विद्यालय डुभकी के शिक्षक राजेश कुमार सिंह का असामयिक निधन हो गया है। सोमवार की शाम उन्हें ब्रेन स्टोक आया था, परिवार उनका इलाज करवा रहा था तथा बेहतर इलाज के लिए बनारस ले जाने के दौरान रास्ते में ही उन्होंने अंतिम सांस ली। इस संबंध में जानकारी देते हुए उनके करीबी व शिक्षक उपेन्द्र पाठक ने बताया कि वे काफी मिलनसार प्रवृति के थे तथा हमेशा शिक्षकों की समस्याओं के प्रति संजीदा रहते थे। उनके निधन से शिक्षक समाज को अपूरणनीय क्षति पहुंची है, जिसकी भारपाई निकट भविष्य में संभव नहीं हो पा रहा है। हालांकि, इस मामले में उनके स्वजनों से संपर्क स्थापित नहीं हो सका। जबकि शिक्षकों का कहना है कि इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। राजेश की मौत के बाद शिक्षकों ने गहरा शोक जताया है। शोक जताने वालों में पूर्णानंद मिश्र, धीरज पांडेय, नवनीत श्रीवास्तव, धीरज कुमार, अनुराग मिश्र समेत दर्जनों शिक्षक शामिल रहे।

नदी में डूबे मासूम सिंटू का शव 48 घंटे बाद बरामद

केटी न्यूज/बक्सर

जीवित पुत्रिका पर्व के दिन धनसोई गांव के समीप कंचन नदी में डूबे दस वर्षीय मासूम सिंटू कुमार का शव घटना के पूरे 48 घंटे बाद मंगलवार को एसडीआरएफ की टीम ने बरामद किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं स्थानीय मुखिया तुलसी साह ने मृतक के परिजनों को कबीर अंत्येष्टि के लिए तीन हजार रुपये की आर्थिक मदद दी। मृतक की पहचान धनसोई निवासी बुद्धदेव साह के पुत्र सिंटू कुमार के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार बीते शनिवार की सुबह सिंटू नदी किनारे शौच के लिए गया था। इसी दौरान हाथ धोते समय अचानक उसका पैर फिसल गया। तेज बहाव और गहराई के कारण वह गहरे पानी में समा गया और बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं बचा। परिजन और ग्रामीण शोर मचाकर मदद करने की कोशिश करते रहे, लेकिन कोई उसे बचा नहीं सका। इस दर्दनाक हादसे के बाद से ही गांव में सन्नाटा पसर गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने स्थानीय स्तर पर खोजबीन की, लेकिन असफल रहे। सूचना मिलने पर प्रशासन ने एसडीआरएफ की टीम को बुलाया। दो दिनों तक लगातार खोज के बाद मंगलवार को टीम ने नदी से मासूम का शव बाहर निकाला। शव मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार मृतक चार भाई-बहनों में सबसे छोटा था। मासूम की असमय मौत से पूरा परिवार गहरे सदमे में है।

डुमरांव थाना परिवार ने रीडर देवेंद्र कुमार को दी भावभीनी विदाई

- सरल स्वभाव और कर्तव्यनिष्ठा से सबका दिल जीतने वाले देवेंद्र अब होंगे दरभंगा में पदस्थापित

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव थाना परिसर मंगलवार को भावनाओं से भरा माहौल का गवाह बना, जब थाना के रीडर देवेंद्र कुमार को विदाई दी गई। देवेंद्र कुमार का तबादला दरभंगा जिले में हो गया है। उनके सम्मान में आयोजित समारोह में थानाध्यक्ष से लेकर एसआई और अन्य पुलिसकर्मी तक शामिल हुए और सबने मिलकर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने की। उन्होंने कहा कि देवेंद्र कुमार का कार्यकाल डुमरांव थाना परिवार के लिए एक मिसाल रहा है। उन्होंने न केवल प्रशासनिक कार्यों को संवेदनशीलता और तत्परता से पूरा किया, बल्कि पुलिस और जनता के बीच विश्वास का मजबूत पुल भी तैयार किया। थानाध्यक्ष ने कहा कि उनका योगदान व व्यवहार कुशलता सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

एसआई प्रियंका कुमारी ने भी देवेंद्र कुमार की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे अपने सरल स्वभाव और मिलनसार व्यक्तित्व से सभी के प्रिय बने रहे। टीम भावना के साथ उन्होंने हर साथी को सहयोग दिया और यही कारण है कि वे सबके दिलों में एक विशेष जगह बना पाए। एसआई मतेंद्र कुमार और अन्य पुलिसकर्मियों ने भी उन्हें कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासन का प्रतीक बताते हुए उनके कार्यों को प्रेरणादायी करार दिया।

समारोह के दौरान कई सहकर्मी अपने अनुभव साझा करते हुए भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि देवेंद्र कुमार ने जिस सादगी और लगन से काम किया, उसकी भरपाई करना कठिन होगा। सभी ने माना कि उनकी कमी थाना परिवार को लंबे समय तक खलेगी।

अंत में, विदाई समारोह एक यादगार पल बन गया, जब थाने के सभी पुलिसकर्मियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंट किया। यह क्षण न केवल उनके योगदान की सराहना था, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दरभंगा में नई पारी शुरू करने जा रहे देवेंद्र कुमार के प्रति डुमरांव थाना परिवार का संदेश साफ था कि आप जहां भी रहें, आपकी सादगी, निष्ठा और लगन पुलिस सेवा को प्रेरणा देती रहे।

महिलाओं को कर्ज के जाल में फंसाना बंद करे सरकार : पप्पू यादव

- 18 जिंदा मतदाताओं के नाम सूची से गायब, ग्रामीणों ने जताया गुस्सा

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड क्षेत्र में मंगलवार को राजद के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रत्याशी सुनील कुमार यादव उर्फ पप्पू यादव के नेतृत्व में पुराना बाजार अनुसूचित जाति बस्ती में वोट चोर गद्दी छोड़ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर स्थानीय जनता में गहरा आक्रोश देखने को मिला। क्षेत्र के कई मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से गायब पाए गए। मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र के बूथ संख्या 201, 211 और 212 के कुल 18 मतदाता, जिनमें माझी परिवार सहित कई अन्य लोग शामिल हैं, जिंदा होने के बावजूद सूची से बाहर कर दिए गए हैं। इस कार्यक्रम में गुड्डू सिंह, बीरेंद्र सिंह, हीरालाल सिंह, जितेंद्र पहलवान, विनोद, रजनीश सिंह, इकरार अहमद, नसरुद्दीन खां, सरजू मुसहर, रामनाथ मुसहर, सोहराई मुसहर और रंगू मुसहर समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। सभी ने इस घटना को लोकतंत्र पर सीधा हमला करार देते हुए प्रशासन से तुरंत सुधार की मांग की। सभा को संबोधित करते हुए पप्पू यादव ने कहा कि बिहार की डबल इंजन सरकार बीते दो दशकों से सत्ता में होते हुए भी राज्य के विकास और जनता की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे पाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल विपक्ष पर हमला और परिवारवाद की राजनीति में उलझी रही, जबकि युवाओं को रोजगार, किसानों को उचित समर्थन मूल्य, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत जरूरतें आज भी अधूरी हैं। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के नाम पर दिए जाने वाले दो लाख रुपये के ऋण योजना को भी छलावा बताया। कहा कि जनता को गुमराह कर यह बताया जा रहा है कि यह अनुदान है, जबकि वास्तव में यह ब्याज सहित लौटाने वाला कर्ज है। इससे महिलाएं कर्ज के बोझ में दब सकती हैं।सभा में मौजूद लोगों ने कहा कि अब बिहार की जनता बदलाव चाहती है और जनहित की उपेक्षा करने वाली सरकार को जवाब देगी।

डुमरांव में 77 सीसीटीवी कैमरे बंद, सुरक्षा व्यवस्था पर उठ रहे सवाल, अपराध अनुसंधान में पुलिस परेशान

- एक साथ 77 कैमरे खराब होने से गुणवत्ता पर भी उठ रहे है सवाल, नगर परिषद ने लाखों रूपए खर्च कर लगाए है कैमरे

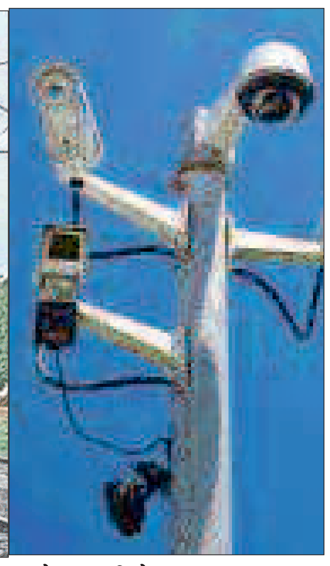

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव शहर में अपराध नियंत्रण और निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर लगाए गए सीसीटीवी कैमरे अब सवालों के घेरे में हैं। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर लगाए गए कुल 107 कैमरों में से 77 कैमरे बंद पाए गए हैं। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने मंगलवार को भौतिक सत्यापन कर इसकी पुष्टि की और नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को पत्र लिखकर जल्द मरम्मत कराने का आग्रह किया। सवाल यह उठ रहा है कि जब सुरक्षा की रीढ़ माने जाने वाले कैमरे ही ठप पड़ गए हैं तो अपराध नियंत्रण कैसे होगा।

बता दें कि डुमरांव थाना क्षेत्र में लगी आधुनिक तकनीक की यह व्यवस्था फिलहाल आईसीयू में पड़ी है। थानाध्यक्ष के मुताबिक, बंद पड़े कैमरे न केवल अनुसंधान में बाधा बन रहे हैं बल्कि अपराधियों के लिए यह किसी वरदान से कम नहीं है। हालात यह हैं कि हाल में हुई कई आपराधिक घटनाओं की जांच में पुलिस को सीसीटीवी फुटेज की आवश्यकता पड़ी, लेकिन बंद कैमरों ने पूरी पड़ताल को अधूरा कर दिया।

नया भोजपुर थाना क्षेत्र में स्थिति और भी चिंताजनक है। प्रभारी थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि दर्जनों कैमरों में केवल एक कैमरा ही चालू मिला। बाकी कैमरे चाहे स्टेशन रोड हों, महाराजा कोठी रोड या पुराना भोजपुर, सब जगह शो-पीस बने पड़े हैं। अपराधियों की आंखें खुली हैं लेकिन कैमरों की आंखें बंद हो गई है।

पुलिस की मजबूरी, पत्र लिख कर मांगनी पड़ रही मदद

थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने नगर परिषद को लिखे पत्र में साफ कहा है कि बंद पड़े कैमरे आपराधिक घटनाओं की जांच में गंभीर बाधा बन रहे हैं। जबकि नगर प्रशासन का दावा रहा है कि सीसीटीवी कैमरों की मदद से अपराधियों पर अंकुश लगाया जाएगा। अब सवाल उठ रहा है कि करोड़ों की लागत से लगाया गया यह सिस्टम अगर पुलिस को अपराधियों तक पहुंचाने में विफल है, तो जनता का पैसा आखिर किस काम आया।

कैमरों की गुणवत्ता और निगरानी पर भी सवाल

विशेषज्ञों का मानना है कि सिर्फ कैमरे लगाना ही काफी नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और तकनीकी अपडेट भी जरूरी है। नगर परिषद द्वारा लगाए गए कैमरे कई बार अपराधियों को पकड़ने में सहायक साबित हुए हैं। कई बड़े कांडों में इनकी फुटेज से पुलिस को अहम सुराग मिले हैं। लेकिन अब अचानक इतनी बड़ी संख्या में कैमरों का ठप हो जाना न केवल तकनीकी खामी का मामला है, बल्कि यह नगर परिषद की कार्यशैली और गुणवत्ता पर भी गहरे सवाल खड़े करता है।

वहीं, लोगों का कहना है कि नगर परिषद कैमरों का इस्तेमाल महज अपनी उपलब्धि गिनाने के लिए कर रही है, जबकि वास्तविक निगरानी की स्थिति दयनीय है। कैमरों के रखरखाव पर खर्च तो दिखाया जा रहा है लेकिन उनकी उपयोगिता पर कोई ठोस व्यवस्था नहीं है।

नगर परिषद का दावा, दुर्गा पूजा से पहले सब दुरुस्त

कैमरों की खामियों को लेकर नगर परिषद भी दबाव में आ गया है। सिटी मैनेजर स्तुति कुमारी ने कहा कि सभी बंद पड़े कैमरों को जल्द दुरुस्त कराया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि दुर्गा पूजा से पहले तकनीकी खामियों को ठीक कर दिया जाएगा और सभी कैमरे चालू कर दिए जाएंगे।

जनता की अपेक्षा, निगरानी व्यवस्था हो प्रभावी

डुमरांव और नया भोजपुर के लोग चाहते हैं कि कैमरे केवल ओहदेदारों की उपलब्धि बनकर न रह जाएं। अपराधियों पर नकेल कसने और जनता को सुरक्षित माहौल देने में इनकी असली भूमिका दिखनी चाहिए। सीसीटीवी व्यवस्था तभी सार्थक होगी जब वह अपराध अनुसंधान में लगातार सहायक बने और किसी घटना के बाद उसकी फुटेज पुलिस के लिए निर्णायक साबित हो। फिलहाल डुमरांव की हकीकत यही है कि नगर प्रशासन की लचर व्यवस्था ने पुलिसिया जांच को कमजोर किया है। अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और पुलिस जांच के लिए ठोस सबूत से वंचित है। ऐसे में जनता का सवाल बिल्कुल जायज है कि करोड़ों खर्च कर लगाए गए कैमरे अगर वक्त पर काम न आएं तो फिर उनका मकसद ही क्या है।

एक नजर

बक्सर के 15 थानों में नये थानेदारों की हुई पोस्टिंग

2018 बैच के पुलिस पदाधिकारियों के तबादले के बाद रिक्त हो गए थे कई थानों में थानाध्यक्ष का पद

बक्सर। 2018 बैच के पुलिस पदाधिकारियों के तबादले के बाद जिले के करीब 15 थानों में थानाध्यक्ष का पद रिक्त हो गया था। इसके बाद एसपी शुभम आर्य ने मंगलवार को रोहतास से आए नये पुलिस पदाधिकारियों को नई जिम्मेवारी सौंपी है। एसपी द्वारा जारी सूची के अनुसार पुलिस अवर निरीक्षक अनिल कुमार को वासुदेवा थाने की कमान सौंपी गई है। वहीं, संतोष कुमार को थानाध्यक्ष सोनवर्षा, नेहा कुमारी को थानाध्यक्ष मुरार, संदीप कुमार राम को थानाध्यक्ष कृष्णाब्रह्म, अजय कुमार को थानाध्यक्ष चक्की, सुरेन्द्र बैठा को थानाध्यक्ष नैनीजोर, पूजा कुमारी -2 को थानाध्यक्ष तिलक राय के हाता, अभिषेक पांडेय को रामदास राय के डेरा, चंदन कुमार को नया भोजपुर, माधुरी कुमारी को कोरानसराय, कुसूम कुमार केसरी को नावानगर, निवास कुमार को राजपुर, अंकुश कुमार मंडल को सिकरौल, मनीष कुमार शर्मा को थानाध्यक्ष एससी/एसटी तथा ब्रजेश कुमार को ब्रह्मपुर का थानाध्यक्ष बनाया गया है। माना जा रहा है कि यह तबादला विधि-व्यवस्था संधारण के साथ ही आगामी विस चुनाव के मद्देनजर किया गया है। एसपी ने सभी पुलिस पदाधिकारियों को 24 घंटे के अंदर अपने नये कार्यस्थल पर योगदान करने का निर्देश दिया है। गौरतलब हो कि 2018 बैच के पुलिस पदाधिकारियों के तबादले के बाद से ही अधिकांश थानों में थानाध्यक्ष का पद रिक्त हो गया था।

युवक की पिटाई व पिस्टल दिखा धमकाने के मामले में नहीं दूसरे दिन भी नहीं दर्ज हुआ एफआईआर

सोमवार को ही लाखनडिहरा गांव निवासी राहुल चौबे ने डुमरांव थाने में दिया था आवेदन

डुमरांव। डुमरांव में एक युवक की बाइक रूकवा उसकी सरेआम पिटाई करने वाले तथा पिस्टल निकाल जान मारने की धमकी देने के मामले में दूसरे दिन भी पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं किया है। इधर इस घटना को लेकर शहर में चचाओं का बाजार तेज हो गया है। बताया जा रहा है कि आरोपित खुद वदीर्धारी है तथा एक बड़े पदाधिकारी के अंगरक्षक है। जिस कारण पुलिस भी एफआईआर करने से कतरा रही है। दूसरी तरफ पीड़ित युवक का कहना है कि वह अपने साथ हुए इस अन्याय पर चुप नहीं बैठेगा बल्कि पुलिस के वरीय अधिकारियों के पास आवेदन दे न्याय की गुहार लगाएगा। वहीं, इस घटना के बाद से शहरवासियों में आक्रोश गहरा गया है। लोगों का कहना है कि जब वदीर्वाले ही सरेआम कानून का उल्लंघन करने लगे तो कानून की रक्षा कौन करेगा।

लंबे समय के बाद बारिश होने से किसानों के चेहरे खिले, जलजमाव से लोग परेशान

डुमरांव । लंबे से समय से बारिश नहीं हो रहा था, जिससे धान के फसल को लेकर किसान चितिंत थे। धान में कीड़ा लगने से उन्हें दवा का छिड़काव करना पड़ रहा था। मंगलवार को झमाझम बारिश होने से किसानों के चेहरे खुशी से खिल उठे। वहीं शहर में जलजमाव होने से लोगों को पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। विदित हो कि वर्तमान समय में स्टेशन रोड के मरम्मत का कार्य चल रहा है, जिसके लिये रोड की खुदाई की गई है। वहीं नया थाना से लेकर शक्तिद्वार तक पीसीसी रोड बनाना है, उसके लिये तीन दिनों से जेसीबी लगाकर रोड की खुदाई की जा रही है। बारिश होने से किये गए खुदाई में बारिश का पानी भर गया है। अब जबतक पानी को निकाला नहीं जाएगा तबतक रोड बनाने का काम नहीं शुरू होगा। इस संबंध में रोड बना रहे संवेदक भी चितिंत हैं। विदित हो कि शहर का मुख्य सड़क स्टेशन रोड के मरम्मतिकरण का काम विगत दस दिनों से चल रहा है, जिससे इसे बंद कर दिया गया था। स्टेशन रोड बंद होने से छोटे वाहन पुराना थाना रोड होकर चौक रोड होते हुए राजगढ़ चौक और अनुमंडल कार्यालय तक निकल जाते थे। तीन दिनों से पुराना थाना रोड को बनाने के लिये नया थाना मोड़ से गड्ढे की खुदाई शुरू कर दी गई है, जो वर्तमान में लाला टोली रोड तक किया गया है। खोदे गए गड्ढे में बारिश का पानी भर गया है। पानी भर जाने के बाद और खुदाई कर दिये जाने से यह भी बंद हो गया है।

बैंक प्रबंधन की लापरवाही से बी.टेक में नामांकन से वंचित हो गई दो छात्राएं

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की लापरवाही से दो युवतियों के इंजिनियर बनने का सपना अधूरा रह गया है। खास यह कि केन्द्र सरकार ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा दे रखा है तथा बच्चों की पढ़ाई में आर्थिक संकट बाधा न बने इसके लिए केन्द्र सरकार ने एजुकेशन लोन का प्रावधान भी किया है। भारत सरकार के लक्ष्मी पोर्टल द्वारा एजुकेशन लोन के तहत न्यूनतम आठ से अधिकतम 24 लाख रूपए का लोन दिया जा रहा है, बावजूद दो बच्चियों को बैंक प्रबंधन का कोपभाजन बनना पड़ जाए, यह गंभीर मामला है। मामला डुमरांव थाने में पद स्थापित एएसआई मनोज कुमार के पुत्रियों मान्या सिंह व मांडवी सिंह का है। मनोज ने मीडिया को बताया कि उनकी लड़कियों का नामांकन एमआईटी मुरादाबाद में बी.टेक में होने वाला था, इसके लिए साल में 3.5 लाख रूपए की फीस कॉलेज को जमा करना था। मैने बैंक से एजुकेशन लोन के लिए एक महीना पहले से प्रक्रिया शुरू की थी, लेकिन बैंक प्रबंधन द्वारा टाल-मटोल किया जाता रहा तथा अलग-अलग कागजातों के बहाने मुझे तथा मेरी बेटियों को परेशान किया जा रहा था। इस दौरान बैंक प्रबंधन के कहने पर मैने तीन बार अपनी बेटियों को मुरादाबाद से डुमरांव बुलाया तथा जरूरी कागजात व दस्तखत करवाए। इसके बाद भी एजुकेशन लोन पास नहीं हुआ। बैंक प्रबंधन ने साफ कहा कि वे ब्रांच से दो लाख रूपए तक का ही लोन स्वीकृत कर सकते है। इसके बाद मैने कहा कि ठीक है आप दो लाख रूपए ही दे दीजिए। वहीं, दारोगा मनोज ने बेटियों की पढ़ाई के लिए ही 9 सितंबर को पर्सनल लोन का आवेदन भी किया तथा लोन स्वीकृत करने वाले क्लर्क सत्य नारायण प्रसाद व बैंक मैनेजर से व्यक्तिगत रूप से भी मिल आरजू-मिन्नत की और बताया कि 13 सितंबर को नामांकन का आखिरी दिन है, बावजूद 13 सितंबर की कौन कहे 16 सितंबर तक भी न तो मेरी बेटियों का एजुकेशन लोन स्वीकृत हुआ और न ही मेरा पर्सनल लोन, जिस कारण मेरी दोनों बेटियां इस साल नामांकन कराने से वंचित हो गई है। दारोगा मनोज का कहना है कि वे इस मामले में चुप नहीं बैठेंगे तथा जानबूझकर बेटियों का एक साल बर्बाद करने वाले बैंक ऑफ बड़ौदा प्रबंधन के खिलाफ कोर्ट में जाएंगे।

वहीं, इस संबंध में बैंक ऑफ बड़ौदा, डुमरांव शाखा के प्रबंधक मो. इमरान का कहना है कि उनके क्लर्क की लापरवाही से ऐसा हुआ है, उसे लोन सेक्शन से हटा दिया गया है।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर 10 लाख से अधिक बच्चों को अल्बेंडाजोल की गोलियां खिलाने का लक्ष्य

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में बच्चों के स्वास्थ्य और उनके संपूर्ण विकास को ध्यान में रखते हुए मंगलवार को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने राजकीय बुनियादी विद्यालय पहुंचकर स्कूली छात्र-छात्राओं को स्वयं अल्बेंडाजोल की दवा खिलाकर अभियान का शुभारंभ किया।डीएम ने इस मौके पर कहा कि कृमि संक्रमण बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर गंभीर असर डालता है। यह न सिर्फ एनीमिया का कारण बनता है, बल्कि उनकी पढ़ाई और दिनचर्या पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कृमि से मुक्ति ही बच्चों को स्वस्थ और एनीमिया से मुक्त बनाने का सबसे सशक्त उपाय है। जिला प्रशासन ने बताया कि इस अभियान के तहत जिले के 1 से 19 वर्ष तक के कुल 10 लाख 40 हजार 434 बच्चों और किशोर-किशोरियों को अल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी। इसके लिए 1262 सरकारी विद्यालय, 293 निजी विद्यालय तथा सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर विशेष व्यवस्था की गई है। डीएम ने अपील की कि बच्चों को दवा खिलाते समय यह सुनिश्चित किया जाए कि उन्होंने पहले नाश्ता कर लिया हो और गोली को चबाकर या पीसकर पानी के साथ ही खाया जाए। सिविल सर्जन शिव कुमार प्रसाद चक्रवर्ती ने जानकारी दी कि जिन बच्चों से किसी कारणवश यह दवा छूट जाएगी, उन्हें 19 सितम्बर को मॉप-अप राउंड के दौरान अल्बेंडाजोल की खुराक दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कृमि संक्रमण बच्चों में दस्त, पेट दर्द, कमजोरी, उल्टी, भूख न लगना जैसी समस्याओं का प्रमुख कारण है। यही कारण है कि हर वर्ष यह राष्ट्रीय अभियान शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग और आईसीडीएस विभाग के संयुक्त प्रयास से चलाया जाता है। जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी ने बताया कि छोटे बच्चों को उनकी उम्र के अनुसार दवा दी जाएगी। 1 से 2 साल तक के बच्चों को आधी गोली पीसकर पानी में घोलकर पिलानी होगी। 2 से 19 साल तक के बच्चों को एक पूरी गोली चबाकर पानी के साथ खिलानी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि खाली पेट दवा नहीं दी जानी चाहिए। कई बच्चों में दवा खाने के बाद उल्टी, मिचली या चक्कर आने जैसे हल्के लक्षण दिख सकते हैं, जो कृमि की मौजूदगी के कारण होते हैं। ऐसे में घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह दवा पूरी तरह सुरक्षित है। सिविल सर्जन ने आगे कहा कि बच्चों को कृमि से बचाने के लिए स्वच्छता जरूरी है।

ऑपरेशन सिंदूर थीम पर सजेगा डुमरांव का शहीद गेट दुगार्पूजा पंडाल

केटी न्यूज/डुमरांव

इस वर्ष डुमरांव का ऐतिहासिक शहीद गेट दुर्गा पूजा के अवसर पर श्रद्धा और राष्ट्रभक्ति का अद्वितीय संगम पेश करेगा। यहां बनने वाला पूजा पंडाल पूरी तरह "ऑपरेशन सिंदूर" की थीम पर आधारित होगा। आयोजन समिति ने बताया कि इस वर्ष का पंडाल न सिर्फ आस्था का प्रतीक होगा बल्कि भारतीय सैनिकों और महिला अधिकारियों की वीरता को भी जन-जन तक पहुंचाएगा। शहीद गेट दुगार्पूजा समिति के अध्यक्ष काजू जायसवाल ने बताया कि इस पंडाल की सबसे खास बात यह है कि इसमें सेना की दो बहादुर बेटियों कर्नल सोफिया कुरैशी और वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह की शौर्य गाथा को विशेष स्थान दिया गया है। कर्नल सोफिया कुरैशी भारतीय सेना की पहली महिला अधिकारी हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय शांति मिशन में सेना की टुकड़ी का नेतृत्व किया। वहीं विंग कमांडर व्योमिका सिंह भारतीय वायुसेना की पहली महिला फाइटर पायलट्स में शामिल हैं, जिन्होंने देश के रक्षा इतिहास में नई इबारत लिखी। पंडाल में इन दोनों वीरांगनाओं के योगदान को मॉडल और कलात्मक प्रस्तुति के माध्यम से दशार्या जाएगा। इस आयोजन समिति के उपाध्यक्ष सुमित गुप्ता, सचिव संतोष जायसवाल, कोषाध्यक्ष कृष्णा कुमार व विष्णु केशरी, मीडिया प्रभारी सौरभ केशरी, बब्लू गुप्ता, कृष्णा, शिवम गुप्ता, पप्पू वर्मा, नारायण जी, ट्विंकल वर्मा, अमित सिंह, गोल्डन जायसवाल, गोलू वर्मा, आशीष जायसवाल सहित अन्य सदस्य विशेष भूमिका निभा रहे है।

पहलगाम हमले का दिखेगा दृश्य

आयोजन समिति ने बताया कि पंडाल में पहलगाम आतंकी हमले का दृश्य भी विशेष आकर्षण रहेगा। इसमें यह दिखाया जाएगा कि किस तरह भारतीय सेना और सुरक्षाबलों ने अपने साहस से आतंकियों के मंसूबों को नाकाम किया और मातृभूमि की रक्षा की। सैनिकों की वर्दी, हथियारों और युद्धक्षेत्र के चित्रण से श्रद्धालु उस घटना की गंभीरता को महसूस कर सकेंगे। आयोजकों का कहना है कि यह प्रस्तुति न केवल श्रद्धांजलि होगी बल्कि नई पीढ़ी को यह संदेश भी देगी कि देश की सुरक्षा हमारे वीर जवानों के बलिदान पर टिकी है।

आस्था और राष्ट्रप्रेम का संगम

पूजा समिति के पदाधिकारियों का कहना है कि मां दुर्गा शक्ति, साहस और विजय की प्रतीक हैं। ठीक उसी तरह भारतीय सैनिक हर परिस्थिति में मातृभूमि की रक्षा करते हैं। दुर्गा मां के महिषासुर वध को सैनिकों के आतंकवाद और दुश्मनों पर विजय से जोड़कर श्रद्धालुओं तक यह संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है कि बुराई का अंत और न्याय की जीत ही सच्चा धर्म है। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए पंडाल परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं।

न्याय तक आसान पहुंच, बक्सर में विधिक सेवा प्राधिकरण की बड़ी पहल

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने न्याय तक आमजन की सहज पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक बार फिर सक्रिय पहल की है। इसी कड़ी में जिला मुख्यालय स्थित प्राधिकरण के प्रकोष्ठ में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता हर्षित सिंह, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बक्सर ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य 1 जुलाई से 30 सितंबर तक आयोजित ह्ममेडिएशन फॉर द नेशनह्व कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा करना और आगामी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए ठोस रणनीति बनाना रहा। इस दौरान विशेष रूप से आशा योजना, सितारा योजना और मतदाता पहचान पत्र संबंधी योजनाओं को प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचाने पर जोर दिया गया।

ट्रांसजेंडर और महिलाओं पर खास ध्यान

बैठक में नालसा द्वारा चलाई जा रही सितारा योजना पर विशेष चर्चा हुई, जिसका उद्देश्य ट्रांसजेंडर समुदाय को न्यायिक और सामाजिक मुख्यधारा से जोड़ना है। साथ ही आशा योजना के माध्यम से ग्रामीण और शहरी महिलाओं को विधिक जानकारी और सहायता उपलब्ध कराने पर भी बल दिया गया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश हर्षित सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी न्यायिक पदाधिकारी और पैनल अधिवक्ता योजनाओं को धरातल पर उतारने में सक्रिय सहयोग दें। उन्होंने कहा कि ह्वविधिक सेवा का असली उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब समाज के सबसे कमजोर वर्ग तक न्याय की रोशनी पहुंचे।

श्रद्धालु पूरे उल्लास और आस्था के साथ करेंगे भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना

अनुमंडल क्षेत्रों में आज धूमधाम से मनेगी भगवान विश्वकर्मा पूजा

बिक्रमगंज । सृष्टि के रचयिता, औद्योगिक प्रगति और श्रम-समर्पण के देवता भगवान विश्वकर्मा की आराधना के लिए बिक्रमगंज अनुमंडल मुख्यालय समेत दावथ, दिनारा,सूर्यपुरा, संझौली, राजपुर, नासरीगंज और काराकाट प्रखंड के हर कस्बों में मंगलवार रात तक तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया। यानी बुधवार को श्रद्धालु पूरे उल्लास और आस्था के साथ भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना करेंगे। कस्बों की गलियां,चौक-चौराहे और बाजार रंगीन झालरों,झिलमिलाती रोशनियों, आकर्षक पंडालों और पुष्पमालाओं से सजकर एक उत्सव नगर में तब्दील हो गए हैं । कार्यशालाओं, कारखानों, गैराजों,ऑटो स्टैंडों और फैक्ट्रियों में औजारों और मशीनों को धोकर, सजाकर पूजा के लिए रखा गया है। कई स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन-कीर्तन, प्रसाद वितरण और भंडारे की भी व्यवस्था की गई है। स्थानीय श्रद्धालुओं और पूजा समितियों का कहना है कि विश्वकर्मा पूजा केवल धार्मिक पर्व नहीं बल्कि मेहनतकश वर्ग के श्रम और कौशल को सम्मान देने का पर्व है। नए औजारों,वाहनों और मशीनों की विधिवत पूजा के साथ ही समृद्धि और सुरक्षा की कामना की जाएगी ।त्योहार को लेकर प्रशासन ने भी कड़े सुरक्षा के इंतजाम किए हैं । पुलिस बलों की तैनाती,पूजा स्थानों पर निगरानी और चौकसी बढ़ा दी गई है ताकि श्रद्धालु बिना किसी बाधा के पूजा-अर्चना कर सकें । पूजा समितियों ने अपील की है कि श्रद्धालु स्वच्छता,शांति और अनुशासन बनाए रखें और भगवान विश्वकर्मा के आशीर्वाद से क्षेत्र में विकास व समृद्धि की कामना करें।

निगरानी विभाग ने एसडीएम कार्यालय आदेशपाल को 1.16 लाख रिश्वत के साथ किया गिरफ्तार

- परिजनों ने कहा उसके ही पाटीदार द्वारा साजिश रच फंसाया गया
- जांच के दायरे में आ सकते हैं संभावित अन्य भी अधिकारी

केटी न्यूज/रोहतास

बिक्रमगंज (रोहतास) एसडीएम कार्यालय बिक्रमगंज के आदेशपाल बिनोद कुमार ठाकुर को भूमि विवाद के मामले में निपटारा के लिए 1.16 लाख रुपये रिश्वत लेने के आरोप में मंगलवार को दोपहर 12 बजे निगरानी विभाग पटना की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। निगरानी विभाग के पुलिस उपाधीक्षक नरेंद्र कुमार ने बताया कि बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के धनगाईं निवासी राकेश कुमार द्वारा निगरानी विभाग में एक परिवाद दायर किया गया था। जिसमें कहा गया है कि भूमि विवाद का एक मामला भूमि सुधार उपसमाहर्ता बिक्रमगंज के न्यायालय में लंबित है। जिस मामले में निपटारा के लिए एसडीएम कार्यालय के आदेशपाल बिनोद कुमार ठाकुर के द्वारा 1.16 लाख रुपया रिश्वत की मांग की गई है। इस मामले के सत्यापन किए जाने के बाद टीम मंगलवार को दोपहर बिक्रमगंज पहुंची। जहां परिवादी राकेश कुमार के द्वारा अनुमंडल कार्यालय के एक कमरे में आदेशपाल बिनोद कुमार ठाकुर से बात करते देखा गया ।

इस दौरान छापेमारी की गई। जिसमें जिस टेबल पर आदेशपाल बैठा था उस टेबल पर भूमि विवाद से संबंधित फाइल तथा फाइल में 1.16 लाख रुपया बरामद किया गया। इस मामले में आदेश पाल को गिरफ्तार कर लिया गया है। परिवादी का कहना है कि आदेशपाल पैसा अपने हाथ में न लेकर बोले कि यहां सीसीटीवी कैमरा है, पैसा फाइल में छिपाकर पीछे टेबल पर रख दीजिए। टेबल पर रखे पैसा का सत्यापन किया गया तो पैसा निगरानी विभाग द्वारा मार्किंग किया हुआ पाया गया। उन्होंने ने बताया कि यह पैसा वरीय अधिकारी के नाम पर मांग की गई थी। जिसकी छानबीन की जा रही है, जबकि

आदेशपाल के परिवार ने कहा कि उन्हें उसके ही पटीदार द्वारा साजिश रच फंसाया गया हैं।

दूसरी तरफ निगरानी विभाग के अनुसार भूमि सुधार उपसमाहर्ता बिक्रमगंज पर भी गाज गिर सकता है। जिसका उद्भेदन जांच के बाद ही सामने आएंगे।

सांप के डसने से सगे भाई-बहन की मौत

केटी न्यूज/आरा

अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के पुरैनी खुर्द गांव में शनिवार की रात विषैले सांप के डसने से सगे भाई-बहन की मौत हो गयी. बहन ने इलाज के लिए पटना ले जाने के दौरान रास्ते में ही दम तोड़ दिया. जबकि भाई ने इलाज के दौरान पीएमसीएच में दम तोड़ दिया. जानकारी के अनुसार मृतकों में अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के पुरैनी खुर्द गांव वार्ड नंबर-2 निवासी रामबाबू राम का 10 वर्षीय पुत्र प्रियांशु कुमार एवं 20 वर्षीया पुत्री कंचन कुमारी शामिल हैं. इधर, मृत बच्चे के फूफा ने बताया कि शनिवार की रात को अपनी बड़ी बहन कंचन कुमारी के साथ घर में पलंग पर सोया था. उसी बीच शनिवार की रात्रि दो बजे दोनों को विषैले सांप ने डस लिया. दोनों की हालत काफी गंभीर हो गयी. परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए पीरो पीएचसी से सदर अस्पताल लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया था, लेकिन परिजन उन दोनों के इलाज के लिए बक्सर जिले के प्रताप सागर ले गये, जहां से दोनों को पटना रेफर कर दिया गया. इसी बीच उसकी बड़ी बहन कंचन कुमारी की मौत हो गयी, जिसके बाद परिवार वालों द्वारा कंचन कुमारी के शव का बिना पोस्टमार्टम कराए ही दाह-संस्कार कर दिया गया. वहीं, प्रियांशु कुमार को इलाज के लिए पीएमसीएच ले गये. जहां इलाज के दौरान सोमवार की मध्य रात्रि उसने दम तोड़ दिया. परिजन उसके शव को वापस गांव ले आए और उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाने को दी. सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में कराया. बताया जाता है कि मृतका कंचन कुमारी अपने दो भाई व दो बहन में बड़ी थी. वह स्नातक पास कर चुकी थी. जबकि मृत प्रिंस कुमार अपने दो भाई व दो बहन में दूसरे स्थान पर था. उनके परिवार में एक भाई सूरज एवं एक बहन आयुषी कुमारी है. मृत बालक की मां बेबी देवी की मौत तीन वर्ष पूर्व बीमारी के कारण हो गयी थी. इस घटना के बाद उनके घर में कोहराम मच गया है।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर डॉ. सौरभ ने छात्रों को को खिलाई एल्बेंडाजोल गोली

केटी न्यूज/रोहतास

बिक्रमगंज में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम के तहत अनुमंडल के अलग अलग स्कूलों में बच्चों को कृमि नियंत्रण की दवाई एल्बेंडाजोल खिलाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. सौरभ प्रकाश ने नटवार रोड स्थित मॉडल चिल्ड्रेन स्कूल में छात्राओं को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाकर की। इस मौके पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी ने उपस्थित छात्राओं को कृमि से होने वाली विभिन्न बीमारियों के बचाव और लक्षण के बारे में बताया। बीईओ रितेश कुमार ने कहा कि शिक्षक एल्बेंडाजॉल खिलाने से पहले खांसी, बुखार, सांस फूलना आदि लक्षणों की जांच कर लें और लाभार्थियों के कांटेक्ट हिस्ट्री के बारे में जान लें। जो बच्चे बीमार हैं या कोई दवाई ले रहे हैं, उन्हें एल्बेंडाजॉल दवाई नहीं खिलाई जाएगी। जब बीमार बच्चे ठीक हो जाएंगे, तब उन्हें एल्बेंडाजॉल दवाई खिलाई जाएगी। दवा खिलाने से पहले अपने हाथ साबुन और पानी से नियमित तौर पर अच्छी तरह धोएं। स्वास्थ्य प्रबंधक अशोक कुमार ने कहा कि एल्बेंडाजॉल की खुली हुई दवाई को न छुएं और बच्चों को स्वयं खिलाएं और दवाई अच्छी तरह चबाकर खाने का निर्देश दें। साफ पीने का पानी साथ रखें। बिना चूरा किए या बिना चबा कर खायी गयी एल्बेंडाजॉल दवाई का प्रभाव कम हो सकता है। शिक्षक बच्चों के माता-पिता को डीवार्मिंग के मामूली दुष्प्रभावों के बारे में भी बताएं।

इस मौके पर स्कूल के निदेशक अयूब खान ने कहा कि जिन्हें आज नेशनल डीवार्मिंग-डे के अवसर पर एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जा रही है।एक से दो वर्ष के बच्चों को आधी गोली 200 एमजी का चूरा बनाकर और 2 वर्ष से 19 वर्ष के बच्चों को एक गोली चबाकर खानी है। जो बच्चे आज स्कूल नहीं आएं हैं जो बच्चे किन्हीं करणों से छूट गए हैं, उन्हें माक अप राउंड के दौरान दवाई खिलाई जाएगी।बिक्रमगंज में एल्बेंडाजोल दवा की कोई कमी नहीं है। मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता बाबा वैद्यनाथ चौबे ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग का बच्चों के प्रति ये प्रयास सराहनीय है। अवसर अनिता देवी, कुमारी रीता सिन्हा, अलका कुमारी, ममता कुमारी, राजनंदनी देवी,अशरफ अली,आयुष कुमार,एलके पांडेय,बीडी पांडेय सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

भोजपुर में यूरिया के लिए हाहाकार, 266 रुपये का बैग मिल रहा 450 में, किसान लगा रहे आरोप

केटी न्यूज/आरा

जिले में यूरिया और डीएपी खाद की किल्लत किसान परेशान हैं। विभाग द्वारा यूरिया की सुनिश्चित कीमत 266 रुपये प्रति बैग दो सौ रुपये बेचा जा रहा है। उचित कीमत पर यूरिया उर्वरक की खरीद के लिए किसान एक बाजार से दूसरे बाजार का चक्कर काट रहे हैं। लेकिन बाजार में यूरिया उर्वरक 450 से पांच सौ रुपये बैग बिक खुलेआम बिक रहा है। आलू की खेती करने वाले किसान डीएपी उर्वरक 1700 रुपये में खरीदने के लिए विवश हैं। जबकि डीएपी की कीमत 1350 रुपये प्रति बैग सुनिश्चित है। वहीं, जिला कृषि विभाग द्वारा सभी 14 प्रखंडों में यूरिया पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होने का दावा किया जा रहा है। दिलचस्प बात है कि विभाग द्वारा चालू विपणन वर्ष 2025-26 में सभी प्रखंडों में पर्याप्त मात्रा में यूरिया और डीएपी का स्टाक होने का दावा किया जा रहा है। वहीं संदेश बाजार में यूरिया की बिक्री खुलेआम 450 रुपये में हो रही है।किसान हरिहर प्रसाद ने प्रसाद ने बताया कि पैक्स के पास खाद नहीं है। बाजार में सभी खुदरा विक्रेताओं द्वारा यूरिया उपलब्ध नहीं होने की जानकारी दी गई। बाद में किसी तरह इंतजाम करने की बात कही गई तो 450 रुपये में यूरिया उपलब्ध कराया गया। कोइलवर प्रखंड के किसान उपेन पासवान ने बताया कि हमलोगों को अब आलू लगाने का समय आ गया है। इसमें डीएपी उर्वरक की जरुरत है, लेकिन बाजार में 1700 रुपये प्रति बैग से कम पर उर्वरक नहीं मिल रहा है। गड़हनी के चांदी गांव के किसान नीरज ने बताया कि धान की सोहनी के बाद यूरिया उर्वरक का छिड़काव करना जरूरी होता है। ऐसे समय में बाजार में यूरिया की किल्लत होना किसानों के लिए संकट के समान है। गड़हनी प्रखंड के पूर्व मुखिया लव सिंह ने बताया कि उर्वरक निगरानी समिति की मिलीभगत से यूरिया उर्वरक की कालाबाजारी की जा रही है। किसान अधिक कीमत पर यूरिया उर्वरक खरीदने के लिए विवश हैं।

एक नजर

पति-पत्नी के आपसी विवाद में पति ने पेड़ से लटक की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

बिक्रमगंज । थाना क्षेत्र के धावां गांव स्थित बधार में मंगलवार को एक युवक का शव आम के पेड़ से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान धावां गांव निवासी धनजी सिंह के 27 वर्षीय पुत्र संदीप कुमार उर्फ गोलू के रूप में की गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार संदीप अपने परिवार के साथ बाहर रहता था। बीते दिन वह फोन पर किसी से बात कर रहा था, जिस पर उसकी पत्नी को शक हुआ कि वह किसी अन्य महिला से बातचीत कर रहा है। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी हो गई। बताया जाता है कि इसी विवाद से आहत होकर संदीप गांव लौट आया और मंगलवार दोपहर करीब 11 बजे गांव के बधार स्थित एक आम के पेड़ में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। घटना की खबर मिलते ही मृतक के परिजन घटना स्थल पहुंचे और शव को देखकर दहाड़ मारकर रोने लगे। आसपास के ग्रामीण भी बड़ी संख्या में मौके पर जुट गए। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया। थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि मृतक के परिजनों की उपस्थिति में आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम कराने के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया गया है । उन्होंने कहा कि घटना के कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही की जा सकेगी । फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है ।

भानस और कछवां थानें में नए थानाध्यक्ष ने संभाला कमान

बिक्रमगंज । अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत भानस एवं कछवां थाना में नए थानाध्यक्षों ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया। भानस थाना में पुअनि विजय बैठा ने थानाध्यक्ष का पदभार संभाला। वे इससे पूर्व रोहतास जिले के कोचस थाना में पदस्थापित थे। 2018 बैच के अधिकारी श्री बैठा ने पदभार ग्रहण करते ही स्पष्ट किया कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखना और अपराध पर अंकुश लगाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि भानस थाना क्षेत्र में शांति और सौहार्द बनाए रखने के साथ-साथ अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र की जनता की सुरक्षा हमारी पहली जिम्मेदारी है। जनता की समस्याओं के समाधान के लिए थाना के दरवाजे 24 घंटे खुले रहेंगे। वहीं कछवां थाना में पुअनि मनीष कुमार ने नए थानाध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। वे इसके पूर्व पुलिस केंद्र डेहरी में कार्यरत थे। जो 2018 बैच के अधिकारी श्री कुमार ने पदभार ग्रहण करते हुए कहा कि कछवां थाना क्षेत्र में पुलिस की कार्यशैली को और अधिक जनहितैषी बनाया जाएगा। किसी भी आपराधिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनता और पुलिस के बीच आपसी विश्वास बढ़ाना हमारी प्राथमिकता है। दोनों थानों में नए थानाध्यक्षों के कार्यभार संभालने से क्षेत्र की जनता में बेहतर पुलिसिंग और त्वरित कार्रवाई की उम्मीद जगी है।

थाना परिसर में दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

नासरीगंज । थाना परिसर में दुर्गा पूजा को ले शांति समिति की बैठक बीडीओ मो. नौशाद आलम सिद्दीकी की अध्यक्षता एवं थानाध्यक्ष अविनाश कुमार, व इंस्पेक्टर कुणाल कृष्ण की उपस्थिति में हुआ। बैठक में बीडीओ ने कहा कि सभी लोग आपसी सहयोग एवं संयम से शांतिपूर्ण रूप से पर्व त्योहार का आयोजन करें। इंस्पेक्टर ने कहा कि दुर्गा पूजा पर सभी पंडालों में सीसीटीवी कैमरा लगाएं पूजा समिति के लोग ताकि सभी पर पैनी नजर रखी जा सके। थानाध्यक्ष ने कहा कि डीजे पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। डीजे बजाते पकड़े जाने पर कठोर कारवाई की जाएगी। चप्पे चप्पे पर पुलिस पर तैनात रहेगी। जलभरी व विसर्जन जुलूस में किसी भी स्थिति में डीजे नहीं बजाया जाएगा। सभी पूजा समिति अपने अपने वॉलंटियर को आई कार्ड जारी कर तैनात करेंगे और उनकी सूची थाने को देंगें। सभी पंडालों में अग्नि सुरक्षा का प्रबंध करना अनिवार्य है। रोड पर ट्रॉली अनिवार्य हो ताकि जाम की स्थिति उतपन्न न हो। पूजा समिति के लोग विद्युत विभाग से संपर्क साध वैध विद्युत कनेक्शन का प्रबंध कर लेंगें। गड़बड़ी फैलाने वालों को किसी स्थिति में बख्शा नहीं जायेगा।मौके पर प्रमुख योगेश कुमार, मुख्य पार्षद प्रतिनिधी श्यामुल हक, अध्यक्ष सुन्नी वक्फ बोर्ड रिजवान फिरदौस, हाजी गुलाम मुस्तफा, शैलेन्द्र सिंह, जदयू प्रखण्ड अध्यक्ष डा. अमरेंद्र कुमार, पूर्व वार्ड पार्षद अजय सिंह, पूर्व उप प्रमुख विकास सिंह, मुखिया कृष्णा कुमार, शशी कुमार, वार्ड पार्षद शमशाद अहमद प्रसवी, मीनू सिंह, पूर्व उप मुखिया राजू सिंह, रामजी चौधरी, पंसस नागेंद्र गुप्ता, शिव कल्याण भारदवाज, भाजपा नेता मदन केसरी, पूर्व प्रमुख पवन कुमार, पूर्व मुखिया अजय सिंह, समेत सभी पूजा कमिटी के सदस्यगण उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने चार नागरिकों से किया दैनिक लोक साक्षात्कार

सासाराम । जिला पदाधिकारी रोहतास के द्वारा कुल 4 आम नागरिकों से दैनिक लोक साक्षात्कार किया गया। जिसमें आवेदिका देवन्ती देवी पति स्वर्गीय हजारी साह, ग्राम सुसाड़ी, थाना अंचल संझौली के द्वारा नीजी भूमि से जबरन निकालने के संबंध में आवेदन दिया गया। आवेदिका सबिता कुंवर, ग्राम सोहसा, पोस्ट परसथुआ, प्रखंड कोचस के द्वारा भूमि को ऑनलाइन करने के संबंध में आवेदन दिया गया। जिसे जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी को अग्रेतर कार्रवाई हेतु भेजा गया। आवेदक महेन्द्र पांडेय ग्राम/पोस्ट सोहगी, थाना नासरीगंज एवं अन्य के द्वारा शस्त्र लाईसेंस निर्गत करने के संबंध में आवेदन दिया गया जिसे जिला शस्त्र दंडाधिकारी को भेजा गया। शेष एक आवेदन को अपर समाहर्ता सह अपर जिला दंडाधिकारी को अग्रेतर कार्रवाई हेतु निदेशित किया गया।

विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए कार्यकर्ताओं ने की तैयारी बैठक

केटी न्यूज/रोहतास

काराकाट विधानसभा एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी को लेकर राष्ट्रीय लोक मोर्चा के बैनर तले काराकाट विधानसभा के सभी कार्यकताओं की एक अहम बैठक शुभ मंगलम होटल बिक्रमगंज में आयोजित की गई । बैठक में संयुक्त रुप से राष्ट्रीय लोक मोर्चा काराकाट विधानसभा प्रभारी डॉ रबिंद्र कुमार तथा चंद्रकांत कुशवाहा ने संचालन किया। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के जिलाध्यक्ष कपिल कुमार ने की। बैठक में काराकाट विधानसभा क्षेत्र के पार्टी के वरीय नेता अखिलेश्वर प्रसाद सिंह के नेतृत्व में टीम बनाई गई। जिसमें आर के सिन्हा,बसंत चौधरी पटेल,हरिचरण कुशवाहा, डॉ. रबिंद्र कुमार,चंद्रकांत कुशवाहा, बिक्रमगंज प्रखंड अध्यक्ष सुरेश कुशवाहा, काराकाट प्रखंड अध्यक्ष दिनेश चन्द्रवंशी, संझौली प्रखंड अध्यक्ष संजय सिंह तथा उमेश सिंह नोनहर होंगे। बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी के वरीय नेता बिरेंद्र तिवारी ने काराकाट विधानसभा क्षेत्र के बिक्रमगंज में होने वाली एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। बैठक में जिलाध्यक्ष कपिल कुमार ने कहा कि इस कार्यक्रम में हर प्रखंड अध्यक्ष तथा पंचायत अध्यक्षों को जिम्मेवारी निभानी होगी । बैठक में काराकाट विधानसभा क्षेत्र के पार्टी से अजय मुखिया,राम अशीष ठाकुर,अमित शेखर, सुनील सिंह,चंदन कुमार सहित सभी कार्यकताओं ने भाग लिया।

स्वच्छता कर्मियों का समाहरणालय पर प्रदर्शन

मानदेय वृद्धि समेत पांच सूत्री मांगों को लेकर दी चेतावनी

एजेंसी। पटना

स्वच्छता पर्यवेक्षक एवं स्वच्छता कर्मियों ने अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर समाहरणालय के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद कर्मियों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन जिला पदाधिकारी डॉ. आदित्य प्रकाश को सौंपा। स्वच्छता कर्मियों ने बताया कि बिहार के प्रत्येक पंचायत में सरकार द्वारा स्वच्छता कार्यों का चयन आम सभा द्वारा किया जाता है, लेकिन इस व्यवस्था में स्वच्छता पर्यवेक्षक को अधिकतम 7,500 रुपये और स्वच्छता कर्मी को मात्र 3,000 रुपये मासिक मानदेय मिलता है। उन्होंने कहा कि महंगाई के इस दौर में इतनी कम राशि से परिवार चलाना

बेहद मुश्किल है। आरोप लगाया गया कि साफ-सफाई जैसे जिम्मेदार कार्य के बावजूद न तो उन्हें उचित मानदेय मिलता है और न ही सुरक्षा या अन्य सुविधाएं दी जाती हैं।कर्मियों ने अपनी पांच प्रमुख मांगें रखते हुए कहा कि उन्हें अंशकालिक से पूर्णकालिक किया जाए और संविदाकर्मी का दर्जा दिया जाए। स्वच्छता पर्यवेक्षक का मानदेय 20 हजार रुपये और स्वच्छता कर्मियों का मानदेय 10 हजार रुपये प्रतिमाह किया जाए। इसके अलावा कार्यकाल के दौरान किसी की मृत्यु होने पर आश्रितों को उसी पद पर चयनित किया जाए। पांचवीं मांग में कहा गया कि सरकार गरीबों और वंचितों के साथ हमेशा न्याय की बात करती है, इसलिए उनकी समस्याओं पर भी गंभीरता से विचार होना चाहिए।प्रदर्शन कर रहे कर्मियों ने बताया कि वे 8 सितंबर से हड़ताल पर हैं। इसके पूर्व वे उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल को भी अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंप चुके हैं। आज उन्होंने जिला पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया, तो वे काम पूरी तरह बंद कर देंगे और आंदोलन को और तेज करेंगे।उन्होंने कहा कि स्वच्छता कर्मियों की हड़ताल से गांव-मोहल्लों में गंदगी का अंबार लग रहा है और इसकी जिम्मेदारी सरकार पर होगी। प्रदर्शन के दौरान कर्मियों ने नारेबाजी करते हुए सरकार से अपनी मांगों को तुरंत पूरा करने की अपील की। प्रदर्शन में अंगद कुमार, संत कुमार, रवि प्रकाश रंजन, अमन यादव, दिलीप कुमार, पूजा कुमारी, प्रियंका कुमारी, सुमित कुमार, कृष्ण कुमार, अरुण कुमार, सुमंत चौधरी, शत्रुघन कुमार और राम राजन कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मोतिहारी पुलिस की बड़ी कार्रवाई : बीजेपी मंडल अध्यक्ष की स्कॉर्पियो से नेपाली शराब की बड़ी खेप बरामद

एजेंसी। मोतिहारी

मोतिहारी के रक्सौल थाना इलाके में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। बीजेपी के मझौलिया पूर्वी मंडल अध्यक्ष का बोर्ड लगी स्कॉर्पियो को जब्त किया है। जिसमें से भारी मात्रा में नेपाली शराब बरामद किया गया है। पुलिस ने जब स्कॉर्पियों की तलाशी ली तो उसमें रखे 4 बोरे को बाहर निकाला गया। जब बोरे को खोला गया तो उसमें शराब की बड़ी खेप को देखकर पुलिस भी दंग रह गयी। बंद बोरे में से 686 नेपाली शराब की बोतलें बरामद की गयी। पुलिस ने स्कॉर्पियों और बरामद नेपाली शराब को जब्त कर थाने ले गयी है। गाड़ी के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर उसके मालिक का पता चला जिससे संपर्क साधने में पुलिस लगी है। गाड़ी पर भाजपा के मझौलिया पूर्वी मंडल अध्यक्ष का बोर्ड लगा हुआ है। बीजेपी नेता की गाड़ी से शराब की बड़ी खेप मिलने से इलाके में सनसनी फैल गयी है।

बिहार विधानसभा चुनावों से पहले नीतीश सरकार ने की एक और घोषणा

स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड : नीतीश सरकार का बड़ा ऐलान, बिना ब्याज मिलेगा एजुकेशन लोन

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनावों से पहले नीतीश सरकार एक के बाद एक घोषणाओं की झड़ी लगा रही है। महिलाओं के लिए मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का ऐलान करने के बाद अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने छात्रों के लिए बड़ा ऐलान किया है। बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत एजुकेशन लोन के लिए अब ब्याज नहीं लगेगा। इस क्रेडिट कार्ड के जरिए उच्च शिक्षा के लिए 4 लाख रुपये तक का लोन मिलता है। बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 4 लाख रुपये के एजुकेशन लोन के लिए सामान्य श्रेणी में 04 फीसदी ब्याज लगता था। जबकि महिला, दिव्यांगों और ट्रांसजेंडर को 1% ब्याज देना होता था। अब सीएम नीतीश कुमार ने ऐलान किया है कि स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत दिए जाने वाले एजुकेशन लोन की राशि सभी आवेदकों के लिए ब्याज रहित होगी। इसके

अलावा एजुकेशन लोन को लौटाने की समयसीमा भी बढ़ा दी गई है। मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर बताया कि 02 लाख रुपये के एजुकेशन लोन को 60 महीने (5 साल) में लौटाने का प्रावधान था, जिसे अब बढ़ाकर 84 महीने (7 साल) कर दिया गया है। इसी तरह 2 लाख रुपये से ऊपर के लोन को लौटाने का समय 84 महीने (7 साल) से बढ़ाकर 120 महीने (10 साल) कर दिया गया है। सीएम नीतीश कुमार ने ट्वीट कर कहा कि हम लोगों का उद्देश्य है कि राज्य के ज्यादा से ज्यादा छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा ले सकें। एजुकेशन लोन में दी जाने वाली सुविधाओं से छात्रों का मनोबल बढ़ेगा।

क्या है स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना

2 अक्टूबर, 2016 को बिहार सरकार के शिक्षा विभाग ने इस योजना की शुरूआत की थी। जो भी छात्र उच्च शिक्षा पाना चाहते हैं, वो इस क्रेडिट कार्ड को बनवा सकते हैं। फिर वो चाहे किसी भी जाति या वर्ग से हो। इस क्रेडिट कार्ड के जरिए छात्र को पढ़ाई के लिए 4 लाख रुपये तक का एजुकेशन लोन मिल जाता है। हालांकि इसके लिए परिवार की सालाना आय 6 लाख रुपये से कम होनी चाहिए। पहले इस पर 1 से 4 फीसदी तक ब्याज लगता था। लेकिन अब इसे माफ कर दिया गया है।

छात्रों को क्या-क्या फायदे?

पहले छात्रों को लोन पर ब्याज चुकाना पड़ता था, लेकिन अब उस पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं होगा. किस्तों की अवधि बढ़ने से हर महीने की एटक कम हो जाएगी. गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

क्या है सरकार का मकसद?

नीतीश कुमार ने कहा कि इस कदम से बिहार के छात्र-छात्राओं को बेहतर शिक्षा और करियर के लिए प्रोत्साहन मिलेगा. सरकार का उद्देश्य है कि किसी भी छात्र को सिर्फ आर्थिक तंगी की वजह से पढ़ाई बीच में न छोड़नी पड़े।

जमुई में ज्वेलरी शॉप से 20 लाख की चोरी, शटर और दीवार काटकर चोरों ने घटना को दिया अंजाम

एजेंसी। मोतिहारी

बिहार में अपराधी बेलगाम हो गये हैं। ऐसा लगता है कि इनके अंदर पुलिस का खौफ खत्म हो गया है। यही कारण है कि ये एक के बाद एक आपराधिक वारदातों को बेखौफ अंजाम दे रहे हैं। अपराधी बेखौफ होकर चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। बीते दिनों मोतिहारी में राजलक्ष्मी ज्वेलर्स शॉप में भीषण चोरी की घटना को अंजाम दिया था और लाखों के जेवरात पर हाथ साफ किया था। आज जमुई में स्वर्ण कारोबारी को ही निशाना बनाया है। बदमाशों ने 20 लाख की भीषण चोरी कर ली है। घटना जमुई जिले के गरही थाना क्षेत्र की कुड़वाटांड़ चौक के पास स्थित

ज्वेलरी शॉप की है।जहां स्वर्ण व्यवसायी की दुकान का शटर और दीवार काटकर अज्ञात चोरों ने वहां रखे 85 हजार रुपए कैश, 100 ग्राम सोना, 9 किलो चांदी सहित 20 लाख रुपए का सामान चुरा लिया। पीड़ित सरार्फा कारोबारी सूरज साह खैरा प्रखंड क्षेत्र के रहने वाले हैं। जो कुड़वाटांड़ चौक पर सोने-चांदी की दुकान चलाते हैं। उनकी दुकान को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाते हुए पहले पिछले दीवार को काट डाला और उसी के जरिये चोर दुकान के अंदर प्रवेश कर गये।

निगरानी टीम ने डाटा ऑपरेटर को दस हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार, प्रखंड शिक्षा अधिकारी फरार

मोतिहारी। मोतिहारी जिले के चिरैया प्रखंड के बीआरसी में तैनात कंप्यूटर ऑपरेटर प्रकाश कुमार को निगरानी विभाग की टीम ने दस हजार रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। जानकारी मिलते ही प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मौके से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, प्रकाश कुमार ने एक शिक्षक मणिभूषण कुमार से पेमेंट दिलाने के नाम पर दस हजार रुपए की रिश्वत की मांग की थी। शिक्षक ने इस मामले की शिकायत निगरानी विभाग में की, जिसके बाद आज विभाग की टीम ने ऑपरेटर को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया और अपने साथ ले गई।गिरफ्तारी की खबर जैसे ही जिले में फैली, पूरे जिले में अफरा-तफरी मच गई। सभी शिक्षा पदाधिकारी एक-दूसरे से यह पता लगाने में जुट गए कि छापेमारी कहां हुई और किसकी गिरफ्तारी हुई है। इस कार्रवाई ने मोतिहारी में शिक्षा विभाग के भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी की कड़ी कार्रवाई का संदेश दिया।

बेरोजगारी से नौजवान कर रहे हैं पलायन : दीपांकर भट्टाचार्य

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में मंगलवार को भाकपा (माले) महासचिव कॉमरेड दीपंकर भट्टाचार्य के आगमन पर कार्यकताओं ने ऐतिहासिक स्वागत किया। सैकड़ों कार्यकताओं ने फूल-मालाओं और नारों के बीच उनका जोरदार अभिनंदन किया। स्वागत के बाद आयोजित सभा में उन्होंने लोकतंत्र की मूल भावना को रेखांकित करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों को जनता के सवालों का जवाब देना चाहिए और यही लोकतंत्र की असली खूबसूरती है।सभा को संबोधित करते हुए कॉमरेड दीपंकर ने कहा कि देश के नौजवान बड़ी संख्या में पलायन कर रहे हैं, लेकिन सरकार रोजगार पर ठोस कदम उठाने से बच रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जल, जंगल और जमीन

जैसी प्राकृतिक संपत्तियों को बड़े पूंजीपतियों के हवाले कर रही है। यही नहीं, उन्होंने दिल्ली में प्रवासी मजदूरों की दुर्दशा का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा ने "जहां झुग्गी, वहीं मकान" का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद झुग्गियां उजाड़ दी गईं। उन्होंने चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि एसआईआर लागू कर प्रवासी मजदूरों को मताधिकार से वंचित करने और बाहरी बताने की साजिश रची जा रही है। सभा में डुमरांव विधायक अजीत कुशवाहा समेत बड़ी संख्या में नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकताओं के जोश और नारों ने पूरे माहौल को आंदोलनकारी रंग दे दिया।

समस्तीपुर में आकाशीय बिजली गिरने से युवक की मौत

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के उजियारपुर प्रखंड अंतर्गत चैता उत्तरी पंचायत के वार्ड नंबर 10 स्थित सुंडी चौक के पास मंगलवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान 32 वर्षीय राजेश दास (पिता झ्र योगेंद्र दास) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, राजेश दास अपने वॉशिंग फीट पर गाड़ी धो रहे थे, तभी अचानक उन पर आकाशीय बिजली गिर गई। हादसे के बाद स्थानीय लोग और परिजन उन्हें इलाज के लिए दलसिंहसराय ले गए, लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई।घटना की खबर फैलते ही इलाके में कोहराम मच गया और सैकड़ों लोग घटनास्थल पर जुट गए। मृतक के परिजन सदमे से बार-बार बेहोश हो जा रहे थे।

आज बिहार के कई जिलों में बारिश और वज्रपात का यलो अलर्ट, मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी

एजेंसी। पटना

बिहार में मानसून पूरी तरह एक्टिव है। पिछले तीन दिनों से पटना समेत कई इलाकों में बारिश हो रही है। मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून की सक्रियता बनी हुई है। बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से नमी युक्त हवाएं राज्य के ऊपर सक्रिय हैं, जिससे बारिश की स्थिति बनी हुई है। प्रदेश के ऊपरी वायुमंडल में चक्रवाती परिसंचरण की भी पुष्टि की गई है। मौसम अगले पांच से सात दिनों तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। हालांकि,

तापमान में किसी विशेष बदलाव के आसार नहीं हैं। पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, पटना, गोपालगंज, सीवान, सारण, भोजपुर, नवादा, मधुबनी, दरभंगा, जमुई, नालंदा, अरवल, जहानाबाद, वैशाली, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, किशनगंज, कटिहार, समस्तीपुर में अलगे एक से तीन घंटे तक बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। इधर, पटना समेत कई इलाकों में मंगलवार सुबह से ही बारिश हो रही है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, अगले 4 दिनों में अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है। वहीं, न्यूनतम तापमान भी अगले 5 दिनों तक सामान्य बना रहेगा। पिछले 24 घंटे में पटना में अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री सेल्सियस, गया में 31.8 सेल्सियस, भागलपुर में 32.3 डिग्री सेल्सियस, पूर्णिया 33.4 डिग्री सेल्सियस, दरभंगा में 31.8 डिग्री सेल्सियस, बक्सर में 31 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

सुभाषितम्

सुखी व्यक्ति के जीवन जीने का दृष्टिकोण और नजरिया अलग होता है। - ह्यूग डाउन्स

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पक्ष में प्रदर्शनकारी लंदन की सड़कों पर

हाल ही में ब्रिटेन की राजधानी लंदन की सड़कों पर लाखों लोग प्रदर्शन के लिए एकत्रित हुए। इसमें एक महत्वपूर्ण संदेश गूंजा। लाखों लोग एकजुट होकर कट्टरपंथ, नफरत के खिलाफ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करने के लिए सड़कों पर उतरे। यह एक ऐसा आंदोलन था, जिसने दिखा दिया, प्रेम, सहिष्णुता और लोकतंत्र की शक्ति नफरत और विभाजन से अधिक शक्तिशाली है। टॉमी रॉबिनसन के नेतृत्व में नरम दक्षिणपंथी संगठनों ने एक बड़े प्रदर्शन का आयोजन किया। इसके विरोध में ह्वाइटहॉल में स्टैंड अप टू रेसिज्म्ह के तहत एक विशाल काउंटर प्रोटेस्ट ने यह साबित किया। ब्रिटेन का समाज आज भी समावेशिता और मानवाधिकारों के प्रति सजग है। नेपाल के प्रदर्शन एवं सत्ता पलटने के तुरंत बाद लंदन की सड़कों पर लाखों प्रदर्शनकारी पहुंच गये हैं। ब्रिटेन भी महंगाई, बेरोजगारी एवं नस्लवाद की समस्या से उद्वेलित है। इस प्रदर्शन को दुनिया के सभी देशों में चिंता के रूप में देखा जा रहा है। दक्षिणपंथी रैली में लाखों लोग यूनियन फ्लैग, सेंट जॉर्ज क्रॉस, अमेरिकी और इजरायली झंडे को लेकर एक साथ प्रदर्शन करते नज़र आए। कुछ प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री के खिलाफ नारे लगा रहे थे। अवैध प्रवासियों के खिलाफ गुस्से का इजहार कर रहे थे। इस रैली का नेतृत्व करने वाले प्रदर्शनकारी इसे अभिव्यक्ति की आजादी का जश्न भी कह रहे थे। किसी भी लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी तभी सजीव रह सकती है। जब वह हिंसा और नफरत से परे हो। प्रदर्शन में दूसरी ओर, ह्वाइटहॉल में स्टैंड अप टू रेसिज्म्ह के तहत हजारों लोग पोस्टर और तख्तियां लेकर सड़कों पर उतरे थे। इन पोस्टरों पर लिखा था ह्टॉमी रॉबिनसन का विरोध करोह, ह्वरिफ्यूजीज वेलकमह और ह्ननफरत नहीं, प्रेम फैलाओ। प्रदर्शनकारियों का एक बड़ा समूह नारे लगा रहा था, लोकतांत्रिक समाज में सभी का स्वागत होना चाहिए। यह कहकर प्रदर्शन में शामिल हुआ। कुछ प्रदर्शनकारी अति दक्षिणपंथी ताकतें जो समाज पर कब्जा करना चाहती हैं। उनके विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। प्रवासियों को दोषी ठहराना, पूरी तरह से उन्हें गलत बताने का विरोध कर रहे थे। प्रदर्शनकारी अभिव्यक्ति की आजादी के लिए यह प्रदर्शन लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए था। इसको लेकर यह प्रदर्शन अपने आप में बहुत बड़ा रहा था ब्रिटेन में आज भी मानवीय मूल्यों का विशेष स्थान है। विरोधी गुटों को कंट्रोल करने में पुलिस की भूमिका बहुत अहम रही। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने एक निष्पक्ष नीति अपनाई। दोनों पक्ष के प्रदर्शनकारियों के बीच एक चैन बनाकर उन्हें एक दूसरे से अलग रखा। पुलिस कमांडर क्लेयर हंस की भूमिका की सराहना हो रही है। उन्होंने इतने बड़े प्रदर्शन में अलग-अलग विचारधारा के लोग थे। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था अथवा संघर्ष की स्थिति नहीं बनने दी। ब्रिटेन के विविध समुदाय के प्रदर्शनकारी सुरक्षित रूप से अपनी अभिव्यक्ति कर पाएं। पुलिस ने इसका पूरा ध्यान रखा, उसमें वह सफल भी हुए। यह प्रदर्शन ब्रिटेन में बढ़ते प्रवासी-विरोधी रुझान को प्रदर्शित कर रहा था। एक तरफ प्रदर्शनकारी राष्ट्रीय गर्व के नाम पर विदेशी नागरिकों के प्रति नफरत का संदेश फैला रहे थे। वहीं दूसरी ओर ब्रिटेन की बहुसंख्यक समाज इस घृणा के खिलाफ आवाज उठाने एकजुट हुई। इस प्रदर्शन से स्पष्ट हो गया कि लोकतंत्र केवल बहुमत की ताकत केवल पर नहीं चल सकता है। लोकतंत्र मानवता, समानता और सहिष्णुता का प्रतीक है। समाज को समझना होगा, नफरत का प्रसार केवल आंतरिक संघर्ष और विनाश को बढ़ावा देता है। इसके मुकाबले प्रेम और आपसी सदभाव और एकजुटता का संदेश ही सामाजिक विकास एवं सुनहरे भविष्य का रास्ता है। लंदन की सड़कों पर प्रदर्शनकारियों ने यही रास्ता दिखाया है। विभिन्न विचारधारा के लोग एकजुट होकर, बिना भय के मानवाधिकारों की रक्षा करते हुए, नफरत के खिलाफ एक साथ अभिव्यक्ति व्यक्त कर सकते हैं।

चिंतन-मनन

कैंची काटती है, सुई जोड़ती है

कैंची काटती (तोड़ती) है और सुई जोड़ती है। यही कारण है कि तोड़ने वाली कैंची पैर के नीचे पड़ी रहती है और जोड़ने वाली सुई सिर पर स्थान पाती है। इसलिए मनुष्य का यही धर्म है कि इनसान को जोड़े न कि तोड़े। उन्होंने सास-बहू में एका होने का आह्वान भी किया। राष्ट्र संत तरुण सागर महाराज ने कई उदाहरणों के माध्यम से अपनी बातें रखीं। एक पिता अपने छोटे से पुत्र को विश्व का एक नक्शा देता है। फिर उसे टुकड़े-टुकड़े कर पुत्र को जोड़ने के लिए कहता है। पुत्र उस नक्शे को ज्यों का त्यों जोड़ देता है। अपने बेटे की प्रतिभा से आश्चर्यचकित पिता पूछता है कि बेटे तुमने यह असंभव कार्य कैसे कर लिया। बेटा कहता है कि पिताजी, नक्शा के पीछे इनसान बना हुआ था। मैंने इनसान को जोड़ा तो नक्शा भी ज्यों का त्यों जुड़ गया। मुनिश्री ने कहा कि इनसान को जोड़ने से पूरा विश्व एक हो सकता है। हे मानव 36 का आँकड़ा बहुत बना लिए, अब 63 का आँकड़ा बनाइए। बुजुर्गों के अनुभव का बखान करते हुए मुनिश्री ने कहा कि बुजुर्ग की एक-एक झुर्री पर एक-एक शास्त्र का ज्ञान लिखा होता है। बुजुर्ग की अवहेलना मत करिए। वे जो कह रहे हैं, उसे सुनो। उल्टा जवाब मत दो। जवाब दोगे तो घर का माहौल खराब हो जाएगा। झगड़ा, क्लेश व द्वेष फैलेगा। बुजुर्गों का सम्मान करना सीखो। आज जो बुजुर्गों के साथ करोगे, वहीं तुम्हारे साथ होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कर्मचारी से कर्मयोगी तक का खाका तैयार किया

- आर. बालसुब्रमण्यम

देश लोक प्रशासन में सुधार के अभूतपूर्व प्रयास कर रहा है। अब न केवल अधिकारियों के प्रशिक्षण के तरीके बदल रहे हैं, बल्कि उनकी सेवा के मायनों में भी बदलाव आ रहा है। मिशन कर्मयोगी–लोक सेवा क्षमता निर्माण का राष्ट्रीय कार्यक्रम है और इस बदलाव में इंजन की भूमिका निभा रहा है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच झलकती है। 25 वर्षों से अधिक समय तक सरकार चलाने और पांच दशकों से अधिक सार्वजनिक जीवन का अनुभव रखने वाले श्री मोदी, व्यवस्थाओं के प्रति एक संचालक जैसी समझ, जड़ आदतों के प्रति एक सुधारक जैसी अधीरता, और ध्रुव तारे की तरह स्पष्ट –नागरिक-प्रथम, विकसित भारत के उद्देश्य को सामने रखते हैं। मिशन कर्मयोगी की खासियत यह है कि यह केवल दिखावे भर के लिये मानव संसाधन सुधार नहीं है। यह देश की लोक सेवाओं की मूल्य-आधारित परिवर्तनकारी पुनर्रचना है और इसका मुख्य ध्यान प्रदर्शन पर है। यह कार्यक्रम तीन निर्णायक बदलावों को संहिताबद्ध करता है: पहला बदलाव सरकारी अधिकारियों की मानसिकता में बदलाव है, यानी स्वयं को कर्मचारी मानने से लेकर कर्मयोगी मानने तक का सफर है। दूसरा बदलाव कार्यस्थल में बदलाव है, इसमें प्रदर्शन के लिए व्यक्तिगत ज़िम्मेदारी सौंपने से लेकर प्रणालीगत प्रदर्शन बाधाओं का निदान और उन्हें दूर करने तक का बदलाव शामिल है। तीसरा बदलाव सार्वजनिक मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली और उससे जुड़ी क्षमता निर्माण प्रणाली को नियम-आधारित से भूमिका-आधारित बनाना है। यह संरचना स्पष्ट रूप से मोदी के इक्कीसवीं सदी के शासन की मांगों के दूरदर्शी ढांचे से उभर कर सामने आयी है। यह जीवंत नेतृत्व का परिणाम है।

मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री के रूप में, मोदी ने एक समग्र सरकारी संस्कृति को बढ़ावा दिया–अलग-अलग क्षेत्रों में अलगाव को खत्म किया, मंत्रियों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में बहस पर बल दिया, और फाइलों को आगे बढ़ाने की बजाय सिस्टम समाधानों को प्राथमिकता दी। यह भावना महामारी के दौरान दिखाई दी, जब सरकार, उद्योग, नागरिक समाज और नागरिक स्वयंसेवकों के सभी स्तरों पर टीम इंडिया एक साझेदारी मॉडल के रूप में आगे बढ़ी। यही सहयोगात्मक शक्ति अब जीईएम और गतिशक्ति जैसे सुधारों को संस्थागत रूप दे रही है। उन्होंने नेतृत्व की आदतों को संरचनाओं में भी ढाला। जो चिंतन शिविर–आवासीय, पदानुक्रम-समतल विचार-मंथन सत्र–गुजरात में शुरू किए गए थे वे अब केंद्र सरकार की कार्यपुस्तिका का हिस्सा हैं। निरंतर सीखने पर उनका बल व्यक्तिगत है। अपने ज्ञान और कौशल का निरंतर विस्तार करने के अलावा, वे यह भी जांचने के लिए जाने जाते हैं कि क्या प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारी आईजीओटी डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं। संस्थागत स्मृति के साथ उनके व्यवहार में बहुत समावेशीता है। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद, उन्होंने मंत्रियों से दशकों तक एक तरह से व्यवस्था से भली-भांति परिचित अपने सहायकों और अनुभाग अधिकारियों से सीखने का आग्रह किया। व्यवहार में संस्कृति परिवर्तन ऐसा ही दिखाई देता है। जमीनी स्तर पर, सुधार की रीढ़ उद्देश्यपूर्ण तकनीक है। आईजीओटी -कर्मयोगी प्लेटफॉर्म एक व्यापक, कभी भी और कहीं भी सीखने का ईको सिस्टम है। इसमें 3,000 से ज्यादा स्व-प्रगति पाठ्यक्रम हैं जो सभी के लिए सुलभ हैं और सीखने को लोकतंत्रात्मक बनाते हैं। यह सीखने को मानव संसाधन कार्यों जैसे योग्यता मानचित्रण, करियर नियोजन और मार्गदर्शन से जोड़ता है–देश को प्रदर्शन पुलिसिंग से सक्षम क्षमता की ओर ले जाता है। यह पहले से ही बड़े पैमाने पर शक्ति प्रदान कर रहा है। लाखों अधिकारियों को नए कानूनी ढांचों के अनुरूप प्रशिक्षित किया गया है; देश भर में लाखों पुलिस, डॉक्टर और अन्य कर्मचारी नागरिक संपर्क को मजबूत कर रहे हैं और सेवाभाव कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं; और बड़ी संख्या में लोग एआई और आईओटी जैसी उभरती तकनीकों में प्रमाणपत्र प्राप्त कर रहे हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि प्रधानमंत्री की तकनीक-अनुकूल प्राथमिकता संस्थागत ताकत में परिवर्तित हो चुकी है। दार्शनिक सार भी उतना ही महत्वपूर्ण है। मिशन कर्मयोगी प्राचीन सभ्यतागत ज्ञान को आधुनिक शासन-कला के साथ जोड़ता है–विकास, गर्व, कर्तव्य और एकता जैसे संकल्पों के साथ-साथ स्वाध्याय, सहकार्यता, राजकर्म और स्वधर्म (नागरिकों पर ध्यान) जैसे व्यक्तिगत गुणों को भी समाहित करता है। यह कोई पुरानी यादें नहीं हैं; यह उच्च तकनीक युग के लिए एक व्यावहारिक नैतिकता है, जो यह सुनिश्चित करती है कि योग्यता चरित्र में समाहित हो। नागरिक-केंद्रितता–जनभागीदारी–दूसरा स्तंभ है। प्रधानमंत्री मोदी बार-बार इस बात पर जोर देते रहे हैं कि प्रत्येक सार्वजनिक निर्णय के केंद्र में नागरिक होने चाहिए। यही उनका शासन मंत्र है। व्यवहार में नागरिक सहभागिता दोतरफा समझौता बन जाती है। नीति और क्रियान्वयन में लोगों की भागीदारी होती है और अधिकारी अंतिम छोर पर खड़े अंतिम नागरिक की सेवा के लिए तैयार होते हैं। मिशन कर्मयोगी इस समझौते के लिए मानसिकता और तरीके विकसित करने का राज्य का साधन है। आत्मनिर्भरता इसकी पूरक है। यह एकाकीपन नहीं है; यह खुलेपन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा से प्रेरित क्षमता और आत्मविश्वास है। यही दृष्टिकोण क्षमता निर्माण के प्रयासों और माईगव जैसे प्लेटफॉर्म के व्यापक प्रसार में भी दिखाई देता है, जो नागरिकों को निष्क्रिय प्राप्तकर्ता नहीं, बल्कि सह-निमार्ता बनाता है। यह कथा भारत के सभ्यतागत लोकाचार में निहित है–और संस्थानों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के युग में फलने-फूलने के लिए तैयार करती है। कार्यक्रम की संस्थागत संरचना प्रधानमंत्री मोदी की व्यावहारिकता को दशार्ती है। डिजिटल आधार और बाजार को आगे बढ़ाने के लिए एक विशेष प्रयोजन वाहन, कर्मयोगी भारत, समन्वय के लिए एक मंत्रीमंडल सचिवालय इकाई; संरक्षक और मानक-निर्धारक के रूप में क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी); और शीर्ष-स्तरीय संचालन के लिए प्रधानमंत्री ने मानव संसाधन परिषद का नेतृत्व किया। इसकी संरचना सहयोगात्मक, लेखा-परीक्षण योग्य और परिणाम-उन्मुख है–एक ऐसा शासन ढांचा जो कहीं से भी काम करने वाले देश के लिए उपयुक्त है। महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत जो सीखता है उसे संचित नहीं कर रहा है। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के अनुरूप, देश अपने ज्ञान, अनुभव और उपकरणों को साझा करने की तैयारी कर रहा है। इन्हें लोक प्रशासन में एक आदर्श के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह वैश्विक दक्षिण के लिए महत्वपूर्ण है, वहां तकनीकी व्यवधानों के बीच देशों को समान क्षमता की कमी का सामना करना पड़ रहा है। मॉरीशस को इस दिशा में पहले ही सहायता की पेशकश की जा चुकी है–यह एक प्रारंभिक संकेत है कि मिशन कर्मयोगी विकासशील लोकतंत्रों में एक अभ्यास समुदाय का निर्माण कर सकता है। सीधे शब्दों में कहें तो, मिशन कर्मयोगी एक दूरदर्शी विचार को एक व्यवस्था में बदल देता है।

ओजोन परत की सुरक्षा के प्रयासों को बढ़ावा देना होगा

- संजय गोस्वामी

विश्व ओजोन दिवस 2025, हर साल 16 सितंबर को मनाया जाता है। यह दिवस 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया जाता है यह दिवस पृथ्वी पर जीवन को हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) विकिरण से बचाने में ओजोन परत के महत्व के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाने का दिन है। विश्व ओजोन दिवस 2025 का विषय विज्ञान से वैश्विक कार्रवाई तक है, जो मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की उपलब्धियों और निरंतर महत्व को उजागर करने के लिए संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की एक पहल है।मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल का स्मरण और ओजोन परत की सुरक्षा के प्रयासों को बढ़ावा देना होगा।यह दिन पराबैंगनी किरणों को अवशोषित करने और मानव स्वास्थ्य, पारिस्थितिक तंत्र और ग्रह की सुरक्षा में ओजोन परत की महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाता है। ओजोन परत क्षय एक गंभीर चुनौती ओजोन परत समुद्र सतह से 60 कि.मी. की ऊंचाई तक विविध सांद्रता वाली परतों में पाई जाती है। ओजोन गैस ऊपर वायुमण्डल में अत्यंत पतली एवं पारदर्शी परत बनाते हैं !ओजोन लेयर ; व्2व्त्र व्3द्ध ऑक्सीजन गैस का ही एक रूप होता है ! जब ऑक्सीजन के तीन परमाणु एक साथ जुड़ जाते है तो वो ओजोन का निर्माण करते है !वायुमण्डल में ओजोन गैस का एक छाता सा आवरण पाया जाता है जिसे ओजोन परत या ओजोन मण्डल कह सकते हैं। वायुमण्डल की ऊंचाई 16 से 29 किलोमीटर तक मानी जाती है। तापक्रम तथा वायुमण्डल के कारण वायुमण्डल का परिवर्तन मण्डल, ओजोन मण्डल, समताप मण्डल तथा मध्य मण्डल उध्वार्कार विभाजन किया गया है। इसमें प्रमुख है ओजोन परत मण्डल जो ओजोन परत के नाम से जाना जाता है। यह परत पृथ्वी के धरातल से 20..30 कि.मी. की ऊंचाई पर पाई जाती है ओजोन परत ऑक्सीजन के तीन परमाणु से मिलकर बनती है। यह परत वायुमण्डल में बहतु कम है यह परत धरती के निकट होती तो इससे मानव के ष्शरीर पर हानिकारक प्रभाव पड़ता जिससे मनुष्य अनेक रोगों से पीड़ित हो जाता। जहां यह परत धरती के लिए हानिकारक है, वहीं यह परत वायुमण्डल में ऊपर होने से मनुष्यों के लिए लाभदायक है। सूरज से निकलने वाली सबसे हानिकारक गैस है पैराबैंगनी किरण ! पैराबैंगनी किरणे ना ही सिर्फ मनुष्य बल्कि जीव जंतुओं और वनस्पतियों के लिए अत्यंत हानिकारक है। सूरज की नुकसानदेह किरणों से बचाने वाली हमारी जीवन रक्षक परत ओजोन बेहद पतली हो चुकी है। सूर्य की पराबैंगनी किरणों से धरती को बचाने वाली ओजोन परत में छेद हो चुका है. जब आर्कटिक के ऊपर ओजोन परत में इतना विशाल छिद्र देखा गया है. वैज्ञानिकों को कई तरह की चिंताएं सता रही हैं.ओजोन परत का अध्ययन करने वाले जेट प्रॉपल्सन लैबोरेटरी कैलीफोर्निया के वैज्ञानिकों ने ताजा रिपोर्ट तैयार की है. अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के सैटेलाइट्स से मिली तस्वीरों के आधार पर रिपोर्ट कहती है कि ओजोन परत पर उत्तरी अमेरिका के आकार जितना बड़ा छेद हो चुका है. इसका आकार 2.5 वर्ग किलोमीटर आंका गया है. वैज्ञानिक 1980 से ओजोन परत में हो रहे छिद्र का अध्ययन कर रहे हैं. हर साल ग्लोब के सबसे निचले हिस्से अंटार्कटिका में जाकर ओजोन परत पर नजर रखी जा रही है.रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिकों को आशंका है कि ओजोन परत का छेद फैलकर दक्षिणी अमेरिका तक पहुंच सकता है. ऐसी परिस्थितियों में ब्राजील, चिली और पेरू समेत कई देशों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा. सूरज की पराबैंगनी किरणों से त्वचा का कैंसर और मोतियाबिंद जैसी बीमारियां महामारी का रूप ले सकती हैं यह सब ग्रीन हाऊस गैसों से है ग्लोबल वार्मिंग के कारण हुआ है। इनमें सबसे खतरनाक क्लोरो-फ्लोरो कार्बन गैस है जो ओजोन के परमाणुओं को कम कर रहा है। इसकी वजह से हर साल ओजोन परत 4 प्रतिशत की दर से कम हो रही हैं। यदि ओजोन के नुकसान की यही गति रही तो अगले 50 से 60 साल में ओजोन का 15 से 20 प्रतिशत भाग नष्ट हो जाएगा इससे पराबैंगनी किरणां के पृथ्वी के धरातल पर पड़ने से तेज धूप होगी जिससे जीव-जंतुओं में जल की कमी होगी और वे गर्मी से झुलस जाएंगे। नाइट्रस आक्साइड एक हरितगृह गैस है जो वैश्विक तपन के साथ-साथ समतापमंडलीय ओजोन परत की क्षय के लिए भी उत्तरदायी है। रक्षा कवच के रूप में ओजोन परत सूर्य की हानिकारक परा-बैंगनी किरणों को अवशोषित कर पृथ्वी के जीवों की रक्षा करती है। धान की खेती के विस्तार के फलस्वरूप मीथेन गैस की उत्सर्जन की दर में बढ़ोत्तरी हुई है। मीथेन भी नाइट्रस आक्साइड की तरह हरितगृह गैस है जो वैश्विक तपन के लिए उत्तरदायी है। ओजोन परत की बिरलता न केवल तापमान वृद्धि हो रही है बल्कि जलवायु परिवर्तन का यह एक बड़ा कारण है। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम जैव-भू-जैव रासायनिक चक्र में परिवर्तन होना है। एक तरफ मानव जनसंख्या में लगातार वृद्धि हो रही है वहीं दूसरी तरफ हिमखण्ड पिघलने से भूक्षेत्र में कमी आ रही है। आने वाले समस में यह स्थिति अराजकता और अव्यवस्था का परिचायक दिखलाई पड़ रही है। ओजोन परत में विरलता से वह अमलीय वर्षा और घने कुहरे का प्रकोप दुनिया झेल रही है। वहीं दूसरी तरफ इस विखण्डन के नाते पराबैंगनी बीटा किरणों की अधिकता से न केवल पशु, पौधे बल्कि मानव भी बुरी तरह से दुष्प्रभावित है। विभिन्न प्रकार के होने वाले चर्म रोग, कैंसर रोग, मोतियाबिन्द, चमड़ियों में झुर्री पड़ना, त्वचा की कोशिकाओं में टूट-फूट होना इत्यादि संकट से आज यह जगत दो चार हो रहा है। समय रहते इसके समझ लें और ठीक करने की अत्यन्त आवश्यकता है। वरना आने वाली पीढ़ी इस मार को सहने को अक्षम होगी। न्यूजीलैण्ड के अंतरिक्ष वैज्ञानिकां ने आकड़ां का हवाला देते हुए कहा है कि अंटार्कटिक महाद्वीप के ऊपर आकाश में ओजोन परत का छिद्र बढ़कर काफी बड़े आकार का होकर दक्षिणी अमेरिका के एक ष्शहर तक फैल गया है।

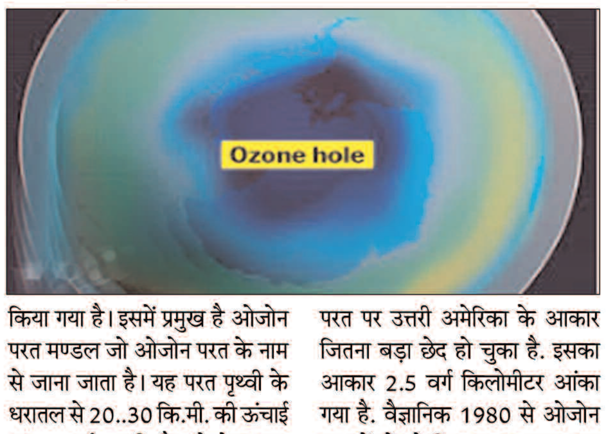

कानों सुनी तो क्या आंखों देखी पर भी सोच समझकर निर्णय लेना चाहिए

- किशन सनमुखदास भावनानीं

मानव के व्यावहारिक जीवन में अनेक बार ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न होती है जहां उस विशेष अनियोजित परिस्थितियों में अचानक ही निर्णय लेने की जरूरत होती है बस !यही वह समय होता है जब अपनी बुद्धि कौशलता के साथ हमें बड़े बुजुर्गों द्वारा कही गई कहावतों, मुहावरों, विचारों को रेखांकित करने की अत्यंत तात्कालिक जरूरत होती है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र से, मेरा मानना है कि उससे हमें अति उच्च गुणवत्ता का सकारात्मक निर्णय लेने में आसानी होती है,जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम होते हैं और उन परिस्थितियों में पढ़ने वाले विपरीत नुकसान, दुष्परिणामों से बचा जा सकता है जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम निकलते हैं और हम उसका श्रेय बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद के रूप में ले सकते हैं। साथियों बात अगर हम व्यवहारिक जीवन में निर्णय लेने की करें तो यह दो प्रकार का हो सकता है नियोजित और अनियोजित निर्णय, ऐसे निर्णय जो किसी परिस्थिति विशेष पर अकस्मात लेने पड़ते हैं जिसके लिए कोई पूर्व योजना नहीं होती है अनियोजित निर्णय कहलाते हैं। इसके विपरीत ऐसे निर्णय जो किसी पूर्व योजना पर आधारित होते हैं, नियोजित निर्णय कहलाते हैं। नियोजित निर्णय ठोस तथ्यों पर आधारित होते हैं क्योंकि यह पूर्व निर्धारित योजना पर आधारित होते हैं। साथियों बात अगर हम बड़े बुजुर्गों की कहावतों की करें तो, कहावत उस छोटे से वाक्य या लाइन को कहा जाता है जिसके माध्यम से बड़ी-बड़ी बातें कह दी जाती है। गाँव, घर में अक्सर बड़े-बुजुर्गों के द्वारा बहुत सारी कहावतें सुनने को मिलती है। इन कहावतों को स्कूल में नही पढाया जाता है, इसे ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों के लोग बोलने में प्रयोग करते है। बहुत सारी ऐसी कहावतें होती है जो घर की महिलाओं के द्वारा प्रयोग की जाती है, कई बार गाँव में बड़े बुजुर्गों की कहावत का अर्थ तो पढ़े लिखे लोग भी नहीं निकाल पाते है, और शर्म में हाँ में हाँ मिलाकर आगे बढ़ जाते है। साथियों बात अगर हम तुरंत निर्णय लेने वाली परिस्थितियों की करें तो, मानव जीवन में अनेक बार ऐसी परिस्थितियां आती है जब मनुष्य समझ नहीं पाता कि उसे किस तरह उस परिस्थिति का सामना करना है । परिस्थितिवश उत्पन्न स्थिति स्वयं में इतनी उलझी होती है की अगर सूझ बूझ और दूर दृष्टि का सहारा न लिया जाये तो निर्णय गलत होने की पूरी सम्भावना रहती है ।अनेको बार छोटी छोटी बातें हमें नकारात्मक गहराई तक प्रभावित करती हैं । ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर बेहतर तो यह है की हम शांति और धैर्य से उस परिस्थिति का विश्लेषण करें तथा उस स्थिति के पक्ष विपक्ष दोनों के बारे में सोंचे क्योंकि प्रत्येक स्थिति के दो पहलू होते है , एक अगर सकारात्मक है तो दूसरा नकारात्मक अवश्य होगा । हमें परिस्थिति के गुण दोष के आधार पर निर्णय लेना चाहिए न कि जल्दबाजी में या घबराकर कोई कदम उठाना चाहिए जिससे की हमारे पक्ष में होने वाली बात का भी विपरीत असर हो जाये ।सबसे बड़ी बात हमें किसी भी विपरीत स्थिति में धैर्य , सहनशीलता और शांति से निर्णय लेने की आदत डालनी चाहिए अगर ऐसा हुआ तो हम अपने जीवन में अवश्य सफल होंगे । साथियों बात अगर हम कानों सुनी और आंखों देखी पर भी सोच समझकर निर्णय लेने की करें तो,आँखों देखी या कानों से सुनी हर बात सत्य हो, यह आवश्यक नहीं है।

आज का राशिफल

मेष नई योजनाओं पर अधिक ध्यान दे सकते हैं और किसी विशेष व्यवस्था पर भी समय व्यतीत हो सकता है।

तुला आज कार्यक्षेत्र और पारिवारिक मामले में दिन आनंददायक व्यतीत होगा।

वृषभ आज दिन कामकाज के मामले में अच्छा रहने वाला है। समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

वृश्चिक आज व्यापार के मामले में आपके प्रोजेक्ट सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे।

मिथुन आज कार्यक्षेत्र में आपको कामकाज के सिलसिले में अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

धनु दिन आर्थिक मामलों में उत्तम रहने वाला है। मुनाफा कमाने के सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क आज आपका दिन सामान्य से बेहतर रहने वाला है। आपको उत्तम संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है।

मकर कार्यक्षेत्र में कामकाज के सिलसिले में या प्रोजेक्ट के चलते ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं।

सिंह भाग्य का पूरा साथ मिलेगा, जिससे बिगड़े काम भी बनने शुरु हो सकते हैं।

कुंभ आज व्यापार और व्यवसाय के क्षेत्र में आपको भाग्य का साथ मिलेगा।

कन्या कार्यक्षेत्र में सहकर्मी सहायता मांगने आ सकते हैं। ऐसे में आपको सभी का सम्मान करना होगा।

मीन दिन आर्थिक मामलों में मिलाजुला रहने वाला है। सोच-समझकर निर्णय लेने से लाभ हो सकता है।

विशेष

एसआईआर और वोट चोरी का मुद्दा नहीं छोड़ेगा विपक्ष

चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष ने मुहिम छेड़ दी है। विपक्ष के हाथों जो सबूत लगे हैं। उसमें स्पष्ट हो गया है,चुनाव आयोग की मिलीभगत से 2019 से भाजपा लोकसभा और विधानसभा के चुनाव जीत रही है। बिहार में एसआईआर के माध्यम से वोट काटने का जो प्रयास चुनाव आयोग द्वारा किया जा रहा था। विपक्ष ने उसे समझ लिया है। उत्तर प्रदेश के लोकसभा चुनाव तथा हरियाणा और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में जिस तरह परसेंटेज बढ़ाकर फर्जी मतदाता शामिल कर भाजपा को चुनाव जिताया गया था। भाजपा के पन्ना प्रमुखों का खेल भी विपक्ष ने समझ लिया है। विपक्ष ने गरुड़ पुराण (ऐप) पढ़ लिया है। वोट चोर का मुद्दा अब आम जनता को भी समझ में आने लगा है।

चाबी चुनाव आयोग के पास

केंद्रीय चुनाव आयोग ने बीएलओ और स्थानीय चुनाव अधिकारियों के पास कोई अधिकार नहीं रहने दिया है। सब कुछ ऑनलाइन कर दिया है। ऑनलाइन की चाबी केंद्रीय चुनाव आयोग के पास है। फार्म 6 और 7 का खेल भी चुनाव आयोग दिल्ली में बैठकर खेल रहा है। जहां मर्जी होती है,वहां वोट बढ़ा देता है। जहां जरूरत होती है, वहां वोट कम कर देता है। राहुल गांधी और उनकी तकनीकी टीम ने चुनाव आयोग की गड़बड़ी पकड़ ली है। डिजिटल में कुछ भी छुपाया नहीं जा सकता है। धीरे-धीरे करके एक-एक परत खुलती चली जा रही है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1673: रोम ने फ्रांस के खिलाफ जंग का ऐलान किया. 1744: प्रसिया नरेश फ्रेडरिक द्वितीय ने फ्रांस पर कब्जा किया. 1929: बोलिविया और परागुवे के बीच शांति संधि हुई. 1931: हिजली कैम्प में राजनीतिक बंदियों पर गोली चलाने से दो व्यक्ति मारे गए और अनेक घायल हो गए. 1945: द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति पश्चात जापान ने हांगकांग को स्वतंत्र कर दिया. 1955: एडुआर्डो लोनार्डी के नेतृत्व में भड़का विद्रोह पूरे अर्जेन्टीना में फैल गया. 1957: थाईलैंड में सैनिक क्रांति के बाद सीटों के महासचिव पोट सरमिन प्रधानमंत्री बने. 1978: निकारागुवा में नेशनल गार्ड्स ने देश के दूसरे बड़े शहर लियोन का छापामारों से छीन लेने का दावा किया था. 1988: इराक के साथ युद्ध समाप्त करने के उद्देश्य से ईरानी नेताओं ने विश्वके अन्य देशों से संपर्क बढ़ाना शुरू किया था.

दैनिक पंचांग

सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	05.54 बजे से
चंद्र	मिथुन में	तुला	08.05 बजे से
मंगल	तुला में	वृश्चिक	10.19 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.35 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	14.41 बजे से
शुक्र	सिंह में	कुंभ	16.27 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.00 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.30 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.10 बजे से
राहुकाल		मिथुन	23.09 बजे से
3.00 से 4.30		कर्क	01.22 बजे से
बजे तक		सिंह	03.38 बजे से

2025 वर्ष का 259 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण
तिथि दशमी 00.23 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** आर्द्रा 06.46 बजे को समाप्त। **योग** वरीयान 00.34 बजे रात्र को समाप्त। **करण** वणिज 12.54 बजे तदनन्तर विष्टि 00.23 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 02° 37'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872469
जूलियन दिन 2460934.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल **तारीख** 23
विशेष दशमी श्राद्ध।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

धनबाद जेल में कैदी एचआईवी पॉजिटिव, हाईकोर्ट सख्त, अधिकारियों को किया तलब

धनबाद/रांची, एजेंसी। झारखंड में जेल व्यवस्थाओं और कैदियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर बड़ा मामला सामने आया है। धनबाद मंडल कारा में बंद एक सजायाफ्ता कैदी एचआईवी पॉजिटिव पाया गया है। नियमित स्वास्थ्य जांच के दौरान इसकी पुष्टि हुई। यह कैदी 27 जून से जेल में बंद है।

मामला झारखंड हाईकोर्ट की जानकारी में आने के बाद अदालत ने इसे बेहद गंभीर मानते हुए कहा कि जेलों में कैदियों की स्वास्थ्य सुरक्षा न केवल उनकी बल्कि अन्य कैदियों और जेलकर्मियों की जिंदगी से भी जुड़ी है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि एचआईवी जैसी संक्रामक बीमारी से बचाव के लिए जेलों में ठोस व्यवस्था होनी चाहिए।

हाईकोर्ट ने इस मामले पर कड़ा रुख अपनाते हुए गृह सचिव, जेल अधीक्षक, चिकित्सा पदाधिकारी समेत संबंधित अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश दिया है। अदालत ने राज्य सरकार से पूछा है कि जेलों में स्वास्थ्य सेवाओं की मौजूदा स्थिति क्या है और ऐसी बीमारियों से निपटने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जेलों में नियमित स्वास्थ्य जांच, परामर्श और संक्रमित कैदियों के लिए अलग चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है। इस मामले की अगली सुनवाई 25 सितंबर को होगी। उस दिन संबंधित अधिकारी अदालत में पेश होकर विस्तृत जवाब देंगे।

आईपीएस अधिकारी के आरोपों पर घिरी हेमंत सरकार, भाजपा ने लगाया लीपापोती करने का आरोप

रांची, एजेंसी। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने झारखंड कैडर के एक आइपीएस अधिकारी द्वारा व्हिस्ल ब्लोअर एक्ट के तहत सुरक्षा उपकरणों की खरीद में भ्रष्टाचार के आरोप की लीपापोती का आरोप लगाया।

सोमवार को प्रेस वक्तव्य जारी कर उन्होंने कहा कि सुरक्षा उपकरणों की खरीद में बाजार मूल्य से चार गुना से पांच गुना ज्यादा भुगतान किया गया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि शुरुआत में तो महीनों तक सरकार ने इन आरोपों पर संज्ञान ही नहीं लिया। बाद में जब दबाव बढ़ा तो जिस अधिकारी पर आरोप लगाए गए थे, उससे कनीय अधिकारी आइजी नरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में जांच समिति बनवा दी गई।

भारी हंगामे के बाद सरकार ने समिति बदली और एडीजी स्तर के अधिकारी टी कांडास्वामी को अध्यक्ष बनाया। लेकिन वे लंबे समय तक अवकाश पर रहे थे, जिससे जांच की गति ठहर गई।जानकारी के अनुसार समिति की एक भी बैठक अभी तक नहीं हुई है। यह सब दर्शाता है कि सरकार गंभीर जांच चाहती ही नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने में जुटी है। उन्होंने कहा कि व्हिस्ल ब्लोअर एक्ट का मूल उद्देश्य है कि कोई भी अधिकारी अथवा कर्मचारी यदि भ्रष्टाचार का पर्दाफाश करता है तो उसे हर स्तर पर संरक्षण मिले और उसकी पहचान सार्वजनिक न की जाए, लेकिन झारखंड में इसके ठीक उलट सरकार ने व्हिस्ल ब्लोअर अधिकारी को असुरक्षित करने और आरोपित को बचाने का काम किया है।

कोडरमा में एक रात में दो सड़क हादसे, 1 की मौत, पंचगावां मोड़ के पास आपस में टकराई बाइक

कोडरमा, एजेंसी। पहली घटना कोडरमा-गिरिडीह मुख्य मार्ग स्थित पंचगांवा मोड़ के पास हुई। सोमवार देर शाम फुलवरिया गांव निवासी 24 वर्षीय रोहित साव अपने दो दोस्तों के साथ बाइक पर डोमचांच बाजार से लौट रहा था। इसी दौरान पुरनाडीह की ओर से आ रही एक अन्य मोटरसाइकिल से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में रोहित गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर पीसीआर पुलिस मौके पर पहुंची और उसे एंबुलेंस से सदर अस्पताल कोडरमा भेजा। जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

रोहित साव की महज पांच माह पूर्व ही शादी हुई थी। वह मुंबई में अपने पिता के साथ रहकर ऑटो चलाता था। करीब दो माह पहले ही अपने गांव लौटा था। अचानक हुई इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। उसकी असामयिक मौत ने हर किसी को गहरे सदमे में डाल दिया है। दूसरी घटना नवलशाही थाना क्षेत्र के नवलशाही चौक पर सोमवार देर शाम घटी। यहां दूध लेकर घर लौट रहे दो सगे भाई सड़क पार कर रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में 10 वर्षीय सौरव पासवान और उसका भाई सुमित पासवान गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने दोनों को तुरंत पुरनाडीह स्थित एक निजी क्लिनिक में भर्ती कराया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत देखते हुए दोनों को सदर अस्पताल कोडरमा रेफर कर दिया गया। दोनों भाइयों की हालत फिलहाल नाजुक बनी हुई है। उनका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। इस दुर्घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। लोग बताते हैं कि बच्चे रोजाना की तरह दूध लेकर घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। एक ही दिन में क्षेत्र में हुई दो सड़क दुर्घटनाओं ने ग्रामीणों को झकझोर कर रख दिया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क पर तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को और कड़ा करने की मांग की है।

भाजपा के आरोपों पर झामुमो का पलटवार, कहा- समिति कर रही निष्पक्ष जांच

रांची, एजेंसी। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने भाजपा पर झूठ फैलाने और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बोलने का नैतिक अधिकार खो देने का आरोप लगाया। उन्होंने भाजपा प्रवक्ता के सुरक्षा उपकरणों की खरीद में भ्रष्टाचार के निराधार आरोपों को राजनीतिक साजिश करार दिया।

उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार पारदर्शिता और सुशासन के लिए प्रतिबद्ध है। सुरक्षा उपकरणों की खरीद निर्धारित प्रक्रियाओं के तहत हुई। शिकायत मिलने पर सरकार ने तुरंत संज्ञान लिया और वरिष्ठ अधिकारियों की समिति गठित की।

यह समिति नियमों के तहत निष्पक्ष जांच कर रही है, और रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई होगी। उन्होंने सवाल उठाया कि केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा ने जांच में सहयोग क्यों नहीं किया विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा का बयान सुर्खियां बटोरने और ईमानदार सरकार को बदनाम करने की कोशिश है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे सख्त रुख हेमंत सोरेन सरकार का है। सरकार हर शिकायत पर कार्रवाई करती है, लेकिन इसे मीडिया ट्रायल का हिस्सा नहीं बनने

देती। विनोद पांडेय ने भाजपा को सलाह दी कि वह झूठे बयानों से बचकर संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा करे। सरकार भ्रष्टाचार को संरक्षण नहीं देती, न ही व्हिसल ब्लोअर को असुरक्षित छोड़ती है। भाजपा बेबुनियाद आरोपों से जनता को गुमराह कर रही है। भाजपा की साजिश सफल नहीं होगी।

प्रखंड अध्यक्ष सुराई टुडू की अध्यक्षता सोमवार को फारेस्ट ब्लाक के मुड़ाठाकुरा स्थित आदिवासी संस्कृति कला केंद्र भवन में झामुमो प्रखंड समिति विस्तार को लेकर बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में दिवंगत शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के पुत्र सोमेस चंद्र सोरेन उपस्थित थे। उन्होंने कहा उनके पिता का जनता से किया हुआ वादा पूरा करेंगे।उन्होंने कहा कि कम समय में क्षेत्र के लोगों ने जितना आदर और सम्मान दिया है उनका भरोसा कभी टूटने नहीं देंगे। बैठक में प्रखंड के सभी आठ पंचायत के कार्यकर्ता मौजूद थे।

उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ आगामी उप चुनाव की रणनीति तय किया। हांलांकि गुड़ाबांदा प्रखंड के चार पंचायत ही घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में आते है। सोमेस चंद्र सोरेन ने पंचायत व बूथ स्तर पर तैयारी के लिए खाका तैयार किया।

बैठक के दौरान कमेटी का विस्तार किया गया। जिसमे विनोद बागाल,श्याम पदो टुडू,सामु बानरा एवं दुलाराम मुर्मू को उपाध्यक्ष बनाया गया। जबकि दासमात सोरेन को संगठित सचिव बनाया गया।

प्रखंड अध्यक्ष सुराई टुडू ने बताया कि किसी कारण के चलते सहसचिव,सह सचिव एवं प्रेस प्रवक्ता चयन नहीं किया गया है। अगले बैठक में उसे भी विस्तार कर लिया जाएगा।

जिउतिया व्रत के दौरान करंट से महिला की मौत, गीले कपड़े सुखाने के दौरान लगा करंट

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के लोकाई थाना क्षेत्र स्थित बलरोटांड गांव में जिउतिया पर्व के दौरान एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। 36 वर्षीय निर्मला देवी की करंट लगने से मौत हो गई। निर्मला देवी अपने इकलौते पुत्र की लंबी आयु की कामना करते हुए व्रत रख रही थीं। परिवार और गांव में इस घटना से मातम का माहौल है।

घटना बीती रात की बताई जा रही है। स्नान करने के बाद निर्मला देवी अपने गीले कपड़े सुखाने घर के अंदर गईं। इसी दौरान उनका संपर्क एक नंगे बिजली तार से हो गया। गीले शरीर और नंगे पैर होने के कारण उन्हें तेज करंट लगा और वे मौके पर ही गिर पड़ीं। परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे और उन्हें निजी वाहन से सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

मृतका के जेठ मनी यादव ने बताया कि गांव में कुछ दिनों से बिजली विभाग द्वारा नए खंभे और केबलिंग का काम चल रहा था। लेकिन काम अधूरा छोड़ दिया गया, जिससे घरों तक आने वाले तार अव्यवस्थित हो गए। इसी लापरवाही की वजह से यह हादसा हुआ। उन्होंने कहा कि घटना के बाद बिजली विभाग के कर्मी घर पहुंचे और घटनास्थल की तस्वीरें खींच कर ले गए।

निर्मला देवी के तीन छोटे बच्चे हैं। जिसमें एक बेटा और दो बेटियां हैं। मृतका के पति विजय यादव आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। अब अचानक हुई इस मौत से पूरा परिवार सदमे में है। परिजनों का कहना है कि बच्चों के पालन-पोषण के लिए बिजली विभाग को उचित मुआवजा देना चाहिए।

गांव के लोग बताते हैं कि निर्मला देवी धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं और परिवार की जिम्मेदारियों को संभालती थीं। जिउतिया पर्व के मौके पर हुई इस घटना ने पूरे गांव को झकझोर दिया है। ग्रामीणों ने भी विभागीय लापरवाही की जांच कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है।

पलामू में पत्नी की हत्या का आरोपी पति गिरफ्तार

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले में पत्नी की हत्या के आरोप में पति को गिरफ्तार कर लिया गया है। मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र के बरडंडा गांव के नावाडीह टोला में 14 सितंबर को यह वारदात हुई थी। मृतका की पहचान 40 वर्षीय इंदू देवी के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर हुसैनाबाद के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। मृतका के शव को अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद भेजा गया। आरोपी पति मिथलेश पाल को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। मृतका के भाई पिंटू पाल की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। पूछताछ में आरोपी ने पत्नी की गला दबाकर हत्या करने का जुर्म कबूल कर लिया। दोनों की शादी 2005 में हुई थी। भाई के मुताबिक, शादी के कुछ दिन बाद से ही आरोपी दूसरी शादी की बात करता था। वह बहन को प्रताड़ित भी करता था। पुलिस ने घटनास्थल से सबूत के तौर पर मृतका का खून लगा काले रंग का ब्लाउज और खून से सना तकिया कवर बरामद किया। नारायण सोरेन के नेतृत्व में जांच पूरी की गई।

पेसा इस तरह से लागू हो, जिससे अनुसूचित क्षेत्र में स्वशासन परंपरा को मजबूती मिले : हेमंत

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि पेसा कानून के तहत किए गए उपबंधों का क्रियान्वयन इस तरह हो, जिससे राज्य के अनुसूचित क्षेत्र में स्थानीय स्वशासन की परंपरा को मजबूती मिले। साथ ही साथ जनजातीय समुदायों का आर्थिक व सामाजिक उत्थान और सशक्तीकरण हो सके। मुख्यमंत्री सोमवार को आवासीय कार्यालय में राज्य के महाधिवक्ता राजीव रंजन एवं आलाधिकारियों के साथ पेसा नियमावली पर उच्च स्तरीय बैठक कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विभागीय प्रधानों को पेसा नियमावली पर जल्द मंतव्य देने का निर्देश दिया।

पहली बार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विभागीय सचिवों और आलाधिकारियों के साथ पेसा कानून और संबंधित ड्राफ्ट नियमावली की गहन समीक्षा की। लगभग डेढ़ घंटे तक चली इस बैठक में नियमावली के प्रावधानों की बारीकी से जानकारी ली। उन्होंने राज्य के अनुसूचित क्षेत्रों में पारंपरिक एवं स्थानीय स्वशासन व्यवस्था के तहत ग्राम सभाओं को दी जाने वाली शक्तियों को लेकर कई जरूरी निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, गृह विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल, पेयजल सचिव एमआर मीणा, विधि विभाग के प्रधान सचिव नीरज कुमार श्रीवास्तव, वित्त सचिव प्रशांत कुमार, उत्पाद सचिव अमिताभ कौशल, कल्याण सचिव कृपानंद झा, ग्रामीण विकास सचिव के. श्रीनिवासन, पंचायती राज सचिव मनोज कुमार, समाज कल्याण सचिव मनोज कुमार, राजस्व सचिव चंद्रशेखर, खान सचिव अरवा राजकमल, पंचायती राज निदेशक राजेश्वरी बी, निदेशक खान राहुल सिन्हा, महाधिवक्ता राजीव रंजन, पीसीसीएफ अशोक कुमार, वन संरक्षक पीआर नायडू, डीएफओ दिलीप कुमार, कृषि विभाग के विशेष सचिव प्रदीप कुमार हजारी मौजूद थे।

मालूम हो कि राज्य में अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायती राज व्यवस्था पेसा अधिनियम 1996 के प्रावधानों को प्रभावी बनाने के लिए पेसा नियमावली का गठन किया जाना है। पंचायती राज विभाग ने पेसा नियमावली के औपबंधिक प्रारूप के संबंधित प्रावधानों पर शीघ्र मंतव्य के लिए सात अगस्त को सभी संबंधित विभाग को फाइल भेजी थी। इस पर अब तक नौ विभागों ने अपना मंतव्य पंचायती राज विभाग को नहीं सौंपा है। इनमें पीएचईडी, उत्पाद एवं मद्य निषेध, राजस्व एवं भूमि सुधार, खान एवं भूतत्व, कल्याण, महिला एवं बाल विकास, कृषि और वन एवं पर्यावरण विभाग शामिल हैं।

शहर में दस्तक दे रहा पासवर्ड बर्नआउट, कहीं आप भी तो पासवर्ड थकान के शिकार नहीं

जमशेदपुर, एजेंसी। डिजिटल युग में जहां सबकुछ आसान हो रहा है, वहीं अब एक नया संकट सामने आया है। रोज-रोज बदलते और दर्जनों पासवर्ड याद रखने की मजबूरी अब मानसिक बोझ बनती जा रही है। मनोचिकित्सक इसे 'पासवर्ड थकान' कह रहे हैं।

जमशेदपुर में पहली बार इस तरह के तीन मरीज मिले हैं, जिनमें से एक रिटायर्ड शिक्षिका भी शामिल हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर यह ट्रेंड यूं ही चलता रहा तो आने वाले 5-7 वर्षों में पासवर्ड थकान एक सामान्य मानसिक बीमारी की तरह फैल सकती है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, औसतन एक कर्मचारी साल में करीब 11 घंटे सिर्फ पासवर्ड डालने और रीसेट करने में गंवाता है। कंपनियों को इससे करोड़ों का नुकसान होता है। मनोचिकित्सकों का कहना है कि शहर में अब तक तीन मामले दर्ज हो चुके हैं, लेकिन यह संख्या आगे और बढ़ सकती है।

पहला मामला कदमा का है। 62 वर्षीय रिटायर्ड शिक्षिका एटीएम, मोबाइल और आधार पासवर्ड याद न रख पाने से परेशान हैं। उन्होंने बताया कि पासवर्ड भूलने पर घबराहट, बेचैनी और पूरे शरीर से पसीना आने लगता है। दूसरा मामला टेल्को का है। यहां 43 वर्षीय एक निजी बैंक कर्मचारी पासवर्ड भूलने पर अक्सर दफ्तर में सहकर्मियों पर चिड़चिड़े हो जाते हैं। कई बार आफिस का काम रुक जाता है।

तीसरा मामला धतकीडीह का है। 28 वर्षीय साफ्टवेयर इंजीनियर ने बताया कि उसे दिनभर में 15-20 लागिन याद रखने पड़ते हैं। भूल जाने पर नींद उड़ जाती है और सिरदर्द शुरू हो जाता है।

डिजिटल लेन-देन, नेट बैंकिंग, सोशल मीडिया और कंपनी के कामकाज-हर जगह पासवर्ड की जरूरत होती है। हर पासवर्ड के अलग नियम, कैपिटल लेटर, नंबर और चिन्ह लगाने की मजबूरी दिमाग पर बोझ डाल रही है।

यह मानसिक थकान और तनाव है, जो लगातार पासवर्ड याद रखने और बदलने की मजबूरी से पैदा होती है। मरीज घबराहट, बेचैनी, सिरदर्द, नींद न आना और ध्यान भटकने जैसी समस्याओं से जूझते हैं।

अब ओला-उबर की तरह मिलेगी ममता वाहन की सुविधा, गर्भवतियों को नहीं होगी परेशानी

रांची, एजेंसी। झारखंड में गर्भवती महिलाओं को अस्पताल तक सुरक्षित व समय पर पहुंचाने के लिए चल रहे ममता वाहन सेवा अब आधुनिक तकनीक से लैस होने जा रही है। इस वाहन को अब ओला और उबर की तर्ज पर ऐप आधारित बनाया जाएगा।

इस संबंध में एनएचएम अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने बताया कि आईसीआईसीआई बैंक को ऐसा ऐप तैयार करने का निर्देश दिया गया है, जिससे गर्भवती महिला के अस्पताल जाने के लिए वाहन बुक करते ही नजदीकी सभी ममता वाहन को संदेश मिल जाएगा और जो वाहन सबसे पास होगा, वह तत्काल पहुंच जाएगा।

उन्होंने बतायाक कि इस ऐप की खासियत यह होगी कि इसमें निजी वाहन चालक भी जुड़ सकेंगे। रजिस्ट्रेशन के बाद उनकी गाड़ी भी भाड़े पर चलाई जाएगी। इसका सीधा लाभ ग्रामीण और दूरदराज की महिलाओं को मिलेगा, जिन्हें अक्सर एंबुलेंस या ममता वाहन देर से पहुंचने की समस्या झेलनी पड़ती है।

शशि प्रकाश झा ने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने के लिए 30 नए एंबुलेंस की खरीदारी की जा रही है। इसके अलावा 200 नए एंबुलेंस खरीदने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री को भेजा गया है।

वर्तमान में करीब 210 एंबुलेंस पुराने हो चुके हैं, जिनकी एमवीआई से जांच करायी जाएगी। संभावना है कि इन्हें कबाड़ घोषित कर दिया जाएगा। नए एंबुलेंस उपलब्ध होने तक इनका उपयोग जारी रहेगा।

राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं को संतुलित करने के लिए सदर अस्पतालों को रांची सदर अस्पताल की तर्ज पर विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। इनमें विशेषज्ञ डाक्टरों को नियुक्त किया जाएगा। हालांकि ग्रामीण इलाकों के बाहर विशेषज्ञ डाक्टरों की भारी कमी है, जो भी दूर करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि जांच की भी सुविधाएं बढ़ सके। झा ने कहा कि फिलहाल सीएचसी और पीएचसी स्तर पर बुनियादी इलाज की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन आने वाले दिनों में सदर अस्पतालों को विशेषज्ञ सेवाओं से सुसज्जित किया जाएगा।

एनएचएम अभियान निदेशक ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने के लिए लगातार नई योजनाएं लागू की जा रही हैं। एंबुलेंस की संख्या बढ़ाने से लेकर ममता वाहन सेवा को तकनीकी रूप से मजबूत बनाने तक हर पहलू पर ध्यान दिया जा रहा है। उनका कहना था कि मरीजों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण सेवा मिले, इसके लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

स्पा सेंटर की आड़ में चल रहा देह व्यापार, 1200 से 5 हजार रुपये तक है रेट

रांची, एजेंसी। शहर में बढ़ती स्पा सेंटरों की संख्या अब कानून और नैतिकता, दोनों के लिए चुनौती बनती जा रही है। कई स्पा सेंटरों में स्वास्थ्य और रिलेक्सेशन के नाम पर खुलेआम देह व्यापार का खेल चल रहा है।

शहर के कई पाश इलाकों में चल रहे स्पा सेंटरों की आड़ में संदिग्ध गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। बाहर से ये सेंटर भले ही आधुनिक और पेशेवर दिखते हों, लेकिन अंदर का माहौल कुछ और ही कहानी बयां करता है।

कई स्पा सेंटरों में न तो स्टाफ के पास आवश्यक डिप्लोमा है। न ही इनका कोई पुलिस वेरिफिकेशन कराया जाता है। मसाज रूम के दरवाजे पूरी तरह बंद कर दिए जाते हैं।

कई जगहों पर ष्टष्टञ्जङ्क तक नहीं लगे होते।

साफ है कि इन जगहों पर चल रही गतिविधियों पर किसी की नजर नहीं है। सवाल यह है कि इतने स्पष्ट नियमों के बावजूद यह यह खेल कैसे चल रहा है। स्थानीय पुलिस व निगम की जानकारी में यह सब नहीं है, या फिर सब कुछ मैनेज कर लिया जाता है। शहर में सबसे अधिक लालपुर, रातू रोड, डोरंडा और मेन रोड में स्पा सेंटर धड़ल्ले से चल रहे हैं।

शहर के अधिकांश स्पा सेंटरों में एक तय प्रक्रिया के तहत देह व्यापार संचालित किया जा रहा है। किसी भी स्पा सेंटर में ग्राहक के पहुंचते ही सबसे पहले उससे 1200 लिए जाते हैं। इसके बाद ग्राहक को कुछ लड़कियों को दिखाया जाता है।

वह अपनी पसंद के अनुसार एक का चयन करता है। चयन के बाद ग्राहक और युवती एक कमरे में चले जाते हैं। युवती अलग-अलग रेट चार्ट बताकर बताती है कि किस राशि में कौन सी सुविधा मिलेगी।

यह राशि 1200 से लेकर 5000 तक हो सकती है, और ग्राहक को औसतन 45 मिनट का समय दिया जाता है। शहर के कई स्पा सेंटरों में यह प्रक्रिया लगभग एक जैसी है। न कोई निगरानी, न कोई रोक।

पलामू में उफनती नदी पार कर गर्भवती को पहुंचाया अस्पताल, ममता वाहन का इंतजार करते रहे ग्रामीण

पलामू, एजेंसी। पलामू में सोमवार को प्रसव पीड़ा से जूझ रही चंपा देवी को गांव के लोग खटिया पर लिटाकर धुरिया नदी पार करवाकर अस्पताल ले गए। नदी में छाती तक पानी भरा था। पानी का तेज बहाव जरा-सी चूक में सभी को बहा ले जाता, लेकिन ग्रामीणों ने हिम्मत दिखाई और महिला को सुरक्षित नदी के उस पार पहुंचाया। नदी पार करने के बाद ग्रामीणों ने ममता वाहन या एंबुलेंस के लिए अधिकारियों को फोन करते रह गए पर किसी ने फोन नहीं उठाया। मजबूरी में ग्रामीणों ने चंदा जुटाकर निजी वाहन का इंतजाम किया और चंपा देवी को अस्पताल ले गए।

राजखाड़ अंबेडकर नगर और आसपास के गांवों की सबसे बड़ी समस्या धुरिया नदी पर पुल का न होना है। हर बारिश में गांव बाहरी दुनिया से कट जाता है। स्कूल, अस्पताल और बाजार जाने के लिए लोगों को नदी पार करनी पड़ती है। ग्रामीण कई बार पुल बनाने की मांग कर चुके हैं। लेकिन प्रशासन और सरकार संज्ञान नहीं ले रही है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक पुल नहीं बनेगा, हर साल बरसात में किसी न किसी की जिंदगी इस नदी की धार में फंसकर संकट में पड़ती रहेगी। सिविल सर्जन अनिल कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि मामले की जानकारी मिली है। स्वास्थ्य सुविधा की मांग के बाद भी नहीं मिलना गंभीर विषय है। एंबुलेंस नहीं पहुंचना लापरवाही है। इसकी जांच कर कार्रवाई करेंगे।

एक मुस्लिम देश, जिसने अपने यहां लगाई है भगवान विष्णु की दुनिया की सबसे बड़ी मूर्ति

इंडोनेशिया के बाली में भगवान विष्णु की सबसे ऊंची प्रतिमा स्थित है। इसका नाम विष्णु केनकाना प्रतिमा है। इस प्रतिमा की ऊंचाई 400 फीट है। इसे इंडोनेशिया के मशहूर मूर्तिकार न्यूमन नुआर्ता ने डिजाइन किया था। नुआर्ता को उनकी कला के लिए भारत सरकार द्वारा पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। इस प्रतिमा में भगवान विष्णु को गरुड़ पर सवार दिखाया गया है। हिंदू पौराणिक कथाओं में गरुड़ को भगवान विष्णु के वाहन के रूप में बताया गया है। इस प्रतिमा का निर्माण 1993 में शुरू हुआ था और इसे पूरा होने में करीब 28 साल लगे थे। इसके निर्माण पर 837 करोड़ रुपए का खर्च आया था। यह मूर्ति कांसे और तांबे से बनी है और वजन 4000 टन है। इस मूर्ति को बनाने का उद्देश्य इंडोनेशिया की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना और दुनिया भर में इसका प्रचार करना था।

हिंदू धर्म में भगवान विष्णु को धरती का पालनहार माना जाता है। भगवान विष्णु समृद्धि और वैभव के प्रतीक हैं। वैसे तो लगभग भारत के हर कोने में उनके मंदिर और मूर्तियां हैं, जहां पर भगवान विष्णु की अलग-अलग नामों से पूजा होती है। लेकिन आपको ये जानकर हैरानी होगी कि दुनिया की सबसे ऊंची भगवान विष्णु की मूर्ति भारत में नहीं है। यह एक मुस्लिम देश में है।

भगवान विष्णु के इस मूर्ति का निर्माण तांबे और पीतल का इस्तेमाल किया गया है।

भगवान विष्णु की यह मूर्ति करीब 122 फुट ऊंची और 64 फुट चौड़ी है। इस मूर्ति को बनाने में 2-4 साल नहीं, बल्कि करीब 24 साल का समय लगा है। साल 2018 में यह मूर्ति पूरी तरह बनकर तैयार हुई थी। अब इसे देखने और भगवान के दर्शन के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं। इस मूर्ति के बनने की कहानी भी बड़ी ही दिलचस्प है। कहते हैं कि साल 1979 में इंडोनेशिया में रहने वाले मूर्तिकार बप्पा न्यूमन नुआर्ता ने एक विशालकाय मूर्ति बनाने का सपना देखा था। एक ऐसी मूर्ति, जिसे आज तक दुनिया में ना बनाई गई हो। एक ऐसी मूर्ति, जिसे देखने वाला बस उसे देखता ही रह जाए।

लंबी प्लानिंग और पैसे के इंतजाम के बाद इस मूर्ति को बनाने की शुरुआत साल 1994 में शुरू हो पाई हालांकि, बजट की कमी से 2007 से 2013 तक मूर्ति बनाने का काम रूका रहा था, लेकिन उसके बाद जब इसका काम दोबारा शुरू हुआ तो फिर वो पूरा बनने के बाद ही रूका। बाली द्वीप के उंगासन में स्थित इस विशालकाय मूर्ति का निर्माण करने वाले मूर्तिकार बप्पा न्यूमन नुआर्ता को भारत में सम्मानित भी किया गया था। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उन्हें पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किया था। आज इस मूर्ति की ख्याति दुनियाभर में फैल चुकी है।

पेड़ की टहनियों से करते हैं औरतों की पिटाई दुल्हन पर डालते हैं कीचड़!

यूरोप की 7 सबसे विचित्र मान्यताएं

यूरोप के देश भले ही विकसित हो गए हों, पर यहां आज भी कई ऐसी मान्यताएं और त्योहार मनाए जाते हैं जो सुनने-देखने में बेहद विचित्र लगते हैं. आज हम आपको यूरोप की 7 सबसे अजीबोगरीब मान्यताओं के बारे में बताने जा रहे हैं.

धरती पर 7 महाद्वीप हैं और इन सातों में सभी देश शामिल हैं. हर महाद्वीप की अपनी कुछ खासियत हैं और कई ऐसे पहलु हैं जो उसे अजीबोगरीब बनाते हैं. यूरोप सबसे अमीर महाद्वीपों में है. साथ ही, इसमें आने वाले देशों को बेहद विकसित माना जाता है. पर आपको जाकर हैरानी होगी कि इस महाद्वीप के अलग-अलग देशों में कई ऐसी मान्यताएं और रीति-रिवाजों का आज भी पालन होता है जो काफी विचित्र हैं. आज हम आपको यूरोप की 7 सबसे अजीबोगरीब मान्यताओं के बारे में बताने जा रहे हैं.

टोमाटीनो फेस्टिवल

जिंदगी न मिलेगी दोबारा मूवी में जब भारतीयों ने एक दूसरे पर टमाटर फेंकने वाला त्योहार देखा तो बहुत से लोगों का जरूर ये रिएक्शन होगा कि वो खाने की बर्बादी कर रहे हैं. स्पेन में होने वाला टोमाटीनो फेस्टिवल काफी अजीबोगरीब माना जाता है. क्योंकि इसमें सैकड़ों किलो टमाटर सिर्फ एक दूसरे पर फेंककर ही बर्बाद कर दिया जाता है. ये अगस्त के आखिरी बुधवार में आयोजित होता है.

डानुबे क्रॉस स्विमिंग

रोमानिया में एक अजीबोगरीब रेस का आयोजन होता है जिसे डानुबे क्रॉस स्विमिंग कहते हैं. इसमें चर्च के प्रीस्ट एक क्रॉस को हाड़ कंपा देने वाली सर्दी में, नदी के अंदर फेंक देते हैं. इतनी ठंड में नदी का पानी भी बर्फीला हो जाता है. पुरुष नदी में कूदते हैं और सबसे पहले क्रॉस हासिल करने की रेस करते हैं. जो भी सबसे पहले क्रॉस हासिल करता है, उसके लिए आने वाला साल बेहद शुभ माना जाता है. ठंडे पानी में जाने से पहले सभी लोग वोडका पीते हैं जिससे पानी के अंदर जाने में उन्हें आसानी हो.

पेड़ की टहनियों से पिटाई

चेक गणराज्य में ईस्टर मंडे के मौके पर, पुरुष, महिलाओं को पेड़ की टहनियों से पीटते हैं. महिलाओं को बदले में पुरुषों को अच्छे से पिटाई करने पर पुरस्कार देना पड़ता है. कम उम्र के पुरुषों को रंगी अंडा दिया जाता है जबकि अधेड़ पुरुषों को शराब दी जाती है. माना जाता है कि पिटाई करने से महिलाओं में फर्टिलिटी बढ़ती है.

पत्नी को गोद में उठाकर रेस

फिनलैंड में वाइफ कैरिंग चैंपियनशिप होती है. पत्नी को अपने ऊपर टांगने का कोई नियम नहीं है, कैसे भी टांगकर दौड़ा जा सकता है पर सबसे कॉमन तरीका जो लोग अपनाते हैं, वो ये है कि पत्नी को पीठ पर उल्टा टांग लिया जाए जिससे दोनों पैरों को, पति अपने हाथों से पकड़ ले. इस रेस में जीतने वाले लोगों को पत्नी के वजन के बराबर बियर गिफ्ट के रूप में मिलती है. अब ये रेस फिनलैंड से बाहर, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, अमेरिका, जर्मनी आदि में भी फेमस हो चुकी है. यूं तो पहली बार ये रेस 1992 में शुरू हुई थी पर लोगों का मानना है कि 17वीं सदी के दौरान एक कबीले के मर्द, दूसरे कबीले की औरतों को अगवा करने आते थे और अपने ऊपर टांगकर ले जाते थे. ये रेस, उसी प्रथा के आधार पर शुरू की गई थी.

दूल्हन पर पोती जाती है कालिख

स्कॉटलैंड में सालों से एक मान्यता चली आ रही है जो मजे के लिए आज भी लोग करते हैं. यहां होने वाली दूल्हन पर शादी से पहले कालिख पोती जाती है, उसे कीचड़ से नहलाया जाता और अंडे से लेकर अन्य चीजें उसके ऊपर डाला जाता है. ऐसा इसलिए किया जाता है जिससे दुल्हन के अंदर सहनशीलता आए और शादी के बाद आने वाली समस्याओं को भी वो आसानी से सह सके.

कागा टियो

क्रिसमस के मौके पर स्पेन के कैटालोनिया में एक अजीबोगरीब मान्यता का पालन होता है. यहां पेड़ के लट्ठे से एक छोटा टुकड़ा काटा जाता है और इस गोल टुकड़े के ऊपर चेहरा बनाया जाता है. बच्चे इस चेहरे का बहुत ध्यान रखते हैं, उसे खाना खिलाते हैं और समय बिताते हैं. क्रिसमस से ठीक एक दिन पहले बच्चों को डंडे दिए जाते हैं, जिससे वो इस चेहरे को मारते हैं और फिर घरवाले उसी लट्ठे के पास गिफ्ट रख देते हैं जिसे बच्चे क्रिसमस वाले दिन उठा लेते हैं.

थॉराब्लोट

आइसलैंड में जनवरी के महीने में, जब ठंड के सीजन का मध्य समय आता है, तब इस त्योहार को मनाया जाता है.

इस त्योहार में आइसलैंड के लोग काफी घिनौनी और अजीबोगरीब चीजें खाते हैं. भेड़ का उबला हुआ सिर, फर्मेंट की हुई शार्क और जानवरों के प्राइवेट पार्ट्स मुख्य रूप से खाया जाता है. आइलैंड में माना जाता है कि ऐसा खाना खाकर लोग अपने अंदर की हिम्मत और ताकत को दर्शाते हैं.

स्विट्जरलैंड में है दुनिया का सबसे बड़ा चॉकलेट म्यूजियम

दुनियाभर में कई अनोखे म्यूजियम स्थित है। आज हम बात करते हैं, मॉकलेट म्यूजियम की। इस म्यूजियम में आकर पर्यटक चाहे जितनी और कई फ्लेवर्स की चॉकलेट खा सकते हैं। स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख शहर में दुनिया का सबसे बड़ा चॉकलेट का म्यूजियम बनाया गया है। इस चॉकलेट म्यूजियम को लिंड्स होम ऑफ चॉकलेट के नाम से जाना जाता है। इस म्यूजियम की नींव 2017 में रखी गई थी। यह म्यूजियम लगभग 65 हजार वर्ग फीट में फैला हुआ है। लगभग 900 करोड़ की लागत से बने इस म्यूजियम का उद्घाटन 13 सितंबर 2020 को महान टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर ने किया था। म्यूजियम में दुनिया की सबसे बड़ी लिड्स चॉकलेट शॉप भी है। यहां के लोगों का कहना है कि जब से यहां म्यूजियम खुला है तब से इस जगह को चॉकलेट की राजधानी के नाम से जाने जाना लगा है। इसके अलावा ये भी कहा जाता है कि यहां यह म्यूजियम इसलिए बनाया गया है क्योंकि इस शहर में सबसे ज्यादा और स्वादिष्ट क्वालिटी की चॉकलेट बनती है।

चॉकलेट बनने की प्रक्रिया बताते हैं पर्यटकों को

यहां पर्यटकों को 20 मिनट का एक चॉकलेट टूर कराया जाता है। इस दौरान चॉकलेट का पूरा इतिहास बताया जाता है। म्यूजियम में इंटरैक्टिव प्रदर्शनियों हैं, जो बताती हैं कि कैसे कोको बीन्स से लेकर अलग प्रोसेस के बाद चॉकलेट बनती है। आप वर्चुअल स्थिलिटी के माध्यम से कोको के खेतों की मात्रा भी कर सकते हैं। म्यूजियम में चॉकलेट मेकिंग वर्कशॉप है, यहां पर्यटक अपनी चॉकलेट बना सकते हैं। इसके अलावा, आप विभिन्न प्रकार की चॉकलेट का स्वाद ले सकते हैं। म्यूजियम में एक कैफे भी है जहाँ आप चॉकलेट से बने विभित्र व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं।

दुनिया का सबसे बड़ा चॉकलेट फाउंटेन यहां

म्यूजियम में घुसते ही आपका स्वागत एक भव्य चॉकलेट के फव्वारे के साथ होता है। यह दुनिया का सबसे बड़ा चॉकलेट फव्वारा माना जाता है। फव्वार का बजन 3 टन है। इसमें 1400 लीटर चकिलेट होती है। में एक किलो प्रति सेकंड की गति से होकर बहती है। फाउंटेन में 94 मीटर लंबी पाइप बिछाई गई है, 9.3 मीटर ऊंची है। कंपनी ने यह फाउंटेन चॉकलेट प्रेमियों और खास तौर पर चॉकलेट बनाने वाले लोगों को समर्पित किया है। म्यूजियम का टूर पूरा होने के बाद पर्यटकों को चॉकलेट भी गिफ्ट की जाती है।

सात साल तक के बच्चों को फ्री एंट्री

वयस्कों लोगों के लिए टिकट 1600 रुपए है, वहीं 0-7 वर्ष के बच्चों का टिकट नहीं लगता है। इस टिकट में म्यूजियम घूम सकते हैं।

जीएसटी में सुधारों से कंज्यूमर सेक्टर को मिल सकती रफ्तार

ग्रामीण मांग पर दबाव कायम

नई दिल्ली, एजेंसी।
त्योहारी मांग और जीएसटी सुधारों के चलते वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में उपभोक्ता कंपनियों के नतीजे बेहतर होने की उम्मीद है। सिस्टेमैटिक्स रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इसमें कहा गया है कि उपभोक्ता वस्तुओं में मामूली वृद्धि देखी गई है। वहीं विवेकाधीन खर्च अभी भी कोविड-पूर्व स्तरों से नीचे बना हुआ है।

वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के नतीजे सुस्त रहे, लेकिन तिमाही-दर-तिमाही सुधार पहले से ही दिखाई दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, घटती महंगाई, सप्लाई चेन का सामान्य होना और त्योहारों के मौसम की मांग, दूसरी छमाही में सेक्टर की रिकवरी को गति देंगे। उपभोक्ता वस्तुओं की कंपनियों ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में

राजस्व में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। वहीं बिक्री में 3.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। दोनों संकेतक क्रमिक रूप से थोड़े बेहतर रहे। संकेत दिखे, जबकि ग्रामीण मांग स्थिर रही। हालांकि, प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों ने जूस, कार्बोनेटेड पेय, आइसक्रीम, डेयरी, सन और स्किन केयर उत्पाद, और पेंट जैसी श्रेणियों पर असर डाला।

ग्रामीण मांग की स्थिति नाजुक: हालांकि, ग्रामीण मांग अब भी नाजुक स्थिति में बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रामीण बाजारों में रिकवरी आय वृद्धि से नहीं, बल्कि महंगाई घटने के कारण दिखाई दे रही है। ग्रामीण परिवारों की खपत अब भी सरकारी ट्रांसफरों पर निर्भर है। घटती बचत, बढ़ता खाद्य खर्च और बढ़ती अनौपचारिक उधारी दबाव को और बढ़ा रही है। मजबूत मानसून ने कृषि उत्पादन को बढ़ावा दिया है, लेकिन फसलों की कम कीमतें कृषि आय को सीमित कर रही हैं। ग्रामीण उपभोक्ता विश्वास में मामूली सुधार हुआ है। वहीं शहरी विश्वास अभी भी निराशाजनक बना हुआ है। फिर भी, शहरों में गैर-जरूरी खर्च में फिर से वृद्धि होने लगी है।

वॉल्यूम मांग में सुधार की उम्मीद

रिपोर्ट में कहा गया है कि मुद्रास्फीति में कमी और व्यापक वितरण के कारण वित्त वर्ष 26 की दूसरी छमाही में वॉल्यूम मांग में सुधार की उम्मीद है। खाद्य और पेय पदार्थों को भी संभावित जीएसटी दरों में कटौती का लाभ मिल सकता है।

शेयर खरीदने की मची लूट

ओला ने सरकार से मांगी 400 करोड़ रूपये की प्रोत्साहन राशि

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत की इलेक्ट्रिक व्हीकल इंडस्ट्री में सबसे आगे चल रही ओला इलेक्ट्रिक ने सरकार की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम के तहत करीब 400 करोड़ का क्लेम फाइल किया है। यह दावा वित्तीय वर्ष 25 में कंपनी की लगभग 3,000 करोड़ की बिक्री के आधार पर किया गया है। यही वजह है कि ओला इलेक्ट्रिक मोबाइलिटी का शेयर 15 सितंबर को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ है। शेयर की कीमत वर्तमान में करीब 60.50 पर ट्रेड कर रहा है, जो पिछले बंद भाव से लगभग 3 प्रतिशत की बढ़त को दर्शाती है। आइए इसकी डिटेल्स जानते हैं।

स्कीम के तहत कंपनियों को लोकल मैन्युफैक्चरिंग और रेगुलेटरी मानकों का पालन करने पर इंसेंटिव दिया जाता है। ओला ने अपने प्रोडक्शन और बिक्री दोनों में इस मानक को पूरा किया है। यही वजह है कि कंपनी को बिक्री के लगभग 13-14 प्रतिशत

के बराबर राशि यानी करीब 400 करोड़ इंसेंटिव मिलने की उम्मीद है।

गौरतलब है कि ओला इलेक्ट्रिक पिछले साल भी इस स्कीम के तहत इंसेंटिव पाने वाली एकमात्र टू-व्हीलर कंपनी थी। अब लगातार दूसरे साल भी ओला ने पीएलआई-योग्य बिक्री में टॉप पोजिशन हासिल कर अपनी लीडरशिप को मजबूत किया है। हाल ही में ओला इलेक्ट्रिक ने घोषणा की कि उसकी जनरल 3 स्कूटर लाइनअप को पूरी तरह से पीएलआई-स्कीम के नॉर्म्स के तहत प्रमाणित किया गया है।

भारत अमेरिका से खरीदेगा समुद्री गश्ती विमान पी-8आई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच जल्द ही पी–8आई गश्ती विमानों की नई डील पक्की होने के आसार हैं। सूत्रों ने बताया कि अमेरिकी अधिकारियों और विमान बनाने वाली बोइंग कंपनी का एक संयुक्त दल मंगलवार को भारत आ रहा है। जो भारतीय नौसेना के लिये छह पी–8आई विमानों के 4 अरब डॉलर के सौदे पर बातचीत करेगा। नौसेना के पास पहले से 12 पी–8आई गश्ती विमान हैं। अमेरिका से हुए सौदे के तहत 2009 में 8 और 2016 में 4 पी–8आई विमान लिये गए थे। इसके बाद नौसेना ने और विमान खरीदने की इच्छा जताई थी। पिछले हफ्ते ही अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक से

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. को हल्के लड़ाकू विमान तेजस के लिए तीसरा इंजन मिला था। संकेत साफ हैं कि टैरिफ वॉर पर रिश्तों में आई तल्खी के बाद अब अमेरिका और भारत के रक्षा संबंधों में फिर गर्माहट दिख रही है। पी–8आई समुद्र में गहराई तक छुपी पनडुब्बी को ढूंढकर निशाना बना सकता है। हिंद महासागर में चीन की बढ़ती नौसैनिक गतिविधियों के बीच यह टोही विमान काफी अहम है। यह एक बार में 8,300 किलोमीटर तक की उड़ान भर सकता है। खुफिया जानकारी इकट्ठा कर सकता है। इसमें टॉरपीडो, हार्पून एंटी–शिप मिसाइलें और शक्तिशाली मल्टी मिशन सर्फेस सर्च राडार भी लगे होते हैं। भारत इस विमान का इस्तेमाल सीमावर्ती क्षेत्रों में चीनी गतिविधियों की स्पष्ट तस्वीरें लेने के लिए भी करता रहा है।

सहारा ग्रुप की कंपनियों ने कैसे डकार लिया लाखों निवेशकों का पैसा? ईडी ने बताई पूरी बात

SAHARA INDIA PARIWAR

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय ने आरोप लगाया है कि जनता से जुटाए गए जमा धन से खरीदी गई सहारा ग्रुप की कई संपत्तियों को 'गुपचुप' ढंग से नकद लेनदेन के जरिये निपटाया जा रहा था। संघीय जांच एजेंसी ने इस मामले में छह सितंबर को कोलकाता की विशेष पीएमएलए अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया। इसमें सहारा ग्रुप के शीर्ष प्रबंधन में शामिल कार्यकारी निदेशक अनिल वी अब्राहम और लंबे समय से समूह से जुड़े प्रॉपर्टी ब्रोकर जितेंद्र प्रसाद वर्मा को आरोपी बनाया गया है। दोनों फिलहाल न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं। ईडी ने कहा, ''जांच में सामने आया है कि सहारा समूह की कई संपत्तियों का निपटान भारी नकद लेनदेन के माध्यम से गुप्त तरीके से किया जा रहा था। जांच में यह भी स्थापित हुआ है कि अब्राहम और वर्मा ने अन्य लोगों के साथ मिलकर ऐसी संपत्तियों के निपटान में अहम भूमिका निभाई।'' ईडी ने आरोप लगाया कि सहारा समूह जनता से धन जुटाकर 'पोंजी' (चिटफंड) योजनाएं चला रहा था। जमाकर्ताओं को परिपक्वता राशि लौटाने के बजाय जबरन पुनर्निवेश कराया गया और खातों में हेराफेरी कर गैर–भुगतान को छिपाया गया। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा, ''आखिरकार समूह की चार सहकारी समितियों पर भारी देनदारियां डाल दी गई। वहीं वित्तीय क्षमता न होने के बावजूद जमाकर्ताओं से राशि जुटाना जारी रखा गया। राशि का इस्तेमाल बेनामी संपत्तियां बनाने, कर्ज देने और निजी इस्तेमाल के लिए किया गया और जमाकर्ताओं को उनका वैध बकाया नहीं मिल पाया। इस बीच, उच्चतम न्यायालय ने 12 सितंबर को सहारा समूह की सहकारी समितियों के जमाकर्ताओं को बकाया चुकाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास जमा 24,000 करोड़ रुपये में से 5,000 करोड़ रुपये जारी करने का आदेश दिया।

इन्हीं संभावनाओं और चुनौतियों पर मंथन के लिए एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव का आयोजन

कानपुर के लेदर हब का सफर लंबा, वैश्विक बाजार में मिल रही नई पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) देश के विकास में बहुआयामी योगदान दे रहे हैं। यह क्षेत्र जहां लाखों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराता है, वहीं नवाचार, स्थानीय विकास और क्षेत्रीय उद्योगों को भी गति देता है। इन्हीं संभावनाओं और चुनौतियों पर मंथन के लिए एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव का आयोजन कर रहा है। इस मंच पर एमएसएमई के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, आसान वित्तीय पहुंच, सप्लाई चेन आधुनिकीकरण, निर्यात बढ़ोतरी, कौशल विकास और नीति सुधार जैसे अहम विषयों पर विशेषज्ञ गहन चर्चा करेंगे। कानपुर में स्वस्थ्य फॉर भारत कॉन्क्लेव का आयोजन 16 सितम्बर को शाम 4 से 6 बजे तक होगा। इसका अयोजन स्थल आईआईए ऑडिटोरियम, औद्योगिक क्षेत्र, साइड नंबर 1 दादा नगर है। इस कार्यक्रम में उद्योग, व्यापार और विकास के क्षेत्र से जुड़े कई प्रमुख लोग शिरकत करेंगे। एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव का उद्देश्य देश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र के लिए भविष्य की ठोस रणनीतियां तय करना है। इस दौरान विशेषज्ञ फंडिंग

के नए विकल्प, ब्रांडिंग और मार्केटिंग की आधुनिक तकनीकें, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग पर विस्तार से विचार साझा करेंगे। कॉन्क्लेव में खास तौर पर महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, एमएसएमई को वैश्विक बाजार से जोड़ने और 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) योजना के तहत स्थानीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के उपायों पर भी जोर रहेगा। इस तरह के मंच न केवल एमएसएमई सेक्टर की मजबूती के लिए अहम हैं, बल्कि उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए तैयार करने में भी मदद करेंगे। कानपुर समेत देशभर के उद्यमियों के लिए यह अवसर नई तकनीक, आधुनिक वित्तीय विकल्पों और वैश्विक बाजार की जरूरतों को समझने का होगा। इस आयोजन में उद्योग, व्यापार और विकास जगत से जुड़े प्रमुख प्रतिनिधि शिरकत करेंगे और अपने अनुभव व सुझाव साझा कर एमएसएमई क्षेत्र को नई दिशा देने में योगदान देंगे।

कानपुर का चमड़ा उद्योग

कानपुर, जिसे कभी 'लेदर हब' कहा जाता है, आज भी चमड़ा उद्योग के लिए प्रसिद्ध है। प्रदेश सरकार और केंद्र की योजनाओं ने इस पारंपरिक उद्योग को नई ऊर्जा दी है। एमएसएमई टेक सेंटर और कानपुर फुटवियर पार्क जैसे संस्थान तकनीकी सहयोग और आधुनिक ढांचे के जरिए उद्यमियों को नई दिशा दे रहे हैं। वहीं यूपीएसआईडीए और वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना के तहत चमड़ा उद्योग को वैश्विक पहचान दिलाने की कोशिशें तेज हो गई हैं। कानपुर के उद्योग जगत में सुपरहाउस लिमिटेड, मिर्जा इंटरनेशनल, रेड टेप जैसी अग्रणी कंपनियां अपनी गुणवत्ता और निर्यात नेटवर्क के जरिए दुनिया भर में 'कानपुर लेदर' की अलग पहचान बना रही हैं।

एक ऑर्डर और रॉकेट हो गए सुजलॉन एनर्जी के शेयर

2 प्रतिशत से ज्यादा की आई तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी।
सुजलॉन एनर्जी के शेयर रॉकेट हो गए। दोपहर 12 बजे तक इसमें 2 फीसदी से ज्यादा तक की तेजी आ गई। इस शेयर में यह तेजी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड से मिले एक बड़े ऑर्डर के कारण आई है। सुजलॉन को वित्त वर्ष 2026 का सबसे बड़ा ऑर्डर मिला है, जो 838 मेगावाट का है।

यह ऑर्डर सुजलॉन के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा ऑर्डर है। कंपनी इस प्रोजेक्ट को तीन राज्यों में पूरा करेगी। इससे कंपनी के ऑर्डर बुक में काफी बढ़ोतरी होगी और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में उसकी ग्रोथ और भी बेहतर होगी। मंगलवार दोपहर 12 बजे यह शेयर 1.77 प्रतिशत की तेजी के साथ 59.10 रुपये पर कारोबार कर रहा था। कंपनी ने बताया कि यह 838 एमडब्लू का प्रोजेक्ट टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी के फर्म एंड डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट का हिस्सा होगा। इसमें सुजलॉन 266 मेड इन इंडिया एस144 विंड टर्बाइन लगाएगी। हर टर्बाइन की क्षमता

3.15 एमडब्लू होगी।

यह प्रोजेक्ट कर्नाटक (302 एमडब्लू), महाराष्ट्र (271 एमडब्लू) और तमिलनाडु (265 एमडब्लू) में फैला हुआ है। इससे पता चलता है कि सुजलॉन बड़े पैमाने पर क्लीन एनर्जी सोल्यूशंस देने में सक्षम है। इन सोल्यूशंस को ग्रिड में आसानी से इंटीग्रेट किया जा सकता है। ग्रिड का मतलब है बिजली का नेटवर्क।

अमेरिकी टैरिफ भी नहीं हिला सका हमें

रोक सको तो रोक लो..., देश के एक्सपोर्ट में आई तेजी, ट्रंप को होगी चिढ़

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश के व्यापार के लिए अच्छी खबर है। अगस्त 2025 में जहां देश का एक्सपोर्ट (निर्यात) बढ़ गया तो वहीं इम्पोर्ट (आयात) में कमी आई है। यानी अब सामान से ज्यादा बाहर जा रहा है। भारत ने अगस्त 2025 में कुल मिलाकर 69.16 अरब डॉलर का निर्यात किया। यह पिछले साल के अगस्त महीने से 9.34 प्रतिशत ज्यादा है। कॉमर्स मिनिस्ट्री के डेटा से यह जानकारी मिली है। अगस्त 2024 में यह आंकड़ा 63.25 अरब डॉलर था।

अगस्त 2025 में सामान का निर्यात 32.89 अरब डॉलर से बढ़कर 35.10 अरब डॉलर हो गया। वहीं, सेवाओं का निर्यात 30.36 अरब डॉलर से बढ़कर 34.06 अरब डॉलर हो गया। इसका मतलब है कि दोनों ही क्षेत्रों में बढ़ोतरी हुई है। इस बार अमेरिका में टैरिफ बढ़ने से दुनिया भर में आर्थिक अनिश्चितता थी, फिर भी भारत ने अच्छा प्रदर्शन किया। अगस्त में आयात में गिरावट आई है। अगस्त में व्यापार घाटा घटकर 9.88 अरब डॉलर हो गया। पिछले साल यह 21.73 अरब डॉलर था। व्यापार घाटा कम होना अच्छी बात है, क्योंकि इसका मतलब है कि हम निर्यात ज्यादा कर रहे हैं और आयात कम। भारत ने अगस्त 2025

में 79.04 अरब डॉलर के सामान और सेवाएं आयात कीं। पिछले साल इसी महीने में यह आंकड़ा 84.99 अरब डॉलर था। इस बार आयात कम हुआ है। अगस्त में निर्यात बढ़ने के कई कारण हैं। इलेक्ट्रॉनिक सामान, इंजीनियरिंग का सामान, रत्न और आभूषण, पेट्रोलियम उत्पाद और दवाएं और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन हुआ। रत्न और आभूषणों का निर्यात 15.57 प्रतिशत बढ़कर 2.31 अरब डॉलर हो गया। पिछले साल यह 2 अरब डॉलर था। पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 6.54 प्रतिशत बढ़कर 4.20 अरब डॉलर हो गया। वहीं दवाओं और फार्मास्यूटिकल्स का निर्यात 6.94 प्रतिशत बढ़कर 2.51 अरब डॉलर हो गया। ऐसा इसलिए हुआ।

निर्यातकों को मिली मदद

वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं और व्यापार नीति की अनिश्चितताओं के बावजूद, भारतीय निर्यातकों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। यह दिखाता है कि सरकार की नीति सफल रही है। इसका मतलब है कि सरकार ने जो नीतियां बनाईं, उनसे निर्यातकों को मदद मिली।

कैंसर से जीती जंग...

फटे कपड़ों से बनाया 20 करोड़ का कागजी साम्राज्य

ई दिल्ली, एजेंसी।
ह कहानी है रितु ऋचा जैन की। उनकी गिनती ब गुजरात की सफल महिला उद्यमियों में होती । वह मूल रूप से रांची से हैं। रितु ने हिम्मत गैर लगन की मिसाल पेश की है। उन्होंने कैंसर सी बीमारी को हराकर पुरुषों के वर्चस्व वाले द्योग में खुद की अलग पहचान बनाई है। सूरत

रहकर रितु ने कपड़ों के कबाड़ यानी क्सटाइल वेस्ट को रीसाइकल किया। इससे को-फ्रेंडली स्टेशनरी और पेपर उत्पादों का मियम ब्रांड खड़ा किया। उनकी कंपनी का नाम पेपरडम है। इसकी नींव 2012 में रखी गई थी। अब यह 20 करोड़ का सफल वेंचर बन चुकी है। आइए, यहां रितु ऋचा जैन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

जिंदगी में आया सबसे मुश्किल दौर

37 साल की उम्र में जब उनका कारोबार फल-फूल रहा था, रितु को स्टेज 2 ब्रेस्ट कैंसर का पता चला। यह उनके जीवन का सबसे कठिन दौर था। इलाज के दौरान बाल और त्वचा का झड़ना, शारीरिक बदलाव और सबसे बढ़कर सामाजिक भेदभाव ने उन्हें भीतर तक हिला दिया। लंबे समय तक वह खुद को दूसरों से दूर रखती थीं। लेकिन, इस मुश्किल घड़ी में उन्होंने हिम्मत जुटाई और सोशल मीडिया पर अपनी कहानी साझा की। ऐसा करने से उनके मन का बोझ हल्का हुआ और उन्हें दुनिया का सामना करने की ताकत मिली। आज उनका इलाज पूरा हो चुका है और वह पूरी तरह से ठीक होने की राह पर हैं। आज पेपरडम 20 करोड़ की कंपनी बन चुकी है। इसका 80 प्रतिशत रेवेन्यू अपनी वेबसाइट से आता है। बाकी अमेजन, अमाला अर्थ जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से। कंपनी 4,000 वर्ग फीट के क्षेत्र में काम करती है। इसमें 750 वर्ग फीट का एक स्टोर भी शामिल है।

आसान नहीं थी शुरुआत

रितु रांची में 40 सदस्यों के संयुक्त परिवार में पली-बढ़ीं। उनके पिता का प्रिंटिंग का बिजनेस था। उनकी मां गृहिणी हैं। रितु ने टी एंड टीवी हाईस्कूल, वीवी नगर से पढ़ाई की। 2005 में उन्होंने बीएससी की डिग्री हासिल की। 2007 में गुजरात यूनिवर्सिटी से एमएससी किया। 2007 में उन्हें बॉम्बे में जूनियर रिसर्च फेलोशिप मिली। लेकिन, 2009 में उन्होंने अपनी असली पहचान की तलाश में इसे छोड़ दिया। 2011 में वह जयपुर के सांगानेर गईं। वहां उन्होंने पेपर बनाने की एक वर्कशॉप में भाग लिया। यह अनुभव उनकी जिंदगी बदल देने वाला था। रितु ऋचा जैन ने 2012 में 25 लाख रुपये के निवेश से पेपरडम की नींव रखी। इस पैसे में उनकी अपनी बचत, पेंटिंग से कमाई गई रकम और ससुर से मिली मदद शामिल थी। शुरुआत में पेपरडम का मुख्य काम कागज बनाना था, जिसे वह थोक में डीलरों को बेचती थीं। शुरुआती दिन बेहद मुश्किल थे। 2012 में सस्टेनेबल और रीसाइक्लिंग जैसे शब्द भारत में आम नहीं थे। लोग उनके प्रोडक्ट खरीदने को तैयार नहीं थे। पहले साल में उन्हें एक भी ग्राहक नहीं मिला। रितु को पुरुषों के दबदबे वाले इस उद्योग में अपनी जगह बनाना और मजदूरों को संभालना भी एक बड़ी चुनौती थी।

कबाड़ से बनाया कागज

रितु की कंपनी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह कपड़ों के कबाड़, मिलों के धागों और केले के रेशों को रीसाइकल करके पेपर बनाती है। कंपनी हर महीने 10 से 15 टन कपड़े के कबाड़ को रीसाइकल करती है। रितु ने अपने इस अनोखे कच्चे माल को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया। 2020 में उन्होंने थोक पेपर बेचने के बजाय खुद के तैयार उत्पाद बनाने का फैसला किया। उन्होंने 30 तरह के आइटम लॉन्च किए। इनमें नोटबुक, प्लानर, स्केचबुक और गिफ्ट हैंपर शामिल थे। इस कदम से उनकी सीधी पेपर बिक्री 80 प्रतिशत तक घट गई।

410 करोड़ किराया! दुनिया के सबसे ताकतवर शख्स ने

बेंगलुरु में भी लीज पर लिया ऑफिस

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ब्लैकरॉक की भारतीय यूनिट ब्लैकरॉक सर्विसेज इंडिया ने बेंगलुरु के सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट में एक नया ऑफिस किराए पर लिया है। यह ऑफिस एमजी रोड पर स्थित इंडिक्यूब सिम्फनी में है और लगभग 143,000 वर्ग फीट में फैला है। यह डील 10 साल के लिए है और इसका कुल किराया 410 करोड़ रुपये है। हाल के समय में यह देश में सबसे बड़े एंटरप्राइज फ्लेक्सिबल स्पेस ट्रांजैक्शन में से एक है। प्रोपस्टैक द्वारा शेयर किए गए एक लीज डॉक्यूमेंट के अनुसार, यह लीज इस महीने की शुरुआत में रजिस्टर हुई थी और यह 1 अक्टूबर, 2025 से शुरू होगी। ब्लैकरॉक 2.72 करोड़ रुपये का मासिक किराया देगी, जो 190 रुपये प्रति वर्ग फीट के हिसाब से होगा। इसके लिए 21.75 करोड़ रुपये की सिक्योरिटी डिपॉजिट भी जमा की जाएगी। यह एग्रीमेंट टावर के ल+5 फ्लोर को कवर करता है और इसमें हर साल किराए में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। एक सूत्र ने बताया कि यह

ट्रांजैक्शन इस बात को साबित करता है कि बेंगलुरु सीबीसी अभी भी ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स के लिए पसंदीदा जगह है। इंडिक्यूब ने इस डील पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। यह प्रॉपर्टी इंडिक्यूब के एक बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा है। इंडिक्यूब ने बेंगलुरु सीबीसी में तीन टावरों में 320,000 वर्ग फीट स्पेस खरीदा है। यह 15 साल का प्रोजेक्ट है जिसमें रेनोवेशन और अपग्रेडेशन किया जाएगा। इसे इंडिक्यूब सिम्फनी के नाम से जाना जाएगा। इसका उद्देश्य एंटरप्राइज किरायेदारों को प्रीमियम मैनेज्ड वर्कस्पेस देना है। मार्च तक इंडिक्यूब 15 शहरों में 115 सेंटर चला रहा था। यह 8.4 मिलियन वर्ग फीट एरिया को मैनेज कर रहा था, जिसमें 186,719 सीटें थीं। बेंगलुरु में 65 सेंटर और 5.43 मिलियन वर्ग फीट जगह थी। इससे यह इंडिक्यूब का सबसे बड़ा बाजार बन गया। भारत के ऑफिस मार्केट में फ्लेक्स स्पेस एक मुख्यधारा की कैटेगरी के रूप में उभरा है।

जुनून और समर्पण तारीफ के काबिल

पीएम मोदी ने वैषाली रमेशबाबू और आनंदकुमार वेलकुमार को दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर वैषाली रमेशबाबू ने लगातार दूसरी बार फिडे विमेंस ग्रां प्री स्विस खिताब अपने नाम किया। वहीं, आनंद ने सीनियर मेंस 1000 मीटर स्प्रिंट स्पीड स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय शतरंज ग्रैंडमास्टर वैषाली रमेशबाबू को फिडे विमेंस ग्रां प्री स्विस खिताब जीतने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि वैषाली का जुनून और समर्पण प्रेरणादायक है। प्रधानमंत्री ने लिखा, शानदार उपलब्धि। वैषाली रमेशबाबू को बधाई। उनका जुनून और समर्पण काबिले-तारीफ है। उनके आने वाले प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

लगातार दूसरी बार जीता खिताब- भारतीय ग्रैंडमास्टर वैषाली रमेशबाबू ने लगातार दूसरी बार फिडे विमेंस ग्रां प्री स्विस खिताब अपने नाम किया। उन्होंने समरकंद में सोमवार को खेले गए 11वें और आखिरी राउंड में चीन की पूर्व विश्व चैंपियन झोंगयी टैन के खिलाफ कड़े मुकाबले में ड्रॉ खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की। इस जीत के साथ उन्होंने विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भी जगह बना ली है।

स्पीड स्केटिंग में भारत को पहला वर्ल्ड चैंपियन

प्रधानमंत्री मोदी ने एक और खेल उपलब्धि पर भी खुशी जाहिर की। उन्होंने सीनियर मेंस 1000 मीटर स्प्रिंट स्पीड स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 में गोल्ड मेडल जीतने पर आनंदकुमार वेलकुमार को बधाई दी। पीएम मोदी ने लिखा, आनंद का हौसला, रफ्तार और जज्बा उन्हें भारत का पहला स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियन बनाता है। यह उपलब्धि अनगिनत युवाओं को प्रेरित करेगी। उन्हें बधाई और भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

ऑपरेशन व्हाइट बॉल के बाद ICC के सामने भी पाकिस्तान क्लीन बोल्ड

मांग खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ एशिया कप 2025 में करारी शिकस्त झेलने के बाद पाकिस्तान की एक बार फिर किरकिरी हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एशिया कप 2025 से मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने की पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की मांग को आधिकारिक तौर पर खारिज कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, आईसीसी के संचालन या कानूनी विभाग की ओर से भेजे गए पत्र से स्पष्ट हो गया है कि रविवार को दुबई में भारत-

पाकिस्तान मैच के दौरान हुए हाथ न मिलाने के विवाद में मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट की कोई भूमिका नहीं थी। आईसीसी ने पाकिस्तान के इस दावे का खंडन किया है कि मैच रेफरी भारतीय टीम की ओर से काम कर रहे थे। पीसीबी ने भारत-पाकिस्तान मैच के बाद आईसीसी से कहा था कि अगर जिम्बाब्वे के अधिकारी को उनके पद से नहीं हटाया गया, तो पाकिस्तान एशिया कप 2025 के अपने अगले मैच का बहिष्कार करेगा। पाकिस्तान ने बुधवार को यूएई के खिलाफ अपना अंतिम ग्रुप मुकाबला खेलना है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीसीबी ने आईसीसी को लिखे पत्र में पाइक्रॉफ्ट को पद से हटाने की मांग की है।

आईसीसी रैंकिंग में मची खलबली

स्टार भारतीय खिलाड़ी ने फिर हासिल किया नंबर-1 का ताज

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने ताजा रैंकिंग का ऐलान कर दिया है। आईसीसी वूमेन्स बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत की स्टार ओपनर स्मृति मंधाना ने कमाल कर दिया है। स्मृति मंधाना ने 1 पायदान की छलांग लगाते हुए एक बार फिर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। वर्ल्ड कप का आगाज से महज दो हफ्ते पहले मंधाना इंग्लैंड की कप्तान नैट सिवर-ब्रंट को पीछे छोड़कर नंबर-1 ओडीआई बल्लेबाज बन गई हैं।

स्मृति मंधाना को न्यू चंडीगढ़ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ओडीआई सीरीज के पहले मैच में 58 रन की दमदार पारी का आईसीसी रैंकिंग में फायदा हुआ। इस पारी की बदौलत उन्हें 7 रेटिंग पॉइंट्स मिले और वह इंग्लैंड की कप्तान से चार पॉइंट आगे निकल गईं।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की रैंकिंग में सुधार

मंधाना के अलावा भारत की प्रतिका रावल चार स्थान ऊपर चढ़कर 42वें नंबर पर पहुंची हैं, जबकि हरलीन देओल पांच पायदान की छलांग लगाकर 43वें स्थान पर पहुंच गई हैं। टॉप-10 ओडीआई बल्लेबाजों की रैंकिंग में मंधाना एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। ओडीआई सीरीज के पहले मैच में आठ विकेट से जीत दर्ज करने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। बेथ मूनी तीन स्थान की छलांग लगाकर पांचवें स्थान पर पहुंची। एन्नाबेल सदरलैंड और फोएबे लिचफील्ड ने अर्धशतक जमाकर 25वें स्थान पर संयुक्त रूप से जगह बनाई।

स्नेह राणा ने लगाई 5 स्थान की छलांग

ओडीआई गेंदबाजों की रैंकिंग में भी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को फायदा हुआ है। तेज गेंदबाज किम गार्थ एक स्थान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर आ गईं। स्पिनर अलाना किंग पांचवें नंबर पर पहुंच गई हैं। भारत की ऑफ स्पिनर स्नेह राणा भी पांच स्थान की छलांग लगाकर 13वें स्थान पर पहुंच गई हैं। इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन अभी भी नंबर-1 गेंदबाज बनी हुई हैं।

लारा की शानदार वापसी, 56 साल की उम्र में दिखाया क्लास

अपनी टीम के लिए खेली शानदार पारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के महान बल्लेबाजों में शुमार ब्रायन लारा को क्रिकेट फैंस आज भी उनके बड़े-बड़े शॉट्स और लंबे शतक के लिए याद करते हैं. 17 साल पहले इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके लारा ने एक बार फिर बल्ले से अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है. त्रिनिदाद एंड टोबैगो में आयोजित नॉर्थ जोन क्रिकेट काउंसिल ञ्च20 फेस्टिवल में उन्होंने अपने बचपन की टीम हावर्ड स्पोर्ट्स क्लब के लिए खेलते हुए शानदार बल्लेबाजी की और टीम को जीत दिलाई.

बारिश से छोटा हुआ मैच- डिएगो मार्टिन रिजनल स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में हावर्ड स्पोर्ट्स क्लब और इबोनी स्पोर्ट्स की टीमें आमने-सामने थी. पहले यह मुकाबला 20-20 ओवर का होना था लेकिन बारिश के कारण इसे घटाकर 15-15 ओवर का कर दिया गया. पहले बल्लेबाजी करते हुए इबोनी स्पोर्ट्स ने 6 विकेट पर 100 रन बोर्ड पर लगा दिए और हावर्ड की टीम को जीत के लिए 101 रन का लक्ष्य दिया.

जब मैदान पर आए लारा- हावर्ड स्पोर्ट्स क्लब ने लक्ष्य का पीछा तेज शुरुआत के साथ किया, लेकिन स्कोरबोर्ड 48 पर पहुंचते ही टीम ने अपने दो विकेट गंवा दिए.

- **नाबाद पारी से जिताया मैच-** लारा ने 26 रन की नाबाद पारी खेली और साथी बल्लेबाज आंद्रे यार्ड के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए अहम साझेदारी निभाई. उनकी पारी ने मैच का रुख पूरी तरह हावर्ड के पक्ष में कर दिया. आखिरकार हावर्ड स्पोर्ट्स क्लब ने यह मैच 8 विकेट से जीत लिया और विजयी रन भी लारा के बल्ले से ही निकला. इस तरह उन्होंने साबित कर दिया कि उम्र चाहे कुछ भी हो, क्लास हमेशा कायम रहती है.
- **भारत में भी दिखे थे एक्शन में-** ब्रायन लारा इसी साल की शुरुआत में भारत में खेले गए इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में वेस्टइंडीज मास्टर्स टीम की ओर से मैदान पर उतरे थे. उस टूर्नामेंट में उनकी टीम फाइनल तक पहुंची थी और उपविजेता रही थी.
- **लारा का करियर-** ब्रायन लारा ने 2007 में इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहा था, लेकिन तब तक वह वेस्टइंडीज क्रिकेट का सबसे बड़ा नाम बन चुके थे. उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 131 मैच खेलते हुए 11,953 रन बनाए और आज भी वह वेस्टइंडीज के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. उनकी 400 रन की नाबाद पारी और 375 रन की पारी टेस्ट क्रिकेट इतिहास में दर्ज हैं.

शर्मनाक रिकॉर्ड!

टी20 में सबसे ज्यादा डक पर आउट होने वाले भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 क्रिकेट को आमतौर पर तेज रन बनाने और ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के लिए जाना जाता है, लेकिन इस छोटे फॉर्मेट में कभी-कभी बड़े से बड़ा खिलाड़ी भी बिना खाता खोले पवेलियन लौट जाता है. भारत के कई दिग्गज बल्लेबाजों ने टी20 इंटरनेशनल में ढेरों रिकॉर्ड बनाए हैं, लेकिन कुछ खिलाड़ियों के नाम ऐसे रिकॉर्ड भी दर्ज हैं, जिन्हें वे शायद याद नहीं करना चाहेंगे. इनमें सबसे अहम है, सबसे ज्यादा 'डक' (0 रन पर आउट होना) का रिकॉर्ड.

रोहित शर्मा - 12 डक

भारत के हिटमैन और टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रोहित शर्मा ने अपने करियर में कई बड़े शतक लगाए हैं, लेकिन उनके नाम इस फॉर्मेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा 12 डक भी दर्ज हैं. रोहित ने अब तक 159 मैच खेले हैं और 4231 रन बनाए हैं, जिनमें 5 शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं.

एथलेटिक बिलबाओ को झटका

पूरे सीजन बाहर रहेंगे मिडफील्डर बेनात प्राडोस

मैड्रिड, एजेंसी। एथलेटिक बिलबाओ को 11 साल बाद चैंपियंस लीग में वापसी से ठीक पहले बड़ा झटका लगा है। मिडफील्डर बेनात प्राडोस को एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (एसीएल) की गंभीर चोट लगी है। 24 वर्षीय प्राडोस पिछले हफ्ते ट्रेनिंग के दौरान अपना बायां घुटना चोटिल करवा बैठे थे, जिसके चलते उन्हें पूरे सीजन बाहर बैठना पड़ेगा। क्लब की ओर से बयान में कहा गया है, एथलेटिक क्लब की मेडिकल टीम की तरफ से किए गए टेस्ट से पता चला है कि फर्स्ट-टीम खिलाड़ी बेनात प्राडोस के बाएं घुटने के एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (एसीएल) में गंभीर चोट आई है। जल्द ही सर्जरी की तारीख तय की जाएगी। प्राडोस की फिटनेस को लेकर नियमित अपडेट दिए जाएंगे। कोच अर्नेस्टो वाल्वरडे की रणनीति में प्राडोस को मिकेल जौरेगिजार और चोटिल इनिगो रुइज डी गैलारेटा के बाद सेंट्रल मिडफील्ड में तीसरी पसंद माना जाता था। उनसे चैंपियंस लीग, ला लीगा, कोपा डेल रे और स्पेनिश सुपर कप जैसे टूर्नामेंट्स में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद की जा रही थी। एथलेटिक की यूथ एकेडमी से निकले प्राडोस ने पिछले सीजन 45 मैच खेले थे। दूसरे डिवीजन की टीम मिरांडेस के लिए लोन से लौटने के बाद पिछले सीजन में 33 मैच खेले थे। एथलेटिक क्लब मंगलवार शाम अपने चैंपियंस लीग अभियान की शुरुआत प्रीमियर लीग टीम आर्सेनल के खिलाफ मुकाबले के साथ करेगा। इस मिडफील्डर की कमी को पूरा करने के लिए अर्नेस्टो वाल्वरडे एक और अनुभवी मिकेल वेस्गा और बी-टीम के एलेजांद्रो रेगो की मदद लेंगे।

चैंपियंस लीग के ग्रुप चरण/लीग चरण में एथलेटिक क्लब ने आखिरी बार 2014/15 सीजन में हिस्सा लिया था। इससे पहले टीम 1998/99 में ही खेली थी। स्पेनिश टीम ने पिछले सीजन यूईएफए यूरोपा लीग के लीग चरण में अपने सभी चार घरेलू मैच जीते थे।

पथुम निस्सांका का एशिया कप- 2025 में लगातार दूसरा अर्धशतक

श्रीलंका के बड़े खिलाड़ियों का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका के पथुम निस्सांका ने मौजूदा पुरुष टी20 एशिया कप 2025 में लगातार दूसरे अर्धशतक (68 रन) के बाद 150 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए हांगकांग के खिलाफ अपनी टीम को जीत दिला दी। इसी के साथ ही निसांका ने कुसल मेंडिस और कुसल परेरा जैसे बड़ी श्रीलंकाई खिलाड़ियों के टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में श्रीलंका के लिए सर्वाधिक 50 से ज्यादा रनों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। निसांका ने छोटे अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और पिछले 5 मैचों में अपना तीसरा और मौजूदा एशिया कप में दूसरा अर्धशतक जड़ा। 27 वर्षीय निसांका ने अपने 4 साल से कम के करियर में ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में श्रीलंका के लिए सबसे ज्यादा 50 प्लस रन बनाने का रिकॉर्ड बना लिया है। निस्सांका ने अभी तक कोई टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक नहीं लगाया है। निस्सांका ने श्रीलंका के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 17 बार पचास से ज्यादा रन बनाए हैं, जो इस प्रारूप में श्रीलंका के अनुभवी खिलाड़ी कुसल मेंडिस और कुसल परेरा से एक ज्यादा है।

टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में श्रीलंका के लिए सर्वाधिक 50 से ज्यादा रन

पथुम निस्सांका - 17
कुसल मेंडिस - 16
कुसल परेरा - 16 (15 अर्धशतक, 1 शतक)
टीएम दिलशान - 14 (13 अर्धशतक, 1 शतक)
महेला जयवर्धने - 10 (9 अर्धशतक, 1 शतक)

बाबर आजम और विराट कोहली के नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सर्वाधिक 39 अर्धशतक हैं।

ईडी ने युवराज सिंह को भेजा समन

23 सितंबर को पेश होने के लिए कहा, रॉबिन उथप्पा से भी होगी पूछताछ

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक कथित अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप से जुड़े धन शोधन मामले में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ियों युवराज सिंह, रॉबिन उथप्पा और अभिनेता सोनू सूद को पूछताछ के लिए तलब किया है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों के हवाले से मंगलवार 16 सितंबर को यह जानकारी दी।

युवराज को 23 और उथप्पा को 22 सिंतबर को बुलाया- अधिकारियों ने कहा कि विश्व कप विजेता क्रिकेटरों युवराज सिंह (43 साल) और रॉबिन उथप्पा (39 साल) तथा सोनू सूद (52 साल) को '1एक्सबेट' नामक प्लेटफॉर्म से जुड़े एक मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अगले सप्ताह उनके बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि रॉबिन उथप्पा को 22 सितंबर को बयान दर्ज कराने को कहा गया है। युवराज सिंह को 23 सितंबर, जबकि सोनू सूद को 24 सितंबर को बुलाया गया है।

- **रैना और धवन से भी केंद्रीय जांच एजेंसी कर चुकी है पूछताछ-** केंद्रीय जांच एजेंसी पिछले कुछ हफ्तों में पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन से भी पूछताछ कर चुकी है। इस मामले में सोमवार को पूर्व तृणमूल कांग्रेस सांसद और अभिनेत्री मिमी चक्रवर्ती का भी बयान दर्ज किया गया। सूत्रों ने बताया कि बांग्ला अभिनेता अंकुश हाजरा इस मामले में अपने निर्धारित समन पर मंगलवार को ईडी के समक्ष पेश हुए, जबकि 1एक्सबेट की भारत की ब्रांड एंबेसडर और अभिनेत्री उर्वशी रौतेला मंगलवार को तय तिथि पर अब तक पेश नहीं हुईं।
- **कथित अवैध सट्टेबाजी ऐप से संबंधित है जांच-** यह जांच कथित अवैध सट्टेबाजी ऐप से संबंधित है। जिसके बारे में कहा गया है कि ऐप संचालन कंपनी ने कई लोगों और निवेशकों को करोड़ों रुपये का चूना लगाया है या भारी मात्रा में कर चोरी की है। कंपनी के अनुसार, 1एक्सबेट एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सट्टेबाजी ऐप है जो इस क्षेत्र में 18 वर्षों से कार्यरत है।

डब्ल्यूडब्ल्यूई के स्टार ट्रिपल एच ने किया बड़ा ऐलान, अब इस शो में करेंगे डेब्यू

फैंस हो गए खुश

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई के चीफ कंटेंट ऑफिसर और दिग्गज रेसलर ट्रिपल एच के फैसलों का डब्ल्यूडब्ल्यूई पर हमेशा से प्रभाव रहा है। उन्होंने हाल ही में दो बड़ी घोषणाएं की हैं, जिनमें से एक ने फैंस को निराश किया और दूसरी ने उत्सुकता बढ़ा दी है। फैंस के बीच तरह-तरह के रिएक्शन देखने को मिल रहे हैं। ऐसे में आइए आपको बताते हैं कि ये घोषणाएं क्या हैं।

सऊदी अरब में होगा डब्ल्यूडब्ल्यूई का सबसे बड़ा इवेंट- ट्रिपल एच ने घोषणा की कि रेसलमेनिया 43 रियाद, सऊदी अरब में होगा। इस खबर से कई फैंस निराश हैं क्योंकि वे चाहते थे कि यह प्रतिष्ठित शो अमेरिका में ही हो या किसी यूरोपीय देश को पहली बार इसकी मेजबानी का मौका मिले।

मैं अब थोड़ा मैच्योर हो गई हूं

अवनीत कौर टीवी की फेमस एक्ट्रेस हैं। फिर उन्होंने फिल्मों में काम किया। रानी मुखर्जी से लेकर नवाजुद्दीन सिद्दीकी तक के साथ। अब वो बड़ा नाम बन चुकी हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 31.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं, अपनी नई फिल्म लव इन वियतनाम को लेकर। आपने 8 साल की उम्र में डांस रिएलिटी शो डीआईडी लिटिल मास्टर्स से शुरुआत की। झलक दिखला जा में दर्शील सफारी की कोरियोग्राफर रहीं। फिर ऐक्टिंग की ओर कैसे झुकाव हुआ? निश्चित तौर इन सबसे बहुत सीखा, पर नवाज सर के साथ काम करना मेरे लिए सपना सच होने जैसा था। मैं दोबारा उनके साथ काम करना चाहूंगी। वह बहुत ही अंडरस्टैंडिंग हैं। टीकू का किरदार करना मेरे लिए आसान नहीं था। मैं सिर्फ 17 साल की थी और बहुत डरी हुई थी, पर नवाज सर ने मुझे स्पेस और टाइम दिया। वरना कभी-कभी सीनियर ऐक्टर टोक देते हैं क्योंकि आप यंग हैं या नए हैं तो नर्वस हो जाते हैं, लाइन भूल जाते हैं, मगर उन्होंने मुझे वो वक्त दिया कि तू कर, जैसे तुझे करना है, मैं तेरे साथ हूं। निश्चित तौर पर बुरा लगता है। आखिर तो हम भी इंसान ही है, लेकिन मैं बहुत वक्त से ये चीजें देख रही हूं, तो अब थोड़ा मैच्योर हो गई हूं। अभी थोड़ा ठहराव आ गया है, तो जब ये चीजें होती हैं तो मैं पॉजिटिव साइड देखने की कोशिश करती हूं। उन लोगों की सोचती हूं, जो इतना लोग प्यार देते हैं। मुझे पता है कि मैंने यहां तक पहुंचने के लिए कितनी मेहनत की है।

कई एक्ट्रेसेस ने कान्स में अपने लुक और कपड़ों को लेकर दबाव में होने की बात कही है। आपके साथ भी ऐसा कुछ था?

कोई भी चीज जब आप पहली बार करते हैं तो नर्वसनेस होती ही है। कान्स को लेकर मुझे भी ये टेंशन थी कि मैं क्या पहनूं, क्योंकि मैं अपने फैशन और स्टाइल को बहुत सीरियसली लेती हूं। वह मेरे लिए बहुत इंपॉर्टेंट है। मुझे ज्यादा आत्मविश्वास महसूस होता है, जब मैं एक अच्छा आउटफिट पहनती हूं या अच्छा लुक कैरी करती हूं। हालांकि, कोई टीम नहीं थी, मैंने खुद ही अपना कान्स का लुक स्टाइल किया था।

'मैं नई चीजें आजमाता रहता हूं': अनुराग

'निशानची' के जरिए अनुराग कश्यप एक बार फिर गैंगस्टर की कहानी वाली फैमिली ड्रामा लेकर आ रहे हैं। अब फिल्म की सफलता और अपनी फिल्ममेकिंग को लेकर उन्होंने बात की। फिल्ममेकर अनुराग कश्यप इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'निशानची' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। 'निशानची' के जरिए अनुराग एक बार फिर गैंग्स ऑफ वासेपुर जैसी एक एक्शन से भरपूर फैमिली ड्रामा लेकर आ रहे हैं, जिसमें जबरदस्त गैंगवॉर देखने को मिलेगी। अब अनुराग ने फिल्म में नए चेहरों को लेने, फिल्म की कास्टिंग और बॉक्स ऑफिस पर सफलता के उनके लिए मायने को लेकर बात की।

इस बार मैं पैसे कमाऊंगा

टेली टॉक इंडिया से बातचीत के दौरान अनुराग कश्यप से जावेद अख्तर द्वारा उनकी फिल्म 'मुक्काबाज' को लेकर की गई टिप्पणी पर सवाल किया गया। दरअसल, जावेद अख्तर ने अनुराग से पूछा था कि उन्होंने ऐसी फिल्म क्यों बनाई जिसका अंत कोई कमाई नहीं करेगा। अब इस टिप्पणी को लेकर अनुराग ने निशानची के बारे में कहा कि इस बार अंत ऐसा होगा जावेद साहब कि मैं पैसे कमाऊंगा।

मैं सिर्फ प्रतिभा देखता हूं

अपनी फिल्म में नए कलाकारों को कास्ट करने के बारे में अनुराग ने कहा कि मैं सिर्फ प्रतिभा देखता हूं। क्या मैं उनमें किरदार देख सकता हूं, वे कितनी मेहनत कर रहे हैं और फिल्म के लिए कितना समय दे रहे हैं? बात सिर्फ इतनी नहीं है कि मैं किसी को मौका दे रहा हूं। मुख्य किरदार ढूंढ रहा हूं। अगर मैं 'निशानची' बना रहा हूं, तो मैं बबलू और डबलू को ढूंढ रहा हूं, मैं रिंकू को ढूंढ रहा हूं, मैं उनकी मां को ढूंढ रहा हूं। मैं अपने किरदारों को ढूंढ रहा हूं। मुझे यह उनमें मिला। मैंने उनके परिवारों से बात की और उनसे कहा कि मुझे इसे बनाने के लिए समय चाहिए होगा। ऐश्वर्य ने किरदार के लिए की काफी मेहनत ऐश्वर्य ठाकरे की तैयारी के बारे में अनुराग ने बताया कि ऐश्वर्य मुंबई से आते हैं, लेकिन उन्हें कनपुरिया बनना था। इसके लिए ऐश्वर्य ने कड़ी मेहनत की है। उन्होंने मुझे चार साल दिए और फिर हमने फिल्म शुरू की। फिल्म मेकिंग को लेकर अनुराग ने कहा कि अगर आप सिर्फ अपने ही मसाले के साथ काम करते हैं, तो आप अप्रासंगिक हो सकते हैं।

उर्वशी रौतेला के बाद अवैध बेटिंग एप मामले में आया सोनू सूद का नाम

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता सोनू सूद एक बार फिर सुर्खियों में हैं। फिल्मों में अपनी शानदार अदाकारी और असल जिंदगी में गरीबों के मसीहा कहलाने वाले सोनू इस बार एक गंभीर मामले के कारण चर्चा में आए हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला, पूर्व सांसद मिमि चक्रवर्ती, पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और युवराज सिंह के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय ने एक्टर सोनू सूद को गैरकानूनी बेटिंग ऐप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए समन भेजा है। सोनू सूद अवैध ऑनलाइन बेटिंग एप को लेकर ईडी के सवालों के घेरे में आ गए हैं।

कब और क्यों बुलाए गए सोनू सूद?

ईडी ने सोनू सूद को 24 सितंबर को दिल्ली स्थित मुख्यालय में पेश होने का आदेश दिया है। एजेंसी का मानना है कि उन्होंने एक ऐसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के साथ प्रमोशनल जुड़ाव किया, जो भारत में बैन है। यह एप कथित तौर पर अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और पैसों की हेराफेरी में शामिल है। जांच एजेंसी इस बात की पड़ताल कर रही है कि सेलिब्रिटीज और खिलाड़ियों की ब्रांडिंग से इस एप को किस हद तक फायदा हुआ और क्या इससे जुड़े भुगतान नियमों का उल्लंघन हुआ।

ईडी की जांच का दायरा

प्रवर्तन निदेशालय लंबे समय से इंटरनेट पर चल रही ऐसी बेटिंग वेबसाइट्स पर नजर रख रहा है, जो भारत के कानून के खिलाफ हैं। इन प्लेटफॉर्म्स के जरिए न सिर्फ सट्टेबाजी होती है बल्कि हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी गतिविधियों की भी आशंका जताई जा रही है। अब जब इन मामलों में पि सितारों और खिलाड़ियों के नाम सामने आ रहे हैं दायरा और भी बढ़ गया है।

अनन्या पांडे मालदीव वेकेशन के दौरान व्लॉगिंग की दुनिया में उतरीं

अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों मालदीव में अपनी छुट्टियों का भरपूर आनंद ले रही हैं। इस खूबसूरत द्वीप की सैर के साथ-साथ उन्होंने व्लॉगिंग की दुनिया में भी कदम रख दिया है। अनन्या ने अपने प्रशंसकों को मालदीव की मनोरम सुंदरता और अपनी मजेदार गतिविधियों की झलक दिखाने के लिए इंस्टाग्राम पर एक मोंटाज वीडियो साझा किया है। अनन्या ने व्लॉग पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, मेरा पहला व्लॉग बनाने की कोशिश, लेकिन मैंने मालदीव में सबसे शानदार पल बिताए। इस वीडियो में उन्होंने अपनी सुबह की शुरुआत से लेकर दिनभर की गतिविधियों को बखूबी कैद किया है। वीडियो में अनन्या कभी साइकिल चलाती नजर आती हैं, तो कभी स्काईडाइविंग के रोमांच का आनंद लेती दिखती हैं। इसके अलावा, वह जिम में पसीना बहातीं, पूल के किनारे किताब पढ़तीं, समुद्री जीवों के बीच मसाज का लुत्फ उठातीं और मालदीव के रंग-बिरंगे सूर्यास्त का दीदार करती दिखीं। उनके इस व्लॉग ने प्रशंसकों को उनकी जिंदादिली और बेफिक्र अंदाज की एक नई झलक दी है। मालदीव की नीली लहरों, हरे-भरे नजारों और शांत वातावरण ने उनके व्लॉग को और भी आकर्षक बनाया। सोशल मीडिया पर उनके इस व्लॉग को ढेरों तारीफें मिल रही हैं। कई यूजर्स उनके कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। अभिनेत्री के अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो वह जल्द ही आगामी फिल्म चांद मेरा दिल में लक्ष्य लालवानी के साथ रोमांस करती नजर आएंगी। यह एक लव स्टोरी है, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है। वहीं, दूसरी ओर वह फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में कार्तिक आर्यन के साथ नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है।

गुस्से वाली तस्वीर वायरल होने पर धनुष ने दी प्रतिक्रिया, बोले- 'मेरा ध्यान हट गया था

साउथ अभिनेता इन दिनों अपनी आगामी फिल्म इडली कढ़ाई से चर्चा में हैं। बीते दिन सोमवार को फिल्म का ऑडियो लॉन्च इवेंट हुआ। इस दौरान अभिनेता ने गुस्से में वायरल हुई अपनी तस्वीर पर प्रतिक्रिया दी।

साउथ सुपरस्टार धनुष को आखिरी बार कुबेर फिल्म में देखा गया था। इसी फिल्म के प्रमोशनल इवेंट के दौरान अभिनेता की एक तस्वीर वायरल हुई थी, जिसमें उन्हें गुस्से में देखा गया था। ये तस्वीर देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। सोमवार को एक्टर की आगामी फिल्म इडली कढ़ाई के ऑडियो लॉन्च के मौके पर धनुष से इस वायरल तस्वीर के बारे में पूछा गया। इसपर अभिनेता ने कहा वो शर्मनाक था।

धनुष से इवेंट के दौरान वायरल तस्वीर को लेकर सवाल किया गया। उन्होंने कहा, 'कई बार, जब हम किसी से बात कर रहे होते हैं या कोई प्रेरणादायक संगीत सुन रहे होते हैं, तो कलाकार कभी-कभी हमारी जानकारी के बिना ही उस पर परफॉर्म करना शुरू कर देते हैं। जब बच्चे रायन का गाना इतनी अच्छी तरह गा रहे थे, तो मैं उस किरदार और उसकी तैयारी के बारे में सोचने लगा। मैं भावुक हो गया। मेरे करीबी लोग इस बारे में जानते हैं। यह शर्मनाक था।

अभिनेत्री ऐश्वर्या

लक्ष्मी ने खुद के लिए लिया बड़ा फैसला

मलयालम और तमिल सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री ऐश्वर्या लक्ष्मी ने हाल ही में एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बनाकर अपने अभिनय और फिल्मों पर ध्यान केंद्रित करने का ऐलान किया है। ऐश्वर्या का कहना है कि वक्त के साथ उन्होंने महसूस किया कि सोशल मीडिया ने उनकी असली सोच और जीवन की छोटी-छोटी खुशियों को उनसे छीन लिया है।

ऐश्वर्या लक्ष्मी ने बताया कि लंबे समय तक उन्हें यह विश्वास दिलाया गया कि एक्टिंग करियर को आगे बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया जरूरी है। इंडस्ट्री में बने रहने और दर्शकों से जुड़े रहने के लिए उन्होंने भी इस तरीके को अपनाया। लेकिन धीरे-धीरे उन्हें महसूस हुआ कि यह प्लेटफॉर्म उनके काम में बाधा बन रहा है। ये न सिर्फ उनकी तैयारी को प्रभावित कर रहा था, बल्कि उनके निजी जीवन की सहजता भी खो रही थी। उन्होंने पोस्ट करते हुए लिखा कि इंटरनेट की चमक-दमक में फंसकर वह उस ओर मुड़ गई जो असल में उन्हें करना ही नहीं था। लगातार लाइक और कमेंट्स की होड़ में उनकी भाषा, सोच और अनुभव कहीं न कहीं पीछे छूट गए। अभिनेत्री ने कहा कि सोशल मीडिया छोड़ना उनके जीवन का पहला मौलिक विचार है, जिसे उन्होंने पूरी तरह अपनाया। उनका मानना है कि कलाकार को किसी सांचे में ढालकर नहीं देखा जाना चाहिए। वह चाहती हैं कि उनकी पहचान उनके अभिनय और सिनेमा से बने, न कि सिर्फ इंस्टाग्राम पोस्ट्स और ट्रेंड्स से। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि इस फैसले के बाद शायद लोग उन्हें भूल जाएं, लेकिन वह इस जोखिम को उठाने के लिए तैयार हैं। ऐश्वर्या ने साफ किया कि अब उनका लक्ष्य सिनेमा बनाना और जीना है। वह चाहती हैं कि आगे की उनकी फिल्मों में वही गहराई और संवेदनशीलता झलके, जिसे वह अपनी असल जिंदगी में महसूस करती हैं। उन्होंने कहा कि अगर भविष्य में वह सचमुच कुछ बेहतर रचनाएं करती हैं, तो दर्शक उन्हें पुराने अंदाज में प्यार दें।

फराह ने सलमान खान से की बाबा रामदेव की तुलना

हाल ही में कोरियोग्राफर फराह खान, बाबा रामदेव के आश्रम में पहुंचीं, जिसका जिक्र उन्होंने अपने व्लॉग में किया है। इसी दौरान फराह ने सलमान खान की तुलना बाबा रामदेव से की।

मशहूर कोरियोग्राफर फराह खान अक्सर सेलेब्स के घर जाती हैं या वो उनके यहां आते हैं। इसका व्लॉग फराह अपने चैनल पर अपलोड करती हैं। हाल ही में कोरियोग्राफर अपने कुक दिलीप के साथ बाबा रामदेव से मिलने उनके आश्रम पहुंचीं। इसके अलावा उन्होंने उनसे कई बातें भी कीं। इसी दौरान फराह ने बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान और बाबा रामदेव की तुलना भी की। जानिए उन्होंने क्या कहा।

'आप और सलमान खान एक जैसे हैं'

फराह खान ने अपने व्लॉग में दिखाया कि वो कुक दिलीप के साथ बाबा रामदेव से मिलने पहुंची हैं। इसमें फराह ने कहा, तो आप और सलमान खान एक जैसे हैं, वह 1 BHK में रहते हैं और बाकी सबके लिए महल बनाते हैं।' उनकी इस मजाकिया टिप्पणी से रामदेव और फराह हंस पड़े।

किस बात पर फराह ने की ये टिप्पणी?

व्लॉग में देखा जा सकता है कि बाबा रामदेव, फराह खान को अपने आलीशान आश्रम को दिखाते नजर आते हैं। इसी दौरान रामदेव अपनी सादगीपूर्ण जीवनशैली की बात करते हैं। साथ ही कहते हैं, 'हमने लोगों के रहने के लिए महल रखा है और अपने लिए झोपड़ी।' इसी पर फराह खान ने सलमान खान से जोड़कर जवाब दिया, तो बाबा रामदेव ने सहमति जताते हुए कहा, 'हां, ये बात तो सही है।

नेगेटिव और चैलेंजिंग रोल निभाने में मजा आता है...

एक्टर सिद्धांत कपूर इन दिनों वेब सीरीज मंडला मर्डर्स को लेकर चर्चा में हैं। यह साइकोलॉजिकल थ्रिलर सीरीज उन्हें स्क्रिप्ट लेवल पर ही अच्छी लगी। वे कहते हैं... इसकी स्क्रिप्ट की रहस्यमयता और मेरे डार्क किरदार की चुनौती ने मुझे तुरंत हां कहने पर मजबूर कर दिया। मुझे हमेशा ऐसे रोल पसंद आते हैं जो मुझे मेरी सीमाओं से आगे ले जाएं। इस बार भी वही हुआ। किरदार की तैयारी को लेकर सिद्धांत खुद को ऑन-द-स्पॉट एक्टर मानते हैं। उन्होंने कहा... मैंने स्विच ऑन और स्विच ऑफ आर्ट का इस्तेमाल किया। हालांकि, शूटिंग आसान नहीं थी। कम रोशनी और रात के सीन, साथ ही एक्शन सीक्वेंस ने काफी मेहनत कराई। एक सीन में हाथ काटने का विजुअल था जो शारीरिक रूप से बेहद ही चुनौतीपूर्ण रहा। ओटीटी पर काम को लेकर सिद्धांत बेहद सकारात्मक सोच रखते हैं। उनके मुताबिक, ओटीटी ने सभी के लिए नए दरवाजे खोले हैं। आगे भी मैं हर तरह के रोल निभाना चाहता हूं।

साभार एजेंसी